डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

03 जून 2025
मंगलवार

चुनाव से पहले सरकारी स्कूल के रसोइयों का मानदेय होगा दुगना

5

दो से तीन चरणों में होंगे बिहार विधानसभा चुनाव, दीवाली छठ को देखते हुए तय होगी तारीख

काउंटडाउन शुरू

- वर्ष 2020 में विधानसभा चुनाव 3 चरणों में जबकि 2015 में 5 चरणों में कराए गए थे चुनाव
- तारीखों के ऐलान से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस महीने करनेवाले हैं बिहार का दौरा

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल बढ़ गई है। हालांकि चुनाव में अभी काफी समय है लेकिन अभी से ही राजनीतिक रैलियों का दौर शुरू हो चुका है। अब सबकी नजर इस पर है कि राज्य में चुनाव की तारीखों का ऐलान कब होगा और यह कितने चरणों में कराया जाएगा। इस बीच सूचना यह आ रही है कि बिहार विधानसभा चुनाव दो से तीन चरणों में कराया जा सकता है। साथ ही दीवाली और छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए चुनाव की तारीख तय की जाएगी।

बिहार विधानसभा का वर्तमान कार्यकाल 22 नवंबर 2025 को खत्म हो रहा है, उससे पहले चुनाव की प्रक्रिया पूरी होना आवश्यक है। पिछला विधानसभा चुनाव (2020) 3 चरणों में जबकि 2015 में 5 चरणों में चुनाव कराए गए थे। अब चुनाव आयोग बिहार में चुनाव कराने को लेकर अपनी तैयारी में जुट गया है। तारीखों के ऐलान से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस महीने बिहार का दौरा करने वाले हैं। चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले चुनाव आयोग अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दे रहा है, साथ ही वह राजनीतिक दलों को भी जागरूक कर रहा है। आयोग अपने कर्मचारियों को बता रहा है कि जब आयोग की ओर से वोटर लिस्ट उनके पास भेजी जाती है तो उनको शामिल होने या हटाए जाने का शक होने पर उनके पास शिकायत और अपील करने का मौका है, उसका इस्तेमाल करें ताकि फाइनल वोटर लिस्ट के प्रकाशन से पहले उनकी शिकायतों और अपील पर गौर किया जा सके।

चुनाव आयोग अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए भी तैयार है। जल्द ही आयोग में एआई निगरानी सेल का गठन किया जाएगा, जो डिजिटल माध्यमों से फैलाए जा रहे झूठे प्रचार, फेक न्यूज और चुनावी गड़बड़ियों पर नजर रखेगा आयोग का लक्ष्य साफ है हर मतदाता तक पहुंचना, फर्जीवाड़ा रोकना और तकनीकी चुनौतियों का समय रहते समाधान करना। चुनाव आयोग पहले ही राजनीतिक दलों को इस मामले में एडवाइजरी दे चुका है कि वे एआई से बनाई गई प्रचार सामग्री में यह स्पष्ट तौर पर लिखें कि यह एआई से बनाया गया है ताकि वोटर्स को इसकी जानकारी रहे। आने वाले महीनों में बिहार की राजनीति गर्माएगी, लेकिन चुनाव आयोग की तैयारियों से यह तय है कि इस बार का चुनाव अधिक संगठित और पारदर्शी होगा। चुनाव को लेकर जहां चिराग पासवान ने लड़ने का ऐलान कर दिया है वहीं प्रशांत किशोर भी अपनी पार्टी के साथ मैदान में हैं।

वोटर लिस्ट अपडेट करने के लिए चलाया जाएगा अभियान

आयोग की कोशिश है कि कुछ महीने पहले महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली में चुनाव के दौरान वोटर लिस्ट को लेकर जिस तरह के आरोप लगे, वैसे आरोप इस बार बिहार चुनाव में न लगे। इसीलिए बूथ लेवल ऑफिसर की ट्रेनिंग भी गई है। सभी बीएलओ को पहचान पत्र भी दिए जाएंगे ताकि वे घर-घर जाकर सत्यापन कर सकें। बिहार में वोटर लिस्ट अपडेट कराने के लिए खासतौर पर अभियान चलाया जाएगा ताकि 18 साल की उम्र के नौजवानों के नाम वोटर लिस्ट में जोड़ा जा सके। साथ ही चुनाव आयोग ने अब इसीआईएनईटी शुरू करने का फैसला किया है, यह इंटीग्रेटेड डैशबोर्ड है जो सारी सुविधाएं एक ही जगह दे देता है, जबकि इससे पहले इन सब के लिए 40 ऐप और वेबसाइट का उपयोग करना होता था।

अब एक पोलिंग बूथ पर 1500 की जगह 1200 वोट ही रहेंगे

आयोग ने विपक्ष की ओर से लगाए जा रहे आरोपों के बाद कई कदम उठाए हैं। अब डुप्लीकेट इपीक नंबर नहीं होंगे, इन्हें खत्म कर दिया गया है। मरने वालों के आंकड़े रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया से जोड़ दिए गए हैं ताकि मर चुके वोटर्स के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए जाएं। आयोग बिहार में चुनाव के दौरान वोटर्स को कई नई सुविधाएं देने की योजना पर काम कर रहा है। अब एक पोलिंग बूथ पर 1500 की जगह अधिकतम 1200 वोट ही रहेंगे। साथ ही घनी आबादी वाले इलाकों में अतिरिक्त पोलिंग बूथ भी बनाए जाएंगे। इसके अलावा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वोट देने के लिए किसी भी वोटर को 2 किलोमीटर से अधिक न चलना हो। नई व्यवस्था के तहत अब हाइराइज बिल्डिंग्स में भी पोलिंग बूथ बनाए जाएंगे।

खबरें फटाफट

कोरोना के एक्टिव केस 3758 पार, 24 घंटे 360 नए मामले

कोरोना के बढ़ते मामले एक बार फिर चिंता बढ़ा रहे हैं। 22 मई को देश में सिर्फ 257 केस थे, अब 10 दिन में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 3758 हो गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में देशभर में कोरोना के 360 नए मामले दर्ज किए गए हैं। केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली में मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। आंकड़ों की बात करें तो 22 मई तक देश में केवल 257 एक्टिव केस थे, जो तेजी से बढ़ते हुए 26 मई तक 1010 और 31 मई तक 3395 हो गए। अब 1 जून को यह संख्या 3758 पार कर चुकी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो 19 मई तक केवल 24 सक्रिय मामले थे, जो अब 12 दिनों में बढ़कर 436 हो चुके हैं। मौजूदा स्थिति की बात करें तो केरल में 1400, महाराष्ट्र में 814, और दिल्ली में 436 एक्टिव केस सामने आए हैं। वहीं, इस अवधि में 4 मरीजों की मौत भी दर्ज की गई है। मृतकों में कर्नाटक का एक 63 वर्षीय व्यक्ति शामिल है, जो पल्मोनरी टीबी और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रसित था। केरल में एक 24 वर्षीय महिला की भी कोरोना से मौत हुई है, जो पहले से कई बीमारियों का सामना कर रही थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक देश में कोरोना से 28 मौतें हो चुकी हैं, राहत की बात यह है कि पिछले 24 घंटे में 383 मरीज ठीक होकर घर लौटे हैं।

नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में भारी बारिश से बिगड़े हालात, अब तक 34 लोगों की मौत

सिक्किम में आसमानी आफत... भूस्खलन की चपेट में आया आर्मी कैंप, 3 जवान शहीद

- भूस्खलन के बाद भारतीय सेना ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया
- चार लोगों को मामूली चोटों के साथ बचा लिया गया
- छह सैनिक अभी भी लापता, बचाव अभियान जारी

एजेंसी/गंगटोक

सिक्किम के लाचेन में सेना के एक शिविर में भूस्खलन होने से तीन सैन्यकर्मियों शहीद हो गए हैं। जबकि छह सैनिक अभी भी लापता हैं। सोमवार को एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि लापता सैनिकों के लिए बचाव अभियान जारी है। बचाव दल बेहद चुनौतीपूर्ण इलाके और प्रतिकूल मौसम की स्थिति में लगातार काम कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि मंगन जिले के लाचेन नगर में भारी बारिश के कारण यह भूस्खलन रविवार शाम करीब सात बजे हुआ। इस भयावह भूस्खलन ने आर्मी कैंप को अपनी चपेट में ले लिया। भूस्खलन के बाद भारतीय सेना ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। अब तक चार लोगों को मामूली चोटों के साथ बचा लिया गया है। जबकि तीन बहादुर सैनिक हवलदार लखविंदर सिंह, लांस नायक मनीष ठाकुर और पोर्टर अभिषेक लखाड़ा इस आपदा में शहीद हो गए। बयान के अनुसार, तीनों के शव बरामद कर लिए गए हैं, रेस्क्यू ऑपरेश जारी है। इंडियन आर्मी ने इस घटना में शहीद हुए सैनिकों के परिवारों के प्रति दुख जाहिर किया है।

आपदा में जान गंवाने वालों के परिवारों को मिलेगी 4 लाख की मदद

पिछले कुछ दिनों से नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में भारी बारिश हो रही है। इससे बाढ़ और लैंडस्लाइड के हालात बने हुए हैं। बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक कम से कम 34 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों के अनुसार, कई एजेंसियां राहत पहुंचाने और फंसे हुए लोगों को बचाने में लगी हुई हैं। असम के मंत्री जयंत मल्लाबरुआ के अनुसार, असम में लैंडस्लाइड के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है और उन्होंने बताया कि इस आपदा में जान गंवाने वालों के परिवारों को 4 लाख रुपये की मदद दी जाएगी।

सिक्किम में टूरिस्टों को बचाया गया: सिक्किम के लाचुंग में खराब मौसम के कारण दो पुलों के टूट जाने के बाद सैंकड़ों टूरिस्ट फंस गए। अधिकारियों ने बताया कि टूरिस्टों के एक जत्थे को बचा लिया गया है और 18 वाहनों में उन्हें फिदांग लाया गया है। 1,678 टूरिस्टों वाला दूसरा जत्था थेंग चेक पोस्ट पार कर चुका है और फिदांग की ओर बढ़ रहा है।

अमित शाह ने पूर्वोत्तर के सीएम से की बात: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी पूर्वोत्तर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को हर संभव मदद का भरोसा दिया है और उन्होंने सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम के मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल से भी बात की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पूर्वोत्तर के लोगों के समर्थन में चट्टान की तरह खड़ी है।

बता दें कि अगले कुछ दिनों के लिए, आईएमडी ने पूर्वानुमान लगाया है कि 5 जून तक पूर्वोत्तर के ज्यादातर क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने 4 जून तक असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग जगहों पर गरज के साथ तूफान और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। साथ ही अरुणाचल, असम और मेघालय में भारी बारिश के आसार हैं।

असम में बाढ़ से 78 हजार लोग से अधिक लोग प्रभावित

असम, सिक्किम समेत पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश ने तबाही मचाई हुई है। बारिश का सबसे अधिक असर असम और सिक्किम में हुआ है। दोनों ही राज्यों के कई इलाकों में बाढ़ हुई है और हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। केवल असम में ही बाढ़ से 78 हजार लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि कई लोगों की मौत भी हुई है। वहीं सिक्किम में 1500 से ज्यादा सैलानी भी फंसे हुए हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में पिछले 48 घंटे में बाढ़ के कारण 30 लोगों की मौत हुई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 31 मई की शाम को एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें बताया गया कि असम के 12 जिले के 175 गांव बाढ़ में डूबे हुए हैं। असम में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 8 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं प्रशासन बड़े पैमाने पर राहत बचाव कार्य चला रहा है। असम में हजारों की संख्या में लोग घर छोड़कर राहत शिविरों में रह रहे हैं।

सिक्किम में कई जगह धंसी जमीन: सिक्किम में भी बारिश ने खूब तबाही मचाई है। शुक्रवार से ही लगातार भारी बारिश की वजह से सिक्किम में जगह-जगह जमीन धंसने की खबर आ रही है। वहीं सिक्किम के कई रास्तों पर आवाजाही ठप हो गई है। सिक्किम में चुंगथांग को लाचेन और लाचुंग से जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर कई भूस्खलन हुआ है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने रेड अलर्ट जारी किया है। सिक्किम में फंसे पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है। उत्तरी सिक्किम में 1500 पर्यटक फंसे हुए हैं।

जेईई-एडवांस्ड में कोटा के रजित गुप्ता ने किया ऑल इंडिया टॉप

एजेंसी/कानपुर

देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग परीक्षा जेईई-एडवांस्ड-2025 का फाइनल परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है। इस बार फिर नतीजों में शिक्षा नगरी कोटा ने देशभर में राजस्थान का नाम रोशन किया है। कोटा के रजित गुप्ता ने आल इंडिया टॉप किया है। रजित ने ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल की है। रजित गुप्ता मूल रूप से कोटा के महावीर नगर क्षेत्र के निवासी हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय फैकल्टी और एलन को दिया है। कोटा के 4 स्टूडेंट्स ने आल इंडिया टॉप-10 में जगह बनाई है। कोटा के सक्षम जिंदल की 2 रैंक, अक्षत की 6 रैंक और देवेश की 8वीं रैंक आई है। टॉप-50 व टॉप-100 में भी कोटा के स्टूडेंट्स की रिकॉर्ड भागीदारी रही।

आइआइटी कानपुर ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि 1,87,23 अभ्यर्थी ने जेईई एडवांस 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। परीक्षा में 1,80,422 अभ्यर्थी शामिल हुए। इसमें से 54378 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। इसमें 9404 लड़कियां व 44,974 लड़के शामिल हैं। वहीं, आइआइटी गुवाहाटी जोन में 2743 अभ्यर्थी मात्र सफल हुए हैं। पिछले वर्ष से अधिक अभ्यर्थी इस बार सफल हुए हैं। इसमें गुवाहाटी जोन का प्रदर्शन खराब रहा। टॉप 100 में गुवाहाटी जोन से कोई भी अभ्यर्थी शामिल नहीं है, जबकि 2024 में टाप 100 में दो अभ्यर्थी शामिल हुए थे। जोन में भी बिहार के अभ्यर्थी ने परचम लहराया है। असम के कनिष्क चक्रवर्ती आल इंडिया 161 रैंक हासिल कर गुवाहाटी जोन के टापर बने हैं। वहीं, आल इंडिया 471 रैंक हासिल कर पटना के ज्ञान प्रकाश जोन के सेकेंड टापर बने हैं। यशवर्धन कटारिया (आल इंडिया रैंक : 478) ने तीसरा, अर्जुन वर्मा (आल इंडिया रैंकः 529) को चौथा एवं नील कमल कुमार (आल इंडिया रैंकः 532) ने पांचवां स्थान हासिल किया है।

समस्तीपुर के अर्णव कुमार को 25वीं रैंक

लड़कियों में गुवाहाटी जोन से सौम्या श्रेयसी (आल इंडिया रैंक : 581) टॉपर रहीं। बिहार में समस्तीपुर के अर्णव कुमार ने जेईई एडवांस 2025 में आल इंडिया रैंक 25 हासिल कर बिहार का मान बढ़ाया है। हालांकि अर्णव दिल्ली जोन से परीक्षा दिया है। इस कारण इनका रिजल्ट दिल्ली जोन से है। अर्णव की पढ़ाई डीपीएस कोटा और डीपीएस भोपाल से हुई थी। 2024 में गुवाहाटी जोन से 2458 अभ्यर्थी मात्र सफल हुए थे। इस बार सबसे अधिक अभ्यर्थी हैदराबाद जोन से 12,946, दिल्ली से 11,370 व तीसरे स्थान पर बाम्बे जो से 11,226 अभ्यर्थी सफल हुए हैं।

आइआइटी गुवाहाटी जोन में आने वाले राज्य: आइआइटी गुवाहाटी जोन में बिहार, असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा आदि राज्य शामिल हैं।

यूक्रेन ने हमले में रूस के 40 लड़ाकू विमान और पांच एयरबेस किए तबाह

एजेंसी/नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब यूक्रेन ने रूस के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। 117 ड्रोन से यूक्रेन ने रूस के 40 लड़ाकू विमान और 5 एयरबेस तबाह किया है। इसको लेकर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि यूक्रेन ने इस स्ट्राइक की प्लानिंग करीब डेढ़ साल पहले शुरू कर दी थी। यूक्रेन ने रूस के एयरबेस पर अटैक किया। जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, यूक्रेन के सिक्योरिटी ऑपरेशन के हेड वसील मालियुक ने आज के ऑपरेशन को लेकर रिपोर्ट सौंपी। शानदार नतीजा रहा। इससे पहले, यूक्रेन ने दावा किया था कि उसने रविवार को एक ऑपरेशन के तहत रूसी ठिकानों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले करके लगभग 40 रूसी विमानों को नष्ट कर दिया है।

15 जून को होने वाली नीट पीजी परीक्षा स्थगित

एजेंसी/नई दिल्ली

15 जून को होने वाली नीट पीजी परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। एनबीईएमएस की ओर से यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद लिया गया है, जिसमें अदालत ने एक ही शिफ्ट में परीक्षा आयोजित करने का आदेश दिया था। जानकारी के मुताबिक, एनबीईएमएस की ओर से जल्द ही नई परीक्षा की तारीखों की घोषणा की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, पहले यह परीक्षा 15 जून को ही होनी थी और इसके लिए परीक्षा केंद्रों का चयन के अलावा अन्य तैयारियां भी कर ली गई थीं। यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित होनी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अभ्यर्थियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए एक शिफ्ट में परीक्षा आयोजित कराने का आदेश दिया था, जिसके नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन के लिए बड़ा झटका माना गया है।

परीक्षा को स्थगित करने को लेकर एनबीईएमएस की ओर से बयान जारी किया गया है। जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने एक ही शिफ्ट में परीक्षा कराने का आदेश दिया है। ऐसे में बोर्ड को अधिक एग्जाम सेंटर्स की तलाश करनी होगी, साथ ही बुनियादी ढांचे की भी व्यवस्था करनी होगी। इसलिए परीक्षा को फिलहाल स्थगित किया जा रहा है, बोर्ड द्वारा जल्द ही संशोधित तारीख की जानकारी दी जाएगी। बता दें तय कार्यक्रम के अनुसार, नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनिशेन इन मेडिकल साइंस की ओर से नीट पीजी परीक्षा को लेकर 2 जून को एग्जाम सिटी स्लिप जारी की जानी थी।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने दिल्ली की बीजेपी सरकार पर बोला हमला, कहा...

बीजेपी झुग्गी वालों को मकान देने के बजाय उनके घर तोड़ रही है

एजेंसी/नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली की बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बीजेपी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वादा किया था कि एक भी झुग्गी टूटने नहीं दी जाएगी, परंतु अगले ही दिन बारापुला के पास मद्रासी कैंप में करीब 800 झुग्गियों को ध्वस्त कर दिया गया।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यहां चुनाव के समय बीजेपी की तरफ से कार्ड बांटे गए थे और सभी झुग्गी वालों को आश्वासन दिया था।

सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि भाजपा की कथनी और करनी में हमेशा अंतर दिखता है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार झुग्गी वालों को मकान देने के बजाय उनकी झुग्गियों पर बुलडोजर चलाकर गरीबों को बेघर करने का काम कर रही है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि गरीब कितनी मुश्किल से मेहनत मजदूरी करके अपना घर चलाता है, हर कोई जानता है फिर भी उन्हें बिना विकल्प के बेघर किया जा रहा है।

सौरभ भारद्वाज ने इस दौरान भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय कोई झुग्गियों में जागरण का आयोजन कर रहा था तो कोई गरीबों के साथ खाना खाने का दिखावा कर रहा था। उन्होंने कहा कि पहली बार ऐसा देखने को मिल रहा है कि जिस पार्टी की राज्य में भी सरकार है और केंद्र में भी सरकार है, इसके बावजूद गरीबों को न्याय नहीं मिल रहा है। सौरभ भारद्वाज ने कहा यह कोई एक मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस वक्त हम यह प्रेस वार्ता कर रहे हैं उसी समय वजीरपुर इलाके में दर्जनों बुलडोजरों से झुग्गियों को तोड़ने का काम चल रहा है। इन कार्यवाहियों से साफ है कि सरकार ना तो गरीब लोगों के सर पर छत रहने देना चाहती है और ना ही उन्हें रोजी-रोटी कमाने देना चाहती है।

ई-शिक्षा कोष ऐप में फर्जी तरीके से हाजिरी बनाने पर 124 शिक्षकों को शो-कॉज जारी

- हाजिरी बनाने को ल डीपीओ हुए सख्त, शिक्षकों में मचा हड़कंप

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर डीईओ अमरेन्द्र कुमार पांडेय ने जिले के विभिन्न विद्यालयों के कुल 124 शिक्षकों से स्पष्टीकरण पूछा है। उन्होंने उन शिक्षकों के प्रधानाध्यापक से तीन दिन के अंदर उनके स्पष्टीकरण का जबाव मांगा है। डीईओ के इस कार्रवाई से शिक्षकों में हड़कंप मच गया है।

डीईओ ने जिन शिक्षकों से स्पष्टीकरण पूछा है उनपर ई-शिक्षा कोष ऐप पर ऑन लाइन हाजिरी बनाने में फजीर्वाड़ा करने, विद्यालय से बाहर रहते हुए पुराने फोटो का इस्तेमाल कर हाजिरी बनाने, कभी कभी ऑनलानइ हाजिरी नहीं बनाने तथा कभी छुट्टी के समय लॉग आउट नहीं करने के अलावे निर्धारित समय के बाद हाजिरी बनाने का आरोप लगाया है। डीईओ ने जारी पत्र में जिक्र किया है कि ई-शिक्षा कोष ऐप पर शिक्षकों के प्रतिदिन विद्यालय पहुंचने एवं विद्यालय से प्रस्थान का दर्ज किये जाने वाले समयावधि तथा मोबाईल कैमरे द्वारा प्रविष्टि फोटो के सूक्ष्म जॉच के क्रम में पाया गया कि कई कार्य दिवसो को विद्यालय में बिना उपस्थिति के ही फर्जी ढंग से पूर्व से खीचें हुए फोटो के माध्यम ई-शिक्षा कोष ऐप पर उपस्थिति दर्ज किया जा रहा है तथा कई दिवसों को मनमाने तरीके से उपस्थिति दर्ज ही नहीं किया जा रहा है। वहीं, निर्धारित समय के विपरीत उपस्थिति दर्ज की जा रही है। विद्यालय छोड़ते समय ई-शिक्षा कोप पर उपस्थिति दर्ज नहीं की जा रही है, जिससे यह परिलक्षित होता है कि आपके द्वारा नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित हुए बिना ही फर्जी ढंग से उपस्थिति बनाकर या अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहते हुए विद्यालय उपस्थिति पंजी में उपस्थिति बनाकर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने का कार्य किया जा रहा है।

डीईओ ने शिक्षकों के इस कृत्य को स्वेच्छाचारिता एवं दायित्व निर्वहन में घोर अनियमितता का परिचायक बताया है तथा कहा है कि शिक्षकों के इस कृत्य से विद्यालय में पठन-पाठन का माहौल खराब हो रहा है। डीईओ ने इसके लिए प्रभारी प्रधानाध्यापको की नेतृत्व क्षमता तथा भूमिका पर प्रश्न चिन्ह लगाया है।

डीईओ ने विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया है कि अपने विद्यालय में पदस्थापित शिक्षकों के उपस्थिति दर्ज करने में हो रही अनियमितता के स्पष्टीकरण के साथ ही अनियमित रूप से उपस्थिति दर्ज करने वाले शिक्षकों से रपष्टीकरण पूछ पत्र प्राप्ति के तीन दिनों के अंदर जबाव दे।

डीईओ की इस कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। बता दें कि शिक्षकों के बिना सूचना गायब रहने से रोकने के लिए ही शिक्षा विभाग द्वारा ई-शिक्षा कोष ऐप पर उनकी ऑनलाइन हाजिरी बनवाई जा रही है तथा फेस ऐप का सहारा लिया जा रहा है। बावजूद शिक्षकों ने इसका भी तोड़ खोज लिया है, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे है।

पांडेयपट्टी गुमटी के पास ट्रेन से गिरे युवक का मिला शव

बक्सर। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांडेपट्टी गुमटी के पास सोमवार को एक 35 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। दोपहर में रेलवे ट्रैक के किनारे युवक का शव पड़ा देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, युवक के पास से दिल्ली से फरक्का जंक्शन तक का रेलवे टिकट और उसका मोबाइल फोन मिला है। फोन के आधार पर पुलिस ने युवक के परिजनों को सूचना दे दी है। प्रथम दृष्टया पुलिस मामले को ट्रेन से गिरने के कारण हुई दुर्घटना मान रही है, हालांकि मौत के असल कारणों की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त युवक किसी ट्रेन से गिर गया होगा, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि, पुलिस द्वारा जीआरपी को घटना की सूचना दी, मगर जीआरपी ने क्षेत्र से बाहर बता मामले से पल्ला झाड़ लिया गया। चौकी प्रभारी चन्दन कुमार ने बताया शव को कब्जे में ले उसके परिजनों को सूचना दी गई है। पहचान के प्रयास किये जा रहे है।

सीजीएम कोर्ट में जज के समक्ष हत्यारोपितों ने स्वयं को बताया बेकसूर

राजपुर ट्रिपल मर्डर के तीन मुख्य आरोपियों ने न्यायालय में किया सरेंडर

- एक को पुलिस ने किया है गिरफ्तार
- बोले एसपी फरार अभियुक्तों के खिलाफ जारी रहेगी कुर्की जब्ती की कार्रवाई

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के बहुचर्चित राजपुर ट्रिपल मर्डर के तीन मुख्य आरोपियो ने पुलिस दबिश में आकर सोमवार को बक्सर सीजीएम कोर्ट में आत्मसमपर्ण कर दिया है। इनमें दो की संपति पुलिस कुर्क कर चुकी थी, जबकि तीसरे की संपति सोमवार को ही कुर्क होने वाली थी।

अभियुक्तों ने समपर्ण किया है उनमें अहियापुर निवासी व पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह उर्फ संतोष यादव, पूर्व मुखिया मनोज सिंह उर्फ मनोज यादव व धनसोई थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी बलेशर सिंह उर्फ बटेश्वर यादव शामिल है। पुलिस द्वारा लगातार दबिश के बावजूद आरोपियों का कोर्ट तक पहुंचना प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़ा कर रहा है।

घटना के बाद से ही पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जिलेभर में छापेमारी कर रही थी। सोमवार सुबह से ही पुलिस की सक्रियता और बढ़ा दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद तीनों आरोपी कोर्ट में पेश होकर आत्मसमर्पण करने में सफल रहे। अब पुलिस इन्हें रिमांड पर लेकर घटना के पीछे की वजह, हथियारों की बरामदगी और अन्य आरोपियों की भूमिका की गहन जांच की तैयारी में जुट गई है।

कोर्ट खुलने के पहले ही घुसे थे आरोपीः पुलिस की माने तो तीनों आरोपी कोर्ट खुलने के पहले ही अंदर चले गए थे। हालांकि, पुलिस को इस बात की भनक थी कि मनोज, संतोष व बटेश्वर आत्मसमपर्ण करने वाले है। जिस कारण पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने के लिए कोर्ट परिसर खुलने के साथ ही सक्रिय हो गई थी, लेकिन वे पुलिस की मुश्तैदी को धत्ता बताते हुए कोर्ट के अंदर प्रवेश कर गए तथा सीजीएम के समक्ष आत्मसमर्पण भी कर दिए। आत्मसमर्पण के बाद तीनों को जेल भेज दिया गया।

हत्याकांड में मृतक बिरेन्द्र सिंह के पुत्र अजित कुमार सिंह ने कुल 19 नामजद व तीन अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया था, जिसमें अबतक पुलिस ने तीन को गिरफ्तार किया है, जबकि पांच ने सरेंडर कर दिया है। वहीं, फरार चल रहे आधा दर्जन आरोपियों के घर इश्तेहार चस्पाया गया है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। बात दें कि 24 मई की सुबह राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में पूर्व के चुनावी विवाद व वर्चस्व की जंग में आरोपियों ने एक ही परिवार के पांच लोगों को गोली मार दी थी, जिनमें तीन की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो गंभीर रूप से जख्मी हुए थे। जिनमें एक का पैर काटना पड़ा था। रविवार को पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन को कोचस थाना क्षेत्र से बरामद उसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा। अब पुलिस आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी, ताकि घटना के पीछे के कारण व जुड़े साक्ष्य सामने लाए जा सकें।

ट्रिपल मर्डर का एक और आरोपी गिरफ्तारः दूसरी तरफ राजपुर पुलिस ने गुप्त सूचना पर इस बहुचर्चित ट्रिपल मर्डर के एक अन्य नामजद आरोपी मोती पांडेय पिता बबुआ पांडेय को सोमवारक को राजपुर दैतरा बाबा मंदिर के समीप से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र के कौआखोंच गांव का रहने वाला है, उसे कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां कोर्ट के निर्देश पर उसे जेल भेज दिया गया है।

अभी भी सामान्य नहीं हो पाया है पीड़ित परिवार

राजपुर ट्रिपल मर्डर का शिकार परिवार अभी भी सामान्य नहीं हो पाया है। दसवे दिन भी पीड़ित परिवार के घर से महिलाओं के रोने और सिसकने की आवाज आ रही थी। महिलाओं का कर्नाटक भले हैं दोषियों की फांसी की सजा मिल जाए लेकिन इस घटना में जान गंवाने वाले उनके परिवार के सदस्य अब लौट तो नहीं सकते हैं। इन 10 दिनों में पीड़ित परिवार को राहत पहुंचाने वह मत्तामपुरम से के लिए पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव स्थानीय सांसद सुधाकर सिंह सेम टी सैकड़ों लोग पहुंच चुके हैं, कम होने का नाम नहीं ले रही है।

पांच आरोपितों ने कोर्ट में किया है सरेंडरः एसपी

“ पुलिस दबिश के कारण राजपुर ट्रिपल मर्डर के तीन आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। इसके अलावा एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया गया। अबतक इस मामले के तीन आरोपी गिरफ्तार हो चुके है, पांच ने कोर्ट में सरेंडर किया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्हें भी जल्दी गिरफ्तार कर स्पीडी ट्रायल के तहत आरोपियों को सजा दिलवाई जाएगी।

– शुभम आर्य, एसपी, बक्सर

खड़ी ट्रक में दूसरे ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर, खलासी की मौत, चालक जख्मी

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

पटना बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 पर एक हादसे में एक ट्रक के खलासी की मौत हो गई है, जबकि उसका चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। घटना सोमवार अहले सुबह की है। मिली जानकारी के अनुसार एनएच 922 पर सोमवार की सुबह एक ट्रक खड़ी थी, इसी दौरान पीछे से बालू लदी एक ट्रक आ रही थी, जिसके चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया तथा सामने खड़ी ट्रक में जा टकराया।

दुर्घटना को अंजाम देने वाली ट्रक के खलासी को गंभीर चोटे आई तथा मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जबकि चालक को भी चोट आई है, लेकिन वह खतरे से बाहर है। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के बलिया जिला के नागरा थाना क्षेत्र के धर्मेन्द्र कन्नौजिया के रूप में हुई है। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा तथा उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही परिजन दौड़े भागे घटना स्थल पर पहुंचे। मौके पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। गौरतलब हो कि पिछले कुछ महीनों से एनएच 922 पर सड़क दुर्घटनाओं की संख्या काफी बढ़ गई है। ब्रह्मपुर थानाध्यक्ष सुरेश प्रसाद ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिश्तेदार की शादी में आया व्यक्ति तालाब में डूबा

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर के बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिव मंदिर स्थित तालाब में सोमवार की शाम एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। वह किसी रिश्तेदार के शादी समरोह में शामिल होने ब्रह्मपुर आया था। इसी दौरान वह शिवगंगा सरोवर में नहाने लगा तथा नहाने के दौरान डूब गया। इसकी जानकारी मिलते ही उसके परिजनों व रिश्तेदासरों में हड़कंप मच गया।

घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों के सहारे शव की तलाश शुरू करवाई, लेकिन शव नहीं मिल सका। इसके बाद थानाध्यक्ष सुरेश प्रसाद ने सीओ खुशबू खातून व डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार को घटना की जानकारी दे मौके पर एसडीआरफ बुलाने की मांग की है। समाचार लिखे जाने तक एसडीआरफ की टीम मौके पर नहीं पहुंची थी। एसडीआरएफ टीम के देर रात पहुंचने का बात बताई जा रही है।

मृतक की पहचान सिमरी थाना क्षेत्र के खंधरा पांडेयपुर गांव निवासी 55 वर्षीय महंगू मुसहर के रूप में की गई है। घटना के बाद से शादी की खुशियां मातम में बदल गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। वहीं, मौके पर सैकड़ो लोगों की भीड़ इक्ट्ठा हो गई थी।

बता दें कि ब्रह्मपुर शिवमंदिर में लग्न के सीजन में बड़े पैमाने पर शादियां करवाई जाती है। इस दौरान वहां सुरक्षा व्यवस्था व गोताखारों की संख्या नगण्य रहती है। इस घटना के बाद एक बार फिर से प्रशासन की लापरवाही उजागर हो गई है।

थानाध्यक्ष सुरेश प्रसाद ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शव की तलाश करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि मौके पर एसडीआरफ को बुलाने के लिए सीओ व एसडीओ से मांग की गई है। वहीं, रात में मंदिर परिसर में इतनी रौशनी की व्यवस्था भी नहीं है कि शव की तलाश करवाई जाए। अंधेरा बढ़ने के कारण स्थानीय गोताखोर शव की तलाश में हाथ खड़े कर दिए है। इधर शव नहीं मिलने से परिजनों की मुश्किलें बढ़ते जा रही है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान व डिजिटल इंडिया कार्यक्रम में सारथी पोर्टल से रूबरू हुए किसान

मौसमी फसलों और सब्जियों की खेती के साथ वैज्ञानिक पद्धति से अवगत हुए किसान

- विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत प्रखंडों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में सोमवार को विकसित कृषि संकल्प अभियान मे वैज्ञानिक एवं कृषि विशेषज्ञों की टीम द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों में जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस क्रम में सोमवार को राजपुर प्रखंड के हेठुआ, इटाढ़ी प्रखंड के अतरौना और बिझौरा, चौगाई प्रखंड के मुरार व चौगाई, डुमरांव प्रखंड के चिलहरी, कुशलपुर, बक्सर प्रखंड अन्तर्गत चुरामनपुर और केसठ पंचायत का भ्रमण कर 900 से अधिक किसानों के साथ संवाद करते हुए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संवाद के दौरान खरीफ की मुख्य फसल धान, अरहर, मक्का, आदि की वैज्ञानिक तकनीकी के साथ-साथ मोटे अनाज जैसे-बाजरा, सांवा, कोदो के महत्व एवं तकनीकी जानकारी से किसानों को अवगत कराया गया। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत किसान उपयोगी किसान सारथी पोर्टल का महत्व एवं उपयोगिता की विस्तृत जानकारी से किसानों को अवगत कराया गया। सरकार द्वारा संचालित कृषक हितकारी योजनायें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, पीएम फसल बीमा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, परंपरागत कृषि विकास योजना, पीएम कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय कृषि बाजार, आदि की जानकारी दी गई. प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड, एग्री ड्रोन, जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकी जैसे-धान की सीधी बुआई, मेंढ़ पर अरहर व मक्का की बुआई, लेजर लैण्ड द्वारा भूमि समतलीकरण एवं मेढ़बन्दी की उपयोगिता एवं विधि की जानकारी भी दी गई। टीम में केवीके प्रमुख डॉ. देवकरन, हरिगोबिन्द, रामकेवल, आरीफ प्रवेज, राजेश कुमार राय, सरफराज अहमद खान, मुकेश कुमार, आईसीएआर पटना से डॉ. गौस अली, डॉ. बान्दा साईनाथ, प्रेम पॉल तथा डुमरांव कृषि कॉलेज के डॉ. सुदय प्रसाद, डॉ. रघुवर साहू, स्वीटी कुमारी समेत कृषि एवं संबंध जिला स्तरीय विभागों के पदाधिकारियों ने सहयोग दिया।

एक नजर

बक्सर जिले के नये जिलाधिकारी विद्यानंद सिंह ने किया पदभार ग्रहण, किया गया स्वागत

बक्सर। सोमवार को बक्सर के नये जिलाधिकारी विद्यानंद सिंह ने पदभार ग्रहण किया। उन्हें पदभार वरीय उप समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह ने दिया। इस दौरान जिले के नये डीडीसी भी मौजूद रहे। इसके पूर्व दोपहर बाद समाहरणालय पहुंचे नये जिलाधिकारी का एडीएम कुमारी अनुपम व डीडीसी ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया तथा जिले में योगदान करने पर बधाई दी। बता दें कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में यहां के जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल का तबादला कर उनके जगह विद्यानंद सिंह को बक्सर का नया जिलाधिकारी बनाया था, जिसके बाद वे सोमवार को योगदान करने पहुंचे। नये जिलाधिकारी के जिलेवासियों को कई उम्मीदे है। खासकर पिछ्ले जिलाधिकारी द्वारा जिस तरह से आम जनता के साथ अच्छा व्यवहार किया जाता था तथा जनता की समस्याओं को संजीदगी से सुनने के साथ ही उसका निष्पादन कराया जाता था तथा विकास कार्यों को रफ्तार दिया गया था, उससे नये जिलाधिकारी की जिम्मेवारी बढ़ गई है। खासकर विकास योजनाओं को रफ्तार देने के साथ ही जनता से कुशल व्यवहार की अपेक्षा बढ़ गई है।

डुमरांव थाने में शस्त्र सत्यापन शिविर आयोजित, पहले दिन 13 लाइसेंस का हुआ सत्यापन

डुमरांव। पिछली बार जिन लाइसेंसधारियों ने अपने शस्त्रों का सत्यापन नहीं कराया था, उनके लिए जिला दंडाधिकारी ने एक और मौका दिया है। इसके लिए डुमरांव अनुमंडल के सभी थाना क्षेत्र के लाइसेंसधारियों के लिए डुमरांव थाना में तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर के पहले दिन सोमवार को विभिन्न थाना क्षेत्र के कुल 17 लाइसेंसधारियों के हथियारों का सत्यापन कराया गया। इस दौरान बतौर मजिस्ट्रेट अनुमंडल कार्यपालक पदाधिकारी व प्रभारी थानाध्यक्ष संजीत शर्मा मौजूद थे। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि विस चुनाव से पहले सभी छूटे ही हुए लाइसेंसधारियों को अपने शस्त्रों का सत्यापन कराना था। इसी के तहत जिला प्रशासन व वरीय अधिकारियों के निर्देश पर तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस शिविर में सत्यापन नहीं कराने वालों से शो-कॉज पूछने के साथ ही उनके लाइसेंस तक रद्द किया जा सकता है।

महिला संवाद से महिलाओं में बढ़ी जागरूकता, आत्मविश्वास व सामूहिक शक्ति का हो रहा विस्तार

बक्सर। जिले के नावानगर के गिरिधर बरांव स्थित कमल जीविका महिला ग्राम संगठन में महिला संवाद का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका चंदन कुमार सुमन के द्वारा शुभारंभ किया गया। वहीं कार्यक्रम में महिलाओं के साथ संवाद करने के लिए बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार शामिल होने वाले थे। जिनका अपरिहार्य कारणों से कार्यक्रम स्थगित हो गया। जिससे वे शामिल नहीं हो सकें। वहीं कार्यक्रम में प्रबंधक रोजगार भोलेनाथ पांडेय, आईबीसीबी प्रबंधक रवि किशोर प्रसाद, प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक पप्पू प्रसाद, नावानगर सभी जीविका कर्मी तथा काफी संख्या में जीविका दीदियां मौजूद थी। वहीं बक्सर जिले के सात प्रखंडों चौगाई, ब्रह्मपुर, सिमरी, चक्की, राजपुर, डुमरांव और नवानगर में जीविका के 16 ग्राम संगठनों द्वारा पंचायत स्तर पर महिला संवाद कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम 18 अप्रैल 2025 से निरंतर चल रहा है। जिसके अंतर्गत प्रतिदिन दो या अधिक संवाद सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित और अब तक वंचित रही महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। महिला संवाद का उद्देश्य महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देना, उनके अनुभव साझा करना और समुदाय में उनकी भागीदारी व नेतृत्व को बढ़ावा देना है। इस पहल से ग्राम स्तरीय महिला समूहों में जागरूकता, आत्मविश्वास और सामूहिक शक्ति का विस्तार हो रहा है, जो सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सभी उपस्थित महानुभावों ने दीदियों से संवाद स्थापित किया तथा उनकी मांगों को सुना। उन्हें यह भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों को सरकार तथा जिला प्रसाशन के समक्ष रखा जायेगा।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025

SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII

Chemistry	98	Biology	91
English Core	97	Physics	91
Physical Education	96	Business Studies	86
Mathematics	92	Economics	83

TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%

SUBJECTWISE HIGHEST MARKS

Mathematics	100	Sanskrit	100	Social Science	97
Science	100	English	95	Hindi	94

INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!

REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.

SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

बदलैन जमीन को मिली कानूनी मान्यता, किसानों को मिलेगा वैध अधिकार

♦ बदलैन जमीन को अब मिलेगा कानूनी दर्जा मौखिक सहमति से हुई अदला-बदली भी मानी जाएगी वैध

केटी न्यूज/डुमरांव

किसानों के हित में सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लिया है, जिसका चाहुओर चर्चा हो रही है। भूमि सर्वेक्षण प्रक्रिया को पारदर्शी और सरल बनाने के लिए बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली, 2025 के तहत बड़ा बदलाव किया गया है। इसके तहत अब दो रैयतों के बीच आपसी सहमति से की गई जमीन की अदला-बदली, जिसे आम भाषा में शबदलैनश कहा जाता है, को कानूनी मान्यता मिल गई है। इससे हजारों किसानों को राहत मिलेगी, जो वर्षों से बदले गए जमीन पर कब्जा तो किए हुए थे, लेकिन उनके पास उसका कोई वैधानिक दस्तावेज नहीं था। यदि दो रैयतों के बीच जमीन का बदलैन मौखिक रूप से हुआ हो और वर्तमान में दोनों शांतिपूर्वक संबंधित भूमि पर कब्जा जमाए हुए हों, तो ऐसे मामलों में भी उन्हें वैध भूमि धारक माना जाएगा। सर्वेक्षण के दौरान यदि दोनों पक्ष लिखित सहमति प्रस्तुत कर देते हैं, तो उस भूमि पर उनका नाम भू-अधिकार अभिलेख में दर्ज किया जाएगा और नया खाता खोला जाएगा।

रजिस्ट्री ऑफिस जाने की नहीं आएगी नौबत: पुराने जमाने में ग्रामीण क्षेत्रों में बदलैन का खूब प्रचलन हुआ करता था। किसान रजिस्ट्री की जटिल प्रक्रिया और शुल्क से बचने के लिए आपसी सहमति से भूमि बदल लेते थे। हालांकि ऐसी जमीनें कानूनी रूप से मान्य नहीं होती थीं, जिससे किसान बैंक से ऋण नहीं ले सकते थे और न ही अपनी संपत्ति का किसी को उत्तराधिकार में स्थानांतरित कर सकते थे। अब सरकार के इस नए फैसले से ऐसे सभी रैयतों को राहत मिलेगी। वे अब अपनी जमीन को रजिस्ट्री करा सकेंगे, बैंक से कर्ज ले सकेंगे और वैध रूप से संपत्ति का हस्तांतरण कर सकेंगे।

इस नई प्रणाली से भूमि विवादों में आएगी कमी: इस नई व्यवस्था से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि संबंधी विवादों में भारी कमी आएगी, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक शांति भी बनी रहेगी। पारदर्शी भू-अभिलेख प्रणाली से सरकार को भी भूमि सुधार और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में मदद मिलेगी। यह निर्णय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा और किसानों के लिए एक सुरक्षित भविष्य की नींव रखेगा।

सर्वेक्षण के लिए आवश्यक दस्तावेज: भूमि सर्वेक्षण प्रक्रिया में भाग लेने वाले रैयतों को कुछ आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे, जिसमें प्रपत्र-2 स्व-घोषणा पत्र, प्रपत्र-3 वंशावली, मृत जमाबंदी रैयत की मृत्यु तिथि, जमाबंदी संख्या की विवरणी,मालगुजारी रसीद, खतियान की नकल (यदि उपलब्ध हो), दावाकृत भूमि के संबंध में दस्तावेज,सक्षम न्यायालय का आदेश (यदि हो) वारिस प्रमाण पत्र,आधार कार्ड और वोटर कार्ड की छायाप्रति

बक्सर जिले के खिलाड़ियों ने नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में दिखाया दम-खम

केटी न्यूज/बक्सर

बीते एक जून को ओडिशा के कटक स्थित इंडोर स्टेडियम में आयोजित 9वीं ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप में बक्सर जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रौशन किया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सीनियर वर्गमें बक्सर के सौरभ कुमार सिंह ने 73 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देशभर में जिले की प्रतिभा को उजागर किया। वहीं अमन कुमार सिंह ने 58 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया। सौरभ कुमार सिंह डीएवी के छात्र हैं, जबकि अमन कुमार सिंह पीसी कॉलेज के छात्र है।

दोनों खिलाड़ी पिछले 2-3 वर्षों से लगातार राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर जिले का नाम ऊंचा कर रहे हैं। इसमें देशभर के विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। बक्सर जिला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार, महासचिव संजू कुमारी, उपाध्यक्ष एवं संचार प्रमुख संजय कुमार तथा कोच शैलेश सिंहने दोनों खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संजय कुमार सिंह ने बताया कि सौरभ और अमन जैसे खिलाड़ी बक्सर जिले की खेल प्रतिभा का उदाहरण हैं, और उनका निरंतर प्रदर्शन आने वाली पीढ़ियों को खेल के प्रति प्रेरित करेगा।

अच्छी खबर: जल-जीवन-हरियाली योजना के तहत तालाबों का सौंदर्यीकरण और पौधरोपण

सरकारी जमीनों पर बनेगा हरित पार्क व वेंडिंग जोन, नप को मिली जिम्मेदारी

♦ शहरी क्षेत्रों में हरियाली और सुगठित बाजार की ओर बड़ा कदम

केटी न्यूज/डुमरांव

शहरी सौंदर्यकरण एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार को लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग ने एक सराहनीय पहल की शुरूआत की है। नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सरकारी भूमि को हरित क्षेत्र में बदलने की योजना पर तेजी से कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके तहत न केवल पार्कों का निर्माण होगा, बल्कि फुटपाथी दुकानदारों को भी सुव्यवस्थित करने के लिए वेंडिंग जोन बनाए जाएंगे, जिससे शहरी यातायात और बाजार व्यवस्था दोनों को बेहतर किया जा सके।

विभाग ने इस संबंध में नगर परिषद के कार्यपालक को निर्देशित किया है कि वे स्थानीय अंचल अधिकारी से समन्वय स्थापित कर सरकारी भूमि की पहचान करेंगे। चिन्हित भूखंडों पर पार्क तथा वेंडिंग जोन का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा। यह कदम बच्चों के मनोरंजन और बुजुर्गों के स्वास्थ्य के मद्देनजर लिया गया है, जिससे शहरों में एक स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण तैयार हो सके।

बक्सर जिले में वर्तमान में पांच नगर निकाय कार्यरत हैं, जिनमें दो नगर परिषद डुमरांव एवं बक्सर और तीन नवगठित नगर पंचायत ब्रह्मपुर, चौसा एवं इटाढ़ी शामिल हैं। इन सभी नगर निकायों में प्रस्तावित योजना के तहत न्यूनतम 5 एकड़ भूमि चयनित कर विभाग को रिपोर्ट भेजनी है, ताकि निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जा सके। इस पहल के तहत जल-जीवन-हरियाली योजना को भी एकीकृत किया गया है। वृक्षारोपण के साथ-साथ नगर क्षेत्र के तालाबों एवं पोखरों का सौंदर्यीकरण तथा जीर्णोद्धार किया जाएगा। सभी प्रमुख जलस्त्रोतों के किनारे पेवर ब्रिक सोलिंग, रंगीन सीमेंटेड कुर्सियों, स्ट्रीट लाइट और आकर्षक सेल्फी पॉइंट की व्यवस्था की जाएगी, जिससे नागरिकों को मनोरंजन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी मिलेगा।

पांचों निकाय में योजना के तहत होगा काम

डुमरांव में वेंडिंग जोन की कवायद शुरू

डुमरांव नप में वर्षों से वेंडिंग जोन की मांग की जा रही थी। एक दशक पूर्व नया थाना के समीप स्थल का चयन कर विभाग द्वारा राशि भी आवंटित की गई थी, लेकिन समय पर कार्य नहीं हो पाने से वह राशि वापस चली गई। इसका खामियाजा आज भी फुटपाथी दुकानदार और आमजनता दोनों को उठाना पड़ रहा है। सड़कों के किनारे दुकानें सजने के कारण यातायात बाधित होता है और जाम की समस्या उत्पन्न होती है। विभाग के जारी निर्देश के बाद वेंडिंग जोन के लिए स्थल की खोज का कवायद शुरू है। ब्रह्मपुर में तो वेंडिंग जोन को लेकर पहले ही बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव पारित किया जा चुका है।

नगर परिषद ने टूटी पाइप लाइन को जुड़वाया जलजमाव से लोगों को मिली राहत

डुमरांव। दस दिनों से जलजमाव से परेशान लोगों को सोमवार को राहत मिल गई। केटी न्यूज में खबर प्रकाशित होने के बाद नप की निंद्रा भंग हुई और चौबीस घंटे के भीतर टूटे पाइप से बहते पानी से हो रहे जलजमाव को ठीक कर दिया गया। सोमवार को नप के कर्मी मिस्त्री को लेकर टूटे पाइप के स्थान पर पहुंच पानी को निकाल कर उसे ठीक करवाया। ठीक होते ही जलजमाव से दस दिनों से परेशान मोहल्ले और सिलकुटवा बस्ती के लोगों ने राहत की सांस ली। मालूम हो कि महाराजा पेट्रोल पंप के पास जलापूर्ति का पाइप लगभग दस दिनों से टूट हुआ था। इसके टूटने से स्टेशन रोड, कमल नगर, सिलकूटवा बस्ती तक पानी फैल जलजमाव का रूप ले लिया था। कमल नगर के लोगों को रोड पर जहा निकलना मुश्यकिल हो गया था, वहीं सिलकुटवा बस्ती के लोग इस बात को लेकर सहमें हुए थे कि कहीं पानी उनकी झोपड़ी में प्रवेश नहीं कर जाए। खबर प्रकाशित होने के बाद नप चेयरमैन सुनीता गुप्ता और ईओ मनीष कुमार ने टूटे पाइप को कर्मी के साथ मिस्त्री को भेज पाइप को ठीक करा दिया।

एसडीएम के आदेश की नप ने की अनदेखी, 100 मीटर के दायरे में लगाए तीन हाईमास्ट लाइट

वार्ड 23 के गड़ेरी टोला के लोगों ने हाईमास्ट लगाने का किया विरोध

♦ गड़ेरी टोला मोहल्ले में आम रास्ते में लगाया गया हाईमास्ट लाइट
♦ शिकायत मिलने के बाद एसडीएम ने लगाई थी रोक

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद विकास के नाम पर जमकर नियम-कानून का उल्लंघन कर रहा है। 100 मीटर की दूरी पर तीन-तीन हाईमास्ट लाइट लगा दिया गया है। वार्ड नंबर 23 के गड़ेरी टोला मोहल्ले अंतर्गत आम रास्ते में हाईमास्ट लाइट लगाने का सोमवार को मोहल्लेवासियों ने जमकर विरोध किया। लोगों के विरोध के बाद काम तो रूक गया, लेकिन सभी के जाने के बाद दोपहर में चुपके से लाइट लगा दी गई।

बताया जा रहा है कि जब लाइट लगाई जा रही थी लोगों ने इसकी शिकायत एसडीओ राकेश कुमार से की। एसडीएम ने उस पर रोक लगा दी थी। उनके आदेश को दरकिनार करते हुए नप और वार्ड पार्षद के मिली भगत से लाइट को स्थापित कर दिया गया। इस संबंध में जब एसडीएम राकेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि ऐसा कैसे हो सकता है, इसकी जानकारी लेकर अग्रेत्तर कार्रवाई करेंगे। मालूम हो कि हाईमास्ट लगाने के लिये कुछ नियम बनाए गए हैं। इसे धार्मिक स्थान, स्टेडियम, खेल मैदान, चौक-चौराहा पर लगाया जाता है। एक के बाद दूसरा लगाने के लिये कम से कम 300 से 600 मीटर की दूरी रहना चाहिए।

वहीं, नगर परिषद ने सारे नियम-कानून को ताक पर रखते हुए 100 मीटर की दूरी पर तीन हाईमास्ट लाइट लगा दिया गया है। इस तरह से नप के द्वारा राजस्व की हानि पहुंचाई जा रही है। वहां लाइट लगाने का विरोध कर रहे गयासुदीन, निजामुदीन, मो. हाशमी, मिंटू हाशमी का कहना है कि जिस स्थान पर लाइट लगाया जा रहा है, यही एक स्थान मोहल्ला के है, जहां शादी-विवाह या अन्य कार्यक्रम का आयोजन होता है। घर के छोटे बच्चे भी यहां खेलते हैं। उनके साथ कोई भी हादसा हो सकता है। जहां लगाया जा रहा है, वहां से मात्र 20-25 गज की दूरी पर रोड के किनारे खाली जगह है, जहां लगाने का अनुरोध किया गया था। लेकिन वार्ड पार्षद निराला द्वारा वार्ड कर्मियों से मिलीभगत कर लाइट को लगवा दिया गया है।

केसठ में आयोजित चौपाल में किसानों को उत्पादन बढ़ाने के लिए किया गया जागरूक

केटी न्यूज/केसठ

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा बक्सर के तत्वाधान में केसठ प्रखंड अंतर्गत केसठ पंचायत के धेनुआडिह गांव में व रामपुर पंचायत के शिवपुर गांव में किसान चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड कृषि समन्वयक हरिश्चंद्र पासवान ने किया।

इस दौरान किसानों को खरीफ फसल के विषय में विशेष रूप से जागरूक किया गया। किसानों को फार्मर रजिस्ट्री और ई केवाईसी के बारे में विस्तार से बताया गया। किसानों को कम खर्च मे अच्छी उपज कैसे हो इसके बारे में बताया गया। बताया गया कि खेतों में संतुलित मात्रा में उर्वरक का प्रयोग करना अनिवार्य है। खेतों में अधिक खाद देने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी प्रभावित होती है तथा खेती में लागत खर्च भी बढ़ जाता है। इस तरह से किसानों को खेती से संबंधित कई जानकारियां दी गई।

साथ ही, किसानों से बताया गया कि प्रखंड ई किसान भवन पर धान का बीज, शंकर मक्का, ढैचा आदि बीज उपलब्ध है। जिसे किसान प्राप्त कर खेती कर सकते हैं। वहीं, कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को खेती में रसायनिक खादों के बदले जैविक खाद का प्रयोग करने की नसीहत दिया और कहा कि जैविक खाद मृदा की पौष्टिकता, फसल की गुणवत्ता तथा पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प है। जबकि रसायनिक खादों के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति का ह्रास होता है तथा उत्पादित फसल की गुणवत्ता भी खराब रहती है।

खरवार समाज अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए खुद लड़ाई लड़ेगा, चलेगा जागरूकता अभियान

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय बड़का अंगना मोहल्ले में युवा खरवार महासभा डुमरांव इकाई की एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता सुनील कुमार खरवार ने किया। इस बैठक में खरवार स्वाभिमान बचाओ सह हुंकार महासम्मेलन की तैयारी को लेकर रणनीति तय की गई।

सदस्यों ने जल, जीवन, हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के बचाव को लेकर अभियान चलाने का संकल्प लिया। बैठक के दौरान सदस्य पवन खरवार, राजन खरवार, जीउत खरवार, अखिलेश खरवार आदि ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी 22 जून को पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित जातीय संगठन द्वारा खरवार स्वाभिमान बचाओ महासम्मेलन आयोजित की गई है। जिसमें बिहार सहित स्थानीय शहर के लोग शिरकत करेंगे। सदस्यों ने कहा कि हमारे स्वजातियों का खरवार जाति प्रमाणपत्र नहीं बनता, जिससे बच्चों की शिक्षा बाधित होती है। खरवार समाज अपनी अस्तित्व की रक्षा के लिए खुद लड़ाई लड़ेगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक कुरीतियों को दूर करते हुए पूर्वजों के स्मरण के साथ जल, जीवन व हरियाली बचाने के लिए समाज के लोग जागरूकता अभियान चलाएंगे। शिक्षा, रोजगार और अन्य कार्यों के साथ मान-सम्मान और अस्तित्व कायम रखने के लिए संगठन की मजबूती पर बल दिया। मौके पर मंटू खरवार, चुनमुन खरवार, राजेश प्रसाद राजन, दिनेश खरवार, भीम खरवार, आलोक खरवार सहित अन्य मौजूद थे।

डुमरांव में 13 जुलाई को होगा ऐतिहासिक पिछड़ा/अतिपिछड़ा महापंचायत

32 पंचायतों के लोग तय करेंगे राजनीतिक समर्थन

♦ रवि उज्जवल कर रहे हैं आयोजन, एग्रीमेंट यात्रा बनी चर्चा का विषय
♦ स्थानीय स्तर पर लोगों में देखा जा रहा है जबरदस्त उत्साह

केटी न्यूज/डुमरांव

विधानसभा क्षेत्र के नगर स्थित टाउन हॉल में आगामी 13 जुलाई को एक ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। जदयू के पूर्व विधानसभा प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा के नेतृत्व में पिछड़ाद्दअतिपिछड़ा महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। इस महापंचायत में डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के सभी 32 पंचायतों से पिछड़े और अति पिछड़े समुदायों के लोग एकजुट होकर भाग लेंगे।

इस आयोजन का उद्देश्य राजनीतिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें दोनों समुदायों के लोग निर्णय देंगे कि आगामी विधानसभा चुनाव में वे किसके साथ खड़े हैं।

इस महापंचायत को लेकर स्थानीय स्तर पर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। रवि उज्जवल ने दावा किया है कि यह आयोजन ऐतिहासिक साबित होगा, क्योंकि इस प्रकार की पारदर्शी और जनसमर्थन आधारित रणनीति पहले किसी भी संभावित उम्मीदवार द्वारा नहीं अपनाई गई है। रवि उज्जवल ने इसे सामाजिक न्याय और राजनीतिक जागरूकता को मजबूती देने वाला कदम बताया है।

महापंचायत की घोषणा के साथ ही रवि उज्जवल की एग्रीमेंट यात्रा भी सुर्खियों में है। उन्होंने अब तक डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के सभी 32 पंचायतों में द्वितीय चरण की यात्रा पूरी कर ली है। डुमरांव नगर के 35 वार्ड का तीसरे चरण का यात्रा शेष है जिसे महा पंचायत के बाद पूरा किया जाएगा। इस यात्रा के दौरान वे जनता के बीच जाकर एक लिखित समझौते (स्टांप पेपर पर एग्रीमेंट) के माध्यम से वादा कर रहे हैं कि यदि वे जनता की समस्याओं का समाधान 4 साल 6 माह के भीतर नहीं कर पाए, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

रवि उज्जवल का यह कदम बिहार की राजनीति में एक नई मिसाल बनता दिख रहा है। आमतौर पर वादों पर टिके रहने का दावा करने वाले नेता सिर्फ भाषणों में सीमित रहते हैं, लेकिन रवि ने इसे कानूनी स्वरूप देकर जनता के बीच विश्वास कायम किया है। इस यात्रा और महापंचायत ने डुमरांव क्षेत्र की राजनीतिक फिजा बदल दी है। अन्य संभावित उम्मीदवारों के सामने अब चुनौती खड़ी हो गई है, क्योंकि जनता ने रवि उज्जवल से जो पारदर्शिता देखी है, वही अब वे अन्य नेताओं से भी मांगने लगे हैं।

प्रभावित गांवों में घर-घर जाकर आशा कार्यकताएं खोजेंगी कालाजार के लक्षण वाले मरीज

- 15 जून तक चलाया जाएगा अभियान, प्रतिदिन होगा अनुश्रवण
- इलाज के बाद मरीज को 4000 रुपये का आर्थिक अनुदान भी सरकार द्वारा दिया जाता है

केटी न्यूज/बक्सर

कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर जिला स्वास्थ्य समिति तत्पर है। इसके तहत हाल ही में जिले में प्रभावित इलाकों में इंडोर रेसिडेंशियल स्प्रे के तहत दवाओं का छिड़काव किया गया था। वहीं, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यालय अब प्रभावित गांवों में घर-घर कालाजार रोगी खोज अभियान शुरू किया गया है। जिसके तहत प्रभावित गांव व वार्ड में आशा कार्यकताएं घर घर जाकर परिवार के सदस्यों में कालाजार के लक्षण की जांच करेंगी। साथ ही, उसकी रिपोर्ट संबंधित प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को देंगी। वहीं, खोज अभियान के दौरान यदि किसी में कालाजार के लक्षण दिखाई देते है तो स्वास्थ्य टीम उक्त मरीज के घर जाकर लक्षणों की जांच करेगी। जिसमें कालाजार की पुष्टि होने पर उसका इलाज शुरू किया जाएगा।इस संबंध में प्रभारी जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी सह जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि जिले के प्रभावित चार गांव व वार्ड में कालाजार रोगी खोज अभियान चलाया जा रहा है। इनमें बिहिया प्रखंड अंतर्गत मोती रामपुर गांव, जगदीशपुर प्रखंड के सियारुंवा गांव, आरा ग्रामीण में जमीरा व आरा शहरी में धरहरा गांव शामिल हैं। इन गांवों में 15 जून तक अभियान चलाया जाएगा, जिसका प्रतिदिन अनुश्रवण किया जाएगा।

20 एनटीडी रोगों में कालाजार भी शामिल: डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में आने के कारण उष्णकटिबंधीय रोगों के 20 बीमारियों में कालाजार भी शामिल है। एनटीडी रोगों से रोगी में दुर्बलता तो आती ही है, कई मामलों में ये पीड़ित की मौत भी हो जाती हैं। उन्होंने बताया कि कालाजार के संबंध में लोगों को यह बात जाननी जरूरी है कि इस बीमारी से पूरी तरह से ठीक हो चुके मरीज दोबारा से इसकी चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में मरीज के शरीर पर त्वचा संबंधी लीश्मेनियेसिस रोग होने की संभावना रहती है। इसे त्वचा का कालाजार भी कहा जाता है। पीकेडीएल का इलाज पूर्ण रूप से किया जा सकता है। इसके लिए लगातार 12 सप्ताह तक दवा का सेवन करना पड़ता है। साथ ही, इलाज के बाद मरीज को 4000 रुपये का आर्थिक अनुदान भी सरकार द्वारा दिया जाता है। इसलिए पीकेडीएल से बचने के लिए मरीजों को कालाजार के इलाज के दौरान दवाओं का कोर्स पूरा करने की सलाह दी जाती है।

कालाजार उन्मूलन की राह में पीकेडीएल एक बड़ी बाधा: वीबीडीसीओ अजीत कुमार पटेल ने बताया कि कालाजार उन्मूलन की राह में पीकेडीएल एक बड़ी बाधा साबित होता है, क्योंकि संक्रामकता तेजी से फैलती है। पीकेडीएल यानी त्वचा का कालाजार एक ऐसी स्थिति है, जब एलडी बॉडी नामक परजीवी त्वचा कोशिकाओं पर आक्रमण कर उन्हें संक्रमित कर देता और वहीं रहते हुए विकसित होकर त्वचा पर घाव के रूप में उभरने लगता है। उन्हें बार-बार बुखार आने लगता है। साथ ही, भूख में कमी, वजन का घटना, थकान महसूस होना, पेट का बढ़ जाना आदि इसके लक्षण के रूप में दिखाई देने लगते हैं। ऐसे व्यक्ति को तुरंत नजदीक के अस्पताल में जाकर अपनी जांच करानी चाहिए। ठीक होने के बाद भी कुछ व्यक्ति के शरीर पर चकत्ते या दाग होने लगता है। ऐसे व्यक्तियों को भी अस्पताल जाकर अपनी जांच करानी चाहिए।

कालाजार के मुख्य लक्षण: 15 दिनों से अधिक समय तक बुखार रहता है। इससे ग्रसित व्यक्ति को भूख नहीं लगती है। पेट का बढ़ना, वजन कम होना। शरीर पर चकते का निशान होना शामिल है।

आशा कार्यकताओं की भूमिका: घर-घर जाकर कालाजार के लक्षण वाले लोगों की पहचान करना। ऐसे लोगों को नजदीकी पीएचसी में रेफर करना है। कालाजार के बारे में जागरूकता फैलाना है। कालाजार से बचाव के लिए यह जरूरी है कि अपने घर के आसपास पानी जमा न होने दें, मच्छरदानी का प्रयोग करें।

धनगाई थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव में हुई है घटना, मृतका के सिर पर मिले जख्म के निशान

भोजपुर में संदिग्ध स्थिति में महिला की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

- पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम
- मृतका की दो वर्ष पूर्व शिवपुर गांव में हुई थी शादी

केटी न्यूज/आरा

जिले के धनगाई थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव में सोमवार की सुबह संदिग्ध स्थिति में एक महिला की मौत हो गई। मृतका के सिर के ऊपर खून लगा हुआ जख्म का निशान पाया गया है। जिसके करण मायके वालों ने ससुराल वालों पर मारने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार मृतक का धनगाई थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी दीपक कुमार की 25 वर्षीय पत्नी अर्चना देवी है।

इधर पीरो क्षेत्र के चिलबिलिया गांव निवासी व मृतका के पिता दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने बेटी अर्चना देवी की शादी धनगाई थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी जनार्दन सिंह के पुत्र दीपक कुमार से 7 मई वर्ष 2023 को लेनदेन एवं पूरे हिंदू रीति-रिवाज के साथ की थी। शादी के बाद से सब कुछ ठीक चल रहा था पर इधर कुछ माह से पति से उसका कुछ झगड़ा चल रहा था। लेकिन किस बात के लिए चल रहा था यह मुझे नहीं मालूम। उन्होंने बताया कि पांच दिन पूर्व उन्होंने अपनी बेटी अर्चना देवी से अंतिम बार बात की थी। बातचीत के दौरान उसने कहा था कि पिताजी मेरा मन नहीं लग रहा है तो उन्होंने कहा था कि दो जून को स्कूल बंद हो जाएगा। तब मैं आकर तुझे घर ले आऊंगा। इसी बीच सोमवार की सुबह उसके ससुर द्वारा फोन कर सूचना दी गई की उसकी तबीयत काफी खराब है। सूचना पाकर पर जब उसके ससुराल पहुंचे तो उन्होंने देखा कि वह मृत अवस्था में आंगन में पड़ी है। जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी।

वहीं दूसरी तरफ मृतका के पिता दिनेश कुमार सिंह ने घरेलू कलाह के कारण उसके ससुराल वालों पर उसे मारने का आरोप लगाया है। जबकि दूसरी तरफ मृतका के प्रति दीपक कुमार ने बताया कि सोमवार की सुबह वह बाथरूम जा रही थी। उसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह फर्श पर गिर पड़ी। जिससे उसके सिर में चोट आ गई और उसकी मौत हो गई। वही पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतका की मौत संदिग्ध स्थिति में होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा।

बताया जाता है कि शादी के दो साल बीत जाने के बाद भी उसे कोई संतान नहीं था। मित्रता का पति दीपक कुमार गुजरात के सूरत में रहकर प्राइवेट काम करता था। वह अपबे तीन व एक भाई में तीसरे स्थान पर थी। उसके परिवार में मां चंद्रावती देवी व दो बहन रेणु देवी, पूजा कुमारी एवं एक भाई आदर्श कुमार है। मृतका के पिता दिनेश कुमार सिंह पेशे से सरकारी शिक्षक है एवं चिलबिलिया गांव स्थित विद्यालय में कार्यरत है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतका की मां चंद्रावती देवी हम परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। हालांकि इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। पुलिस का दावा है कि हर पहलू पर जांच किया जाएगा। इसमें जो दोषी होंगे। उनपर कार्रवाई की जाएगी।

जिनेवा रवाना हुए मंत्री संतोष, लेंगे अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में हिस्सा

पटना। बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग के मंत्री संतोष कुमार सिंह और विभाग के सचिव दीपक आनंद सोमवार को स्विट्जरलैंड के जिनेवा के लिए रवाना हुए। वे 2 से 13 जून 2025 तक आयोजित होने वाले 113वें अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के सम्मेलन में भाग लेंगे। मंत्री संतोष कुमार सिंह अंतर्राष्ट्रीय मंच पर बिहार के श्रम कल्याण, नीतियों और अनुभवों को साझा करेंगे। साथ ही, वे विश्व के अन्य देशों में श्रमिकों के लिए चल रहे प्रयासों से भी परिचित होंगे।भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने मंत्री संतोष कुमार को भारतीय प्रतिनिधिमंडल में अतिथि मंत्री के रूप में शामिल किया है। सम्मेलन के दौरान 4 से 6 जून तक आयोजित उच्च स्तरीय बैठकों में श्रम संसाधन विभाग के सचिव दीपक आनन्द भी मंत्री के साथ भाग लेंगे।

मनीष कश्यप से मारपीट... पीएमसीएच के मेडिकल स्टाफ पर एफआईआर दर्ज

केटी न्यूज/पटना

दुनिया के दूसरे और सबसे बड़े हाईटेक अस्पताल पीएमसीएच के डॉक्टरों और वहां के कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह कार्रवाई पत्रकार संघ के अध्यक्ष मोहन तिवारी (फरीदाबाद) की ओर से दिए गए आवेदन के आधार पर की गई है। मामला पटना के पीरबहोर थाना में दर्ज किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पीरबहोर थाना के थानाध्यक्ष अब्दुल हलीम ने बताया कि चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप के साथ पीएमसीएच के अज्ञात डॉक्टरों और कर्मियों ने मारपीट की थी। उसी मामले में कांड संख्या 417/2025 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। थानाध्यक्ष अब्दुल हलीम ने बताया कि पीड़ित मनीष कश्यप से अभी तक संपर्क नहीं हो पाया है। ह्यूट्यूबर मनीष कश्यप को कई बार कॉल किया गया, लेकिन उसके बाद भी उनका कोई जवाब नहीं मिला है। फिलहाल केस दर्ज हो चुका है और मामले की जांच की जा रही है।ह्वघटना के संबंध में कई प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कुछ डॉक्टर मनीष को खींचकर हॉस्टल की तरफ ले जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन समय रहते पीरबहोर थाना परिसर में स्थित टॉप यूनिट के पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंच गए। फिर पुलिस ने मनीष को भीड़ से खींचकर सुरक्षित टॉप कार्यालय में ले गई। इस दौरान लगभग तीन घंटे तक मनीष कश्यप और उनके समर्थक बेहद तनावपूर्ण स्थिति में रहे। इस दौरान मनीष के साथ मारपीट भी की गई, जिसमें वह घायल हो गये। पीएमसीएच से निकालने के बाद मनीष को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल से डिस्चार्ज मिलने के बाद मनीष ने सार्वजनिक रूप से पूरी घटना की जानकारी दी और आरोप लगाते हुए कहा कि पीएमसीएच के डॉक्टरों ने उनके साथ मारपीट और अभद्रता की थी।

थाने में रचाई शादी: प्रेमी युगल ने भगवान शिव के मंदिर में लिए सात फेरे

केटी न्यूज/अरवल

अरवल जिले के कुर्था थाना कैम्पस में एक अनोखी शादी हुई। थाना परिसर में स्थित मंदिर में प्रेमी-युगल की शादी करवाई गयी। जहां न कोई बैंड बाजा था और न ही बाराती थे। इससे पहले दोनों ने सबसे छिपाकर कोर्ट मैरिज कर ली थी। जब दोनों परिवारों को इस बात का पता चला तब वो सोमवार को कुर्था थाना पहुंच गये जहां दोनों ने पुलिस कर्मियों के समक्ष मंदिर में शादी रचाई। करपी थाना क्षेत्र के शिवनगर गांव निवासी प्रमोद शर्मा के पुत्र सतीश कुमार ने औरंगाबाद जिले के पौथु थाना क्षेत्र के सीबा गांव निवासी रामानुज शर्मा की पुत्री रिनशु कुमारी के साथ थाने में ही सात फेरे लिये। मिली जानकारी के मुताबिक सतीश और रिनशु का प्रेम-प्रसंग पिछले कई वर्षों से चल रहा था। दोनों एक-दूसरे से बेहद प्यार करते थे, लेकिन सामाजिक और पारिवारिक कारणों से विवाह नहीं हो पा रहे थे। मार्च माह में दोनों ने गुपचुप तरीके से कोर्ट मैरिज कर ली थी। इसके बाद जब परिवारों को इस बात की जानकारी हुई, तो सोमवार को दोनों पक्ष कुर्था थाने पहुंचे। थाने में पदस्थापित अपर थानाध्यक्ष शमशेर आलम, पीएसआई स्मिता उपाध्याय सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने मामले को समझते हुए प्रेमी युगल को थाना परिसर में बने भगवान शिव के मंदिर में शादी कराने का निर्णय लिया।

पूरे विधि-विधान के साथ युगल की शादी कराई गई। नवविवाहित जोड़े ने भगवान को साक्षी मानकर एक-दूसरे के साथ जीने-मरने की कसमें खाईं। इस अनोखी शादी के गवाह बने पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी भावुक हो उठे और नवदंपति को आशीर्वाद देकर विदा किया। थाने में हुई यह शादी न केवल प्रेम की जीत साबित नहीं हुई, बल्कि समाज के लिए भी एक मिसाल बन गई।

तेज प्रताप के समर्थन में उतरे राजद सांसद

केटी न्यूज/आरा

पूर्व मंत्री और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव के पक्ष में राष्ट्रीय जनता दल के सांसद और प्रदेश अध्यक्ष के बेटे उतर गए हैं। सांसद सुधाकर सिंह ने तेज प्रताप का समर्थन किया है। कहा कि तेज प्रताप यादव ने जो किया है, उसे मैं गुनाह की श्रेणी में नहीं मानता है। उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री और राम विलास पासवान का भी उदाहरण दिया। साथ ही राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से अपने फैसले पर विचार करने की अपील की। सुधाकर सिंह के इस बयान ने सियासी गलियारे में हलचल मचा दी है। बक्सर से सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि तेज प्रताप यादव ने कोई गुनाह नहीं किया है। अगर उन्होंने कुछ किया है तो इसकी घोषणा वह स्वयं करेंगे। दो शादियां हिन्दू रीति रिवाजों में रही है। कई जगह हमने तीन चार शादियों के बारे में हमने सुना है। दो शादी कई लोग कर चुके हैं। मैं व्यक्तिगत तौर पर इसे अनैतिक काम नहीं मानता हूं। आज भी कई लोग दो शादियां करके रह रहते हैं। उन्होंने रामविलास पासवान का भी उदाहरण दिया। उन्होंने भी दो शादी की थी। चिराग पासवान उनकी दूसरी पत्नी के बेटे हैं। उन्होंने लालू प्रसाद से अपील करते हुए कहा कि एक पिता के तौर उन्हें तेज प्रताप यादव को माफ कर देना चाहिए।

लालू प्रसाद ने निकाल दिया था पार्टी से : एक महिला के साथ तेज प्रताप यादव की तस्वीर और सोशल मीडिया पोस्ट के कारण राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने लिखा था कि निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है।

कांग्रेस का दावा... पीड़ित बच्ची को न्याय दिलाने तक जारी रहेगा यह संघर्ष

मुजफ्फरपुर में एक दलित नाबालिग से हुए अत्याचार पर कांग्रेस ने सीएम का पुतला फूंका

- जिलाध्यक्ष अशोक राम के नेतृत्व में आरा स्थित शहीद चौक पर एकत्रित हुए कार्यकर्ता

केटी न्यूज/आरा

मुजफ्फरपुर में एक दलित नाबालिग बच्ची के साथ हुए जघन्य दुष्कर्म और राज्य सरकार की लापरवाही के कारण हुई उसकी दुःखद मृत्यु के विरोध में सोमवार को भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम के नेतृत्व में आरा स्थित शहीद चौक पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय का पुतला दहन किया गया। पुतला दहन को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अशोक राम ने बताया कि यह घटना न केवल मानवता को शर्मसार करती है, बल्कि सरकार की संवेदनहीनता और लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण भी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय की चुप्पी इस बात को दशार्ती है कि दलित और निर्बल वर्ग की बेटियों की सुरक्षा इनके लिए कोई मायने नहीं रखती। कांग्रेस पार्टी इस मामले में चुप नहीं बैठेगी और पीड़ित बच्ची को न्याय दिलाने तक यह संघर्ष जारी रहेगा।

पुतला दहन में भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम, राजेंद्र ओझा, प्रो अरुण सिंह, प्रवक्ता डॉ अमित कुमार द्विवेदी, बीरेंद्र मिश्रा, अशोक यादव पूर्व अध्यक्ष एन.एस.यू.आई, अमिता पाण्डेय, पन्नग त्रिपाठी, रजी अहमद, मनोज कुमार अंजनी, प्रमोद राय, जितेन्द्र शर्मा, चांद मियां, चितरंजन मुन्ना, अशोक सिंह, राजेश कुमार, शिवशंकर चौबे, राकेश त्रिपाठी, संपत सिंह, अब्दुल सलाम कुरैशी, गजेंद्र चौधरी, रवि राम, लालदेव सिंह, नागेंद्र मिश्रा, सूरज प्रकाश, घनश्याम चौधरी, रिपुंजय ओझा, लुटावन राम चौरसिया, मोहमद मंजूर अली, हरेराम कुमार सहित दर्जनों कांग्रेसी एवं आमजन शामिल थे।

सोनपुर मेला के कायाकल्प पर खर्च होंगे 24.28 करोड़ : सम्राट

♦ मेला मोबाइल ऐप, कैशलेस भुगतान, वर्चुअल दर्शन और स्मार्ट पार्किंग की होगी व्यवस्था

केटी न्यूज/पटना

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि सोनपुर मेला स्थल, सारण में पर्यटकीय सुविधाओं के विकास और आधुनिकीकरण के लिए 24.28 करोड़ रुपये की योजना को प्रशासनिक स्वीकृत दी गई है। चौधरी ने बताया कि स्वदेश दर्शन स्कीम 2.0 की उप-योजना (सीबीडीडी) के तहत सोनपुर मेला विकास की योजना को स्वीकृति दी गई है। इससे स्थानीय रोजगार और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार सोनपुर मेले को देशभर में ही नहीं,बल्कि वैश्विक पर्यटन के लिए डिजिटल और पर्यावरण-संवेदनशील स्थल के रूप में विकसित कर रही है। चौधरी ने बताया कि इस योजना के तहत प्रवेश द्वार, हाट निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, घाट तक संपर्क, पार्किंग और शटल सेवा का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नये स्वरूप में प्लास्टिक मुक्त मेला क्षेत्र, अपशिष्ट प्रबंधन, सौर ऊर्जा और पर्यावरण जागरूकता अभियान जैसी हरित पहल पर भी काम किया जाएगा।

वहीं डिजिटल पहल के तहत मेला मोबाइल ऐप, कैशलेस भुगतान, वर्चुअल दर्शन और स्मार्ट पार्किंग जैसी सेवाओं का निर्माण किया जाएगा। चौधरी ने कहा कि बिहार में सारण जिले का सोनपुर मेला स्थल एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। सरकार के प्रयासों से यहां पर्यटकों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है।उन्होंने कहा कि मेला स्थल के समग्र विकास से आने वाले पर्यटकों को उच्च गुणवत्ता की सुविधाएं मिलेंगी,व्यापार के नए अवसर सृजित होंगे और सरकार को राजस्व की भी प्राप्ति होगी।

उल्लेखनीय है कि सोनपुर में गंगा-गंडक नदी के संगम पर हर वर्ष शरद ऋतु में कार्तिक पूर्णिमा (इस वर्ष 5 नवंबर) पर महीने भर चलने वाला मेला लगता है। इसे एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला माना जाता है। यह मेला हाथी-घोड़ा, गाय-बैल और दूसरे पशुओं की खरीद-बिक्री के लिए प्रसिद्ध रहा है। इस मेला को और समृद्ध बनाया जा रहा है।

बेतिया में नहर में डूबने से दो दोस्तों की मौत

केटी न्यूज/बेतिया

बेतिया में नहाने के दौरान दो युवक डूब गए। एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर डूबे हुए दोनों लापता युवक की नदी में खोजबीन कर रही है। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। घटना बैरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत तिरहुत कैनाल नहर की है। दरअसल, उमस भरी गर्मी से निजात पाने के लिए तीन दोस्तों ने नदी में नहाने की योजना बनाई थी। तीनों दोस्तों में दो दोस्तों ने अपनी मोबाइल तीसरे दोस्त को थमा दी और बोला कि तुम वीडियो बनाओ हम नहाने नदी में जा रहे हैं। मोबाइल दे कर दो दोस्त नदी में कूद गए और देखते ही देखते गहरे पानी में डूब गए। डूबते हुए देखकर अचानक तीसरा दोस्त जोर-जोर से हल्ला करने लगा। ग्रामीण जबक घटनास्थल पर पहुंचे तब तक दोनों युवक गहरे पानी में डूब चुके थे। डूबे हुए युवक की पहचान काली बाग थाना क्षेत्र अंतर्गत उतरवारी पोखरा निवासी सत्य प्रकाश पटेल के 16 वर्षीय पुत्र रौशन पटेल एवं मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत परबतिया टोला निवासी राजेश राम का 17 वर्षीय पुत्र कुलदीप कुमार के रूप में हुई हैं। प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद शरीफ ने बताया कि वह पुल पर ही खड़े थे, तभी तीनों बच्चे नदी में नहाने के लिए आए। उसमें से दो युवक नदी में नहाने के लिए तीसरे दोस्त को मोबाइल दे कर नदी में छलांग लगा दी। देखते ही देखते वे दोनों नदी में डूब गए।

नीतीश सरकार के फैसले से लाखों कर्मियों को मिलेगी राहत

चुनाव से पहले सरकारी स्कूल के रसोइयों का मानदेय होगा दुगना

केटी न्यूज/पटना

बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार सरकार स्कूलों में कार्यरत 2 लाख 38 हजार रसोइयों और सहायकों को बड़ी राहत देने की तैयारी में है। शिक्षा विभाग मध्याह्न भोजन योजना के तहत कार्यरत रसोइयों का मासिक मानदेय वर्तमान 1650 रुपये से बढ़ाकर 3000 से 8000 रुपये तक करने का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। इस कदम से सरकार पर हर महीने 450 से 550 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। रसोइये, जो ज्यादातर गरीब परिवारों की महिलाएं हैं, बिहार के 70,000 स्कूलों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करते हैं।

यह पहल उनकी आर्थिक स्थिति को बेहतर करने और सामाजिक सम्मान बढ़ाने का प्रयास है।शिक्षा विभाग ने मानदेय बढ़ोतरी के लिए छह प्रस्ताव तैयार किए हैं: 3000, 4000, 5000, 6000, 7000, और 8000 रुपये प्रतिमाह। इनमें से एक पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। वर्तमान में रसोइयों को 1650 रुपये मिलते हैं, जिसमें केंद्र सरकार 600 रुपये और राज्य सरकार 400 रुपये मध्याह्न भोजन योजना के तहत देती है, जबकि 650 रुपये राज्य टॉप-अप के रूप में देता है।

2019 में मानदेय 1250 से बढ़कर 1500 रुपये और फिर 150 रुपये की अतिरिक्त वृद्धि के साथ 1650 रुपये हुआ। तमिलनाडु में 12,500 रुपये, केरल में 12,000 रुपये, और हरियाणा में 7000 रुपये की तुलना में बिहार का मानदेय काफी कम है, जिसके कारण रसोइयों की मांग को बल मिला है। रसोइयों की नियुक्ति प्रारंभिक स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों की संख्या के आधार पर होती है। 100 छात्रों तक एक रसोइया, 200 तक दो, और इससे अधिक के लिए तीन रसोइये रखे जाते हैं।

इनका काम दैनिक मेनू के अनुसार भोजन तैयार करना और बच्चों को खिलाना है। बिहार में 1 अप्रैल 2025 से अकुशल मजदूर की न्यूनतम मजदूरी 424 रुपये प्रतिदिन, यानी लगभग 11,024 रुपये मासिक है, जबकि रसोइयों का मानदेय इससे काफी कम है। कुछ रसोइयों ने 10,000 से 15,000 रुपये मासिक की मांग की है, जिसे समर्थन मिल रहा है। यह प्रस्ताव चुनावी साल में नीतीश सरकार के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि रसोइये, खासकर ग्रामीण महिलाएं, एक बड़ा वोट बैंक हैं। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी रसोइयों के आंदोलन का समर्थन किया है, वादा करते हुए कि उनकी मांगें पूरी होंगी।

यह कदम महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और एनडीए की चुनावी रणनीति को मजबूत कर सकता है, लेकिन बजट पर भारी बोझ भी डालेगा। नीतीश सरकार की यह योजना रसोइयों के लिए आर्थिक राहत और सामाजिक सम्मान की दिशा में बड़ा कदम है। अंतिम निर्णय पर सभी की नजरें हैं, क्योंकि यह न केवल रसोइयों के जीवन को बेहतर करेगा, बल्कि 2025 चुनाव में की एनडीए संभावनाओं को भी प्रभावित करेगा। वहीं दूसरी ओर रसोईयों के बीच इस बात की खुशी है कि लंबे संघर्ष के बाद उन्हें सफलता मिल रही है।

पटना में युवक को अपराधियों ने मारी गोली

पटना। जिले के बिहटा थानाक्षेत्र के मुशेपुर गांव में घर के बाहर सो रहे शख्स को अपराधियों ने गोली मार दी। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग और परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे और फरार हो गए। इधर, घायल अवस्था में संजय मांझी को पहले बिहटा के ईएसआईसी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घायल व्यक्ति की पहचान मूशेपुर गांव निवासी संजय मांझी के रूप में हुई है।

दरभंगा: हथियार सप्लायर की गिरफ्तारी के दौरान हिंसक झड़प, पुलिस टीम पर हमला

केटी न्यूज/दरभंगा

जिले के कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र के उसरी गांव में एक बड़ी और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पुलिस टीम जब एक आर्म्स एक्ट के वारंटी आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची, तो ग्रामीणों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में दरोगा उपेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल उपचार के लिए दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज जारी है। दरअसल, पुलिस की यह छापेमारी बहेड़ी थाना की टीम द्वारा कुशेश्वरस्थान थाना की मदद से की जा रही थी। उनका मकसद एक हत्या कांड में वांछित और हथियार सप्लाई करने वाले आरोपी पंचम लाल यादव की गिरफ्तारी था।

पुलिस जैसे ही देर रात उसरी गांव पहुंची, कुछ ग्रामीणों ने विरोध करते हुए टीम पर हमला कर दिया। हमलावरों ने दरोगा उपेंद्र सिंह को घेरकर बुरी तरह पीटा। इतना ही नहीं, उनकी सर्विस पिस्टल छीनने की कोशिश भी की गई। हालांकि, पुलिस टीम ने तत्काल मोर्चा संभाला और भीड़ को खदेड़ते हुए दरोगा को सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना के बाद पुलिस ने तत्काल जवाबी कार्रवाई करते हुए एक हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही, आरोपी पंचम लाल यादव के भाई अवधेश यादव को भी हिरासत में लिया गया है, जो गांव में पैक्स अध्यक्ष है और इलाके में अपना दबदबा बनाए हुए है। घटना की पुष्टि करते हुए दरभंगा के ग्रामीण एसपी आलोक ने बताया कि हमला योजनाबद्ध था और हमलावर पेशेवर अपराधी हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की ओर से लगातार आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह घटना पुलिस और कानून व्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर सामने आई है, जो दशार्ती है कि अपराधियों के हौसले किस कदर बुलंद हैं। यह लोग पुलिस पर भी हमले करना से बाज नहीं आ रहे है।

साइबर ठगी के बड़े गिरोह का पदार्फाश, एक आरोपी गिरफ्तार

कटिहार। कटिहार साइबर थाना की पुलिस ने एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का खुलासा करते हुए पूर्णिया जिले के बारहरा कोठी निवासी विनोद कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी गेमिंग एप के नाम पर लोगों को ज्यादा मुनाफे का लालच देकर उनके बैंक खातों से लाखों रुपये की ठगी करता था। पुलिस के अनुसार, हाल ही में एक शिक्षिका के खाते से इसी गिरोह ने 24 लाख रुपये उड़ा लिए थे।डीएसपी वसीम फिरोज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी विनोद कुमार अपने गैंग के साथ मिलकर पिछले कई महीनों से साइबर ठगी कर रहा था। जांच में सामने आया है कि उसके बैंक अकाउंट से एक महीने में ही लगभग 1.5 करोड़ रुपये का ट्रांजैक्शन हुआ है। पीड़ित शिक्षिका के खाते से निकाले गए 24 लाख में से 5 लाख रुपये अभी भी आरोपी के अकाउंट में हैं।

लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी, बाईपास में लगनेवाले जाम से मिलेगी राहत मिलेगी

बोले सीएम नीतीश... मीठापुर–महुली एलिवेटेड रोड व पुनपुन सस्पेंशन ब्रिज का जल्द हो निर्माण पूरा

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मीठापुर-महुली फोरलेन एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मीठापुर फ्लाईओवर गोलंबर पर रुककर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि मीठापुर-महुली एलिवेटेड का निर्माण सिपारा पुल के ऊपर से होगा और यहां पर आकर मिलेगा। मीठापुर-महुली फोरलेन एलिवेटेड रोड में मीठापुर रेलवे क्रासिंग के पास दोनों तरफ सर्विस रोड होगा।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मीठापुर-महुली एलिवेटेड पथ के बचे हुए कार्य को तेजी से पूर्ण करें। इससे लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी, बाईपास में लगनेवाले जाम से भी लोगों को राहत मिलेगी। पटना तथा पटना के बाहर जानेवाले लोगों को भी काफी सहूलियत होगी।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने पुनपुन सस्पेंशन ब्रिज के निर्माण कार्य का जायजा लिया। मुख्यमंत्री पुनपुन घाट पर भी गए और वहां किए गए सौंदर्यीगीकरण कार्य का भी जायजा लिया। वहां उपस्थित लोगों से मुख्यमंत्री ने उनका हालचाल जाना। इस दौरान लोगों ने मुख्यमंत्री को सस्पेंशन ब्रिज के निर्माण कार्य कराए जाने तथा पुनपुन घाट के सौंदर्गीकरण कार्य के कराए जाने के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इस क्षेत्र का आपने कायाकल्प कर दिया है। क्षेत्र के विकास के लिए आपने कोई कसर नहीं छोड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुनपुन घाट तक अब लोग आसानी से पहुंच सकेंगे और उन्हें पिंडदान करने में सहूलियत होगी।

उनकी सारी सुविधाओं का ख्याल रखा गया है। उन्होंने कहा कि हमारा इस क्षेत्र से पुराना लगाव है। हम हमेशा इधर आते रहे हैं। लोगों की सुविधाओं के लिए हम लगातार कार्य में लगे रहते हैं।मुख्यमंत्री ने महुली में बिहटा सरमेरा पथ तथा पटना-गया-डोभी पथ के क्रॉसिंग प्वाइंट अंडर पास के समीप रूककर निमार्णाधीन सर्विस रोड का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि इस सर्विस पथ के निर्माण से बिहटा-सरमेरा पथ का पटना-गया-डोभी पथ से लिंक हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने पटना-गया पुराने पथ की स्थिति का भी जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान विधान पार्षद रविंद्र प्रसाद सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह, बिहार राज्य पथ विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जमशेदपुर के आदित्यपुर में फायरिंग:जेल से लौटे युवक को मारी गोली, बदले की कार्रवाई में हमला

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम), एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर में गैंगवार की आशंका के बीच एक युवक को गोली मार दी गई। घटना आदित्यपुर थाना क्षेत्र के मांझी टोला की है, जहां बाइक सवार छह अपराधियों ने दीपांकर भुईया पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली दीपांकर के पैर में लगी है। गंभीर रूप से घायल हालत में उसे टाटा मुख्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, दीपांकर हाल ही में जेल से रिहा हुआ था। उस पर सुभाष प्रमाणिक पर फायरिंग करने का आरोप था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, फायरिंग उसी पुराने विवाद का नतीजा है। बताया जा रहा है कि सुभाष प्रमाणिक के बेटे ने बदले की कार्रवाई में दीपांकर पर हमला किया। हमले के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने पूरे क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू कर दिया है और जल्द ही हमलावरों की गिरफ्तारी का दावा किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और कुछ संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आदित्यपुर क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं में तेजी से इजाफा हो रहा है, जिससे आम लोगों में भय का माहौल है। लगातार हो रही फायरिंग और गैंगवार जैसी घटनाओं से कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था सख्त करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और जल्द ही घटना में शामिल अपराधियों को पकड़ने का दावा कर रही है।

सदर अस्पताल में तीन दिन के अंदर शुरू होगी नियमित सिटी स्कैन जांच, ट्रायल शुरू

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के सदर अस्पताल में अब मरीजों को अत्याधुनिक सीटी स्कैन और एमआरआई जांच की सुविधा मिलने जा रही है। रविवार को अस्पताल परिसर में सिटी स्कैन जांच केंद्र का पूजन कर ट्रायल की शुरुआत कर दी गई। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि अगले तीन दिनों में मरीजों की नियमित जांच शुरू कर दी जाएगी। यह सेवा पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप) मोड पर शुरू की गई है, जिसे कृष्णा डायग्नोस्टिक द्वारा संचालित किया जाएगा। इस सुविधा का लाभ आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आने वाले लाभुकों को नि:शुल्क मिलेगा। वहीं, सामान्य मरीजों से सीजीएचएस दर के अनुसार शुल्क लिया जाएगा। सीटी स्कैन की शुरुआती दर 1050 रुपए रखी गई है, जो निजी लैब की तुलना में काफी कम है। अस्पताल में हृदय रोगियों के इलाज के लिए भी बड़ी पहल की जा रही है। सिविल सर्जन के अनुसार, करीब आठ करोड़ रुपए की लागत से एक कैथ लैब भी तैयार की जा रही है, जो अगले चार-पांच महीने में बनकर तैयार हो जाएगी। इसके शुरू होने से कार्डियक मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। सिविल सर्जन ने बताया कि सीटी स्कैन जांच शुरू होने के 15 दिनों के भीतर एमआरआई जांच सेवा भी शुरू हो जाएगी। दोनों जांच सेवाएं शुरू हो जाने के बाद मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, रक्षा राज्य मंत्री और विधायक सीपी सिंह की मौजूदगी में उद्घाटन किया जाएगा। कंपनी को जांच से होने वाले मुनाफे का 15प्रतिशत हिस्सा सदर अस्पताल को देना होगा।

मुफ्त में देना था, रिम्स में 500 रुपये में बेचा जा रहा कफन; 46 दिन बाद भी नहीं हुआ ये काम

रांची, एजेंसी। रिम्स शासी परिषद की 59वीं बैठक के संपन्न हुए 46 दिन बीत चुके हैं लेकिन अभी तक बैठक में लिए गए निर्णय पर अमल नहीं किया जा सका है। सिर्फ प्रोसिडिंग (बैठक की कार्यवाही) में हस्ताक्षर नहीं होने की वजह से किसी भी निर्णय को लागू नहीं किया जा सका है। रिम्स प्रबंधन ने सात मई को प्रोसिडिंग की कॉपी विभाग को भेज दिया था लेकिन, वहां से अभी तक रिम्स नहीं आ सका है। जिसकी वजह से यहां के मरीजों के हित में जो फैसला लिया गया था वो अमल ही नहीं हो पा रहा है।15 अप्रैल को हुए शासी परिषद की बैठक में 33 एजेंडों पर फैसला लिया गया था। जिनमें कुछ ऐसे फैसले थे जिसका सभी ने स्वागत किया था, इसमें रिम्स में इलाज के दौरान मरीज की मौत हो जाने पर कफन किट देने या पांच हजार रुपये अंतिम संस्कार के लिए देने पर निर्णय हुआ था।

रेखा तिर्की को कृषि मंत्री द्वारा सम्मान, जैक 12वीं के कॉमर्स में पाया छठा स्थान

रांची, एजेंसी। राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने आज रविवार अपने निर्वाचन क्षेत्र मांडर में 12वीं में अच्छा रिजल्ट करने वाली छात्रा को सम्मानित किया. मंत्री ने मांडर के मेसाल स्थित महादेव उरांव के घर जाकर इंटर कॉमर्स में राज्य में छठा स्थान हासिल करने वाली छात्रा रेखा तिर्की को सम्मानित किया. इसके साथ ही मंत्री ने उसे एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की।

दिहाड़ी मजदूरी कर बेटी को पढ़ा लिखकर बड़ा अफसर बनाने का सपना देखने वाले महादेव उरांव की प्रशंसा करते हुए कृषि मंत्री ने रेखा तिर्की के भविष्य की शुभकामनाएं दी. कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि रेखा तिर्की को उच्च शिक्षा के लिए यह राशि काम आएगी. रेखा तिर्की को बड़ा अफसर बनाने की राह में जो मदद की जरूरत पड़ेगी उसमें वह मदद करेंगी।

स्थानीय विधायक और कृषि मंत्री को अपने आवास और परिवार के बीच पाकर महादेव उरांव का परिवार काफी खुश नजर आया. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि कड़ी मेहनत, अनुशासन और अपने लक्ष्य को पाने के प्रति समर्पण से सफलता को हासिल किया जा सकता है. आज रेखा तिर्की ने अभाव को मात देकर अपने लक्ष्य को भेदने में सफलता पाई है. माता-पिता ने दिहाड़ी मजदूरी कर रेखा के सपनों को साकार करने में एक जिम्मेदार अभिभावक की भूमिका को निभाई है।

उन्होंने कहा कि आज रेखा ने पूरे आदिवासी समाज को गौरवान्वित किया है. रेखा तिर्की ने उस राजनीतिक उद्देश्य को भी साबित किया जिसमें हम हर मंच से ये कहते है कि आदिवासी समाज तभी आगे बढ़ेगा, जब वो पढ़ेगा और लिखेगा. आज मांडर की बेटी ने ये कर दिखाया है. रेखा तिर्की ने आने वाली पीढ़ी के लिए ये साबित कर दिया है कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हो लेकिन यदि मजबूत इच्छाशक्ति और लगन हो तो सफलता जरूर कदम चूमेगी. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि रेखा के उज्ज्वल भविष्य के लिए करियर काउंसलिंग की जरूरत होगी. रेखा के उच्च शिक्षा के लिए हरसंभव मदद की जाएगी. वो अपने करियर में बड़ा अफसर बने इस सपने को साकार करने में सहयोग करेंगे।

इस मौके पर रेखा तिर्की ने कहा कि पहले तो कई बार माता-पिता से शिक्षा के लिए पैसा मांगने में बहुत खराब लगता था. अब मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के द्वारा एक लाख का सहयोग किया गया है तो ये मेरे लिए बहुत मददगार साबित होगा. रेखा ने बताया कि वो भविष्य में अकाउंट्स ऑनर्स की शिक्षा ग्रहण करना चाहती हैं।

मांडर के सरगांव में समाजसेवी माता मेरी बर्नादेक्त प्रसाद किस्पोट्टा की 64वीं पुण्यतिथि पर आयोजित तीर्थ यात्रा में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुईं. रांची महाधर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष विनसेंट आइंद इस अवसर पर विशेष रूप से मौजूद रहे. इस मौके पर माता मेरी बर्नादेक्त प्रसाद किस्पोट्टा के जीवनकाल और सेवा पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया गया. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि माता मेरी बर्नादेत्ता प्रसाद किस्पोट्टा का जीवन समाज की सेवा के लिए समर्पित रहा. आज जुबली वर्ष पर तीर्थ यात्रा के तौर पर उनके जीवनकाल को याद किया जा रहा है. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि सेवा की राह को चुनना आसान नहीं है, बल्कि बहुत कठिन है. इसके बावजूद उन्होंने इसी राह को चुना और शिक्षा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा का आदर्श बन कर स्थापित हुईं।

हजारीबाग में आरएसएस का पथ संचलन, पूरे राज्य भर से पहुंचे स्वयंसेवक

हजारीबाग, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के झारखंड प्रांत का प्रथम वर्ष का प्रशिक्षण शिविर हजारीबाग के विद्या मंदिर कुम्हारटोली में आयोजित किया गया है। इसी क्रम में रविवार को प्रशिक्षु स्वयंसेवकों ने पथ संचलन के माध्यम से शहरवासियों को अपने अनुशासन और प्रशिक्षण से अवगत कराया। आनंद महाविद्यालय में प्रार्थना के साथ पथ संचलन की शुरुआत हुई।

इस दौरान स्वयंसेवक कचहरी चौक, पुराना बस स्टैंड बंशीलाल चौक, झंडा चौक, बड़ा अखाड़ा चौक और जादो बाबू चौक से गुजरे। पथ संचलन का समापन कुम्हारटोली विद्या मंदिर में हुआ। स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में संचलन में शामिल हुए। संचलन के दौरान स्वयंसेवकों ने बैंड की धुन बजाई और कई तरंगों के माध्यम से भारत भक्ति, भारत की शक्ति का प्रदर्शन किया।

जानकारी देते हुए जिला कार्यवाह मुकेश कुमार ने बताया कि प्रथम वर्ष का प्रशिक्षण शिविर 25 मई से 8 जून 2025 तक देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित है। झारखंड प्रांत का प्रशिक्षण शिविर हजारीबाग में आयोजित किया गया है।

उन्होंने कहा कि पथ संचलन शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि अनुशासन और प्रशिक्षण का प्रदर्शन है। जिसमें से प्राथमिक सात दिन, प्रथम 15, द्वितीय 20 और तृतीय 30 दिनों का नागपुर में होता है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 2025 में अपनी पहली वर्षगांठ मना रहा है। इसकी स्थापना 1925 में नागपुर में हुई थी। वर्षगांठ के बाद कई कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। इसी क्रम में हजारीबाग में भी प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को जब शहर में पथ संचलन निकला, तो कई जगहों पर फूलों से इसका भव्य स्वागत किया गया। महिलाएं सड़क पर छतों से फूल बरसाती नजर आईं। वहीं, बड़ा अखाड़ा रोड, महाबीर मंदिर रोड, कुम्हारटोली, बंशीलाल चौक पर लोग अपने घरों से ही स्वयंसेवकों की आरती उतारते भी नजर आए।

प्रभु जगन्नाथ भाई-बहनों के साथ जाएंगे मौसीबाड़ी, 27 को होगी रथयात्रा

रांची, एजेंसी। जगन्नाथ मंदिर न्यास समिति ने रथमहोत्सव की तैयारियों में तेजी लाने का निर्णय लिया है। जगन्नाथ मंदिर न्यास समिति ने इस वर्ष के रथमहोत्सव की तैयारी शुरू कर दी है। हर साल की तरह इस बार भी भव्य मेला आयोजित किया जाएगा। बुधवार को मंदिर समिति द्वारा मेला से संबंधित टेंडर की जानकारी प्रकाशित की जाएगी। इस बार मेला के लिए कितने करोड़ रुपये का टेंडर हुआ, इसकी जानकारी भी जल्द ही उपलब्ध होगी।

रथयात्रा का आयोजन 27 जून को होगा, जब महाप्रभु जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर मौसीबाड़ी जाएंगे।

11 जून को मंदिर परिसर में देव स्नान महोत्सव का आयोजन होगा। इस अवसर पर महाप्रभु के तीनों विग्रहों को गर्भ गृह से मंडप में लाया जाएगा। इस दौरान 51 मिट्टी के बर्तनों से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पुजारियों द्वारा सम्मान किया जाएगा।

इसके बाद महाप्रभु को नए वस्त्र पहनाए जाएंगे और उन्हें एकांतवास में भेजा जाएगा, जहां उनका उपचार किया जाएगा। 15 दिनों बाद वे एकांतवास से बाहर आएंगे। 26 जून को नेत्रदान महोत्सव होगा, जिसके बाद भक्त महाप्रभु के दर्शन कर सकेंगे।

मेला परिसर से अतिक्रमण हटाने का कार्य जिला प्रशासन और मंदिर समिति द्वारा जारी है। मेला परिसर से अतिक्रमण जल्द ही हटा लिया जाएगा। रथ का निर्माण 70 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जिसमें रंग-रोगन और कुछ छोटे-मोटे कार्य बाकी हैं, जिन्हें रथ यात्रा से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

मंदिर समिति के प्रथम सेवक सुधांशू नाथ शाहदेव ने बताया कि सीसीएल की ओर से सीएसआर फंड के तहत मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए तीन करोड़ 80 लाख रुपये दिए गए हैं।

इस राशि से मंदिर परिसर में मंच, पार्क, लाइट, सीसीटीवी कैमरा, सीढ़ियों पर सेड, सड़क और तालाब का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। पहले से ही दो करोड़ 11 लाख रुपये जीर्णोद्धार के लिए दिए जा चुके हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों फंड एक ही हैं या अलग-अलग।

अपने मित्र के लिए रिम्स टू का विरोध कर रहे हैं मरांडी : सुप्रियो

रांची, एजेंसी। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झामुमो महासचिव द्वारा बाबूलाल मरांडी पर लगाए गए आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने रविवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने नगड़ी के आदिवासियों के हक में आवाज उठाई, तो झामुमो को मिर्ची लग गई। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह सरकार खुद को आदिवासियों की सरकार होने का दावा करती है, लेकिन जबरन आदिवासियों से उनकी जमीन छीन कर रिम्स टू बनाना चाहती है।

ग्रामीणों ने बाबूलाल मरांडी को दस्तावेज दिखाए थे, उससे यह स्पष्ट हो गया था कि इस जमीन का अधिग्रहण कभी नहीं हुआ। ऐसे भी भूमि अधिग्रहण 2013 की धारा 101 कहती है कि अगर 5 वर्षों तक जिस प्रयोजन के लिए जमीन का अधिग्रहण हुआ, उसमें उसका प्रयोग नहीं हुआ, तो वह मूल रैयत को वापस हो जाएगी। आदिवासियों के विरोध के बावजूद लाठी-डंडे के जोर पर निर्माण का कड़ा विरोध करेगी पार्टी : प्रतुल शाहदेव ने कहा कि आदिवासियों के विरोध के बाद भी स्वास्थ्य मंत्री कह रहे हैं कि रिम्स टू वहीं बनेगा। लाठी-डंडे के जोर पर किसी भी निर्माण का पार्टी कड़ा विरोध करेगी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सत्ताधारी गठबंधन में कांग्रेस एक प्रमुख सहयोगी है, जिसके कार्यकाल में अनुमान के अनुसार 6 करोड़ से लोग ज्यादा विस्थापित हुए। झारखंड की बात करें तो मसानजोर डैम, पंचेत डैम, मैथन डैम, तिलैया डैम, तेनुघाट डैम, बोकारो स्टील प्लांट, एचईसी आदि बड़े-बड़े प्रोजेक्ट के कारण कई लाख लोग विस्थापित हुए। लेकिन, झामुमो और कांग्रेस इन विस्थापितों को आज तक अपना हक नहीं दिला पाई। बाबूलाल मरांडी बताएं कि 104 एमओयू का आज क्या हुआ सुप्रियो भट्टाचार्य ने पूछा कि वर्ष 2003 से वर्ष 2006 तक भाजपा के कार्यकाल में 104 एमओयू हुए थे। आज उसका क्या हाल है, बाबूलाल मरांडी बताएं उन्होंने कहा कि अभी तक अंतिम रूप से यह तय नहीं है कि रिम्स टू कहां बनेगा और ये लगे विरोध करने लगे। राज्य को रिंग रोड के आसपास सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की जरूरत है, इस पर इनको तकलीफ क्यों हो रही है

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने नगड़ी क्षेत्र में प्रस्तावित रिम्स-2 के निर्माण का विरोध करने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मरांडी अपने एक मित्र सुनील साहू के हितों की रक्षा के लिए रिम्स टू का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने रविवार को पार्टी के कैंप कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि मरांडी को न तो विकास विरोधी कहूंगा और न ही आदिवासी-मूलवासियों का हितैषी। वे किसी और एजेंडे के तहत रिम्स टू का विरोध कर रहे हैं।

सुप्रियो ने कहा कि आज बाबूलाल मरांडी का इतना हृदय परिवर्तन और आदिवासियों के प्रति संवेदना जाग गई है। अपने शासनकाल में कोयल कारो परियोजना और नेतरहाट फील्ड फायरिंग रेंज की स्थापना होनी थी। ये वही व्यक्ति हैं, जिन्होंने इसकी हरी झंडी दी थी।

रामगढ़ में 3.5 लाख की नकली पनीर समेत अन्य खाद्य पदार्थ जब्त, बिहार से रांची में खपाने की थी तैयारी

रामगढ़, एजेंसी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने रामगढ़ पुलिस की मदद से नकली खोया और पनीर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. विभाग ने बिहार से रांची लाया जा रहा 750 किलो नकली खोया, 150 किलो नकली पनीर और 200 किलो मुरब्बा जब्त किया है, जिसकी कीमत लगभग 3.5 लाख रुपये है. इसके साथ ही अवैध रूप से खाद्य सामग्री ले जाने के कारण तीन बसों पर जुर्माना भी लगाया गया है।

दरअसल, खाद्य सुरक्षा विभाग को जानकारी मिली थी कि बिहार से भारी मात्रा में नकली पनीर और खोया बस के जरिए रांची लाया जा रहा है. इसका खुलासा तब हुआ जब रामगढ़ पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से बीती रात बिहार से आने वाली बसों की जांच की गई. इस दौरान पाया गया कि बसों में नकली पनीर और खोया भरकर अवैध परिवहन किया जा रहा है. जिसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने हकीकत जानने के लिए बसों मालिकों से संपर्क किया, जिस पर बस मालिकों ने कहा कि उन्हें खोया और पनीर के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

इस मामले के बाद पुलिस और खाद्य विभाग मिलावटखोर के रैकेट तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है. हालांकि विभाग का कहना है कि अभी तक कोई भी इन खाद्य सामग्रियों को अपना कहने वाला नहीं है. पनीर के टुकड़ों पर आयोडिन डालते ही वह काला हो गया, जिससे साफ है कि यह पनीर नकली है. नकली पनीर में सिंथेटिक केमिकल और स्टार्च मिलाया जाता है, जो शरीर के लिए जहर के समान है. इसे बनाने में डिटर्जेंट पाउडर, सिंथेटिक दूध और वनस्पति घी का प्रयोग होता है. नकली पनीर में मौजूद केमिकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है और नियमित सेवन से लोगों के स्वास्थ्य पर काफी प्रभाव पड़ता है. मौके पर विभाग ने जब्त खोया और पनीर का परीक्षण किया, जिसमें दोनों में भारी मिलावट देखी गई. बता दें कि कारोबारी नकली पनीर और खोया को राजधानी रांची में खपाने की तैयारी में थे, लेकिन समय रहते उनकी करतूत से पर्दा उठ गया।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी दीप श्री श्रीवास्तव ने बिहार से रांची जा रही आरजू बस, भोजपुर क्लासिक बस और रेखा क्लासिक बस पर अवैध रूप से खाद्य सामग्रियों को ले जाने के आरोप के बाद जुर्माना लगाया है. तीनों बसों से 35 हजार रुपए जुर्माना के रूप में वसूले गए हैं और उन्हें चेतावनी दी गई है कि भविष्य में बिना अनुमति के इस तरह की खाद्य सामग्रियों का परिवहन ना करें।

झारखंड के 1700 से अधिक सहायक अध्यापक नौकरी से हटाए जाएंगे

रांची, एजेंसी। गैर मान्यता प्राप्त संस्थानों की डिग्री पर नौकरी लेने वाले झारखंड के करीब 1700 से अधिक सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) हटाए जाएंगे। ये सभी शैक्षणिक संस्थान उत्तर प्रदेश के हैं, जिनकी डिग्री झारखंड में मान्य नहीं है। शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की जांच में इसका खुलासा हुआ है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) ने जिला शिक्षा अधीक्षकों को इन्हें नौकरी से हटाने का निर्देश दिया गया है। तत्काल कार्रवाई कर इसकी सूचना देने को कहा है, वरना शिक्षा अधिकारियों पर ही कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

जेईपीसी ने सभी सहायक अध्यापकों के प्रमाण पत्रों की जांच कराई है। इस दौरान पता चला कि करीब 1700 पारा शिक्षकों ने गैर मान्यता प्राप्त संस्थानों से डिग्री ली है। इसी बीच जेईपीसी के निदेशक शशि रंजन ने कहा कि कोडरमा में कुछ पारा शिक्षकों को हटाया गया है। प्रमाण पत्रों की जांच में ऐसे करीब 1700 शिक्षक मिले हैं। पूरी रिपोर्ट मिलने के बाद इनकी संख्या बढ़ भी सकती है। झारखंड राज्य सहायक अध्यापक संघ के अध्यक्ष संजय दुबे ने जेईपीसी के फैसले पर ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा-जेईपीसी 20 साल से सो रही थी क्या अब नींद कैसे खुली। करीब 2500 शिक्षकों को हटाने की बात हो रही है। ये सभी 20 साल या इससे अधिक समय से कार्यरत हैं। नियुक्ति के समय इनकी डिग्री सही थी, तभी तो नियुक्ति हुई। फिर अचानक डिग्री फर्जी कैसे हो गई।

जेईपीसी के निदेशक शशि रंजन ने जिला शिक्षा अधीक्षकों से पूछा है कि फर्जी और गैर मान्यता प्राप्त संस्थानों की डिग्री से नौकरी लेने वाले कितने सहायक अध्यापकों को सेवामुक्त किया गया है। जिला शिक्षा अधीक्षक या प्रखंड प्रसार पदाधिकारियों ने ऐसे कितने सहायक अध्यापकों को पत्र भेजा है कि अब वे काम नहीं कर सकते। ऐसे प्रमाण पत्र वाले कितने शिक्षकों की सेवा समाप्त करने के लिए प्रशासनिक सह अनुशासनिक प्राधिकार को कार्रवाई के लिए लिखा गया है। उन्होंने इस संबंध में सभी जिलों से रिपोर्ट मांगी है।इन शिक्षकों को हटाने का निर्देश तो जारी कर दिया गया, लेकिन शिक्षा विभाग उन्हें सीधे नहीं हटा सकता। इन शिक्षकों की नियुक्ति ग्राम सभा ने की है।

धनबाद में दामोदर नदी में डूबे 5 छात्र,2 की मौत,3 का हुआ रेस्क्यू

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के दामोदर नदी के सुदामडीह थाना क्षेत्र के सीता नाला अमलाबाद घाट पर रविवार को स्नान करने आए पांच छात्र गहरे पानी में डूब गए। स्थानीय लोगों ने तीन को तो बचा लिया, लेकिन दो छात्र गहरे पानी में समा गए। काफी प्रयास के बाद स्थानीय गोताखोरों ने अविनाश मल्लिक नाम के छात्र को बाहर निकाल लिया लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी। वह कांड्रा चुकड़ीपाड़ा निवासी दयानंद मलिक का इकलौता बेटा था। वह मेडिकल कॉलेज वाराणसी का छात्र था।

डूबने वाले छात्रों में अविनाश का चचेरा भाई शिवम मल्लिक उर्फ राहुल की तलाश आज भी की गई।शिवम के पिता का नाम दुर्गा मल्लिक है। शिवम झारखंड पब्लिक स्कूल बलियापुर का इंटर का छात्र था। दूसरे लापता छात्र को पानी से निकालने के लिए पहले स्थानीय स्तर पर प्रयास किया गया। फिर एनडीआरएफ को बुलाया गया। जिसने बॉडी बरामद कर ली है।

रविवार को दोपहर कांड्रा चुकड़ीपाड़ा के रहने वाले रेलकर्मी दयानंद मलिक का पुत्र अविनाश मल्लिक, उसका चचेरा भाई सेल कमी दुर्गा मल्लिक का बेटा शिवम मलिक उर्फ राहुल, सुरंगा बलियापुर का रहने वाला इंटर का छात्र दिवास कुंभकार, सुमित कुंभकार और प्रोमित कुंभकार दामोदर नदी के मोहलबनी घाट पर स्नान करने आए थे। इसी क्रम में पांचों युवक भंवर में फंस गए और डूबने लगे। स्थानीय युवक परमेश्वर कुमार ने दिवास, सुमित और प्रोमित को नदी से बाहर निकाल लिया जबकि अविनाश और शिवम मल्लिक डूब गए। पानी में डूबे बेटे की तलाश में अविनाश के पिता दयानंद मल्लिक के साथ-साथ शिवम मल्लिक के पिता दुर्गा मल्लिक भी स्थानीय गोताखोरों के साथ खुद नदी में उतर गए थे। इधर, घाट पर अविनाश की मां चंपा देवी, बड़ी मां रूमा देवी, विवाहिता बहन सोनी देवी, शिवम की मां पिंकी देवी दहाड़ मारकर रोती रहीं। आंखों के आंसू रुक नहीं रहा था। मेडिकल छात्र अविनाश की एक बहन विवाहिता है। चचेरे भाई दिवाकर ने बताया कि वह मेडिकल कॉलेज ऑफ वाराणसी में द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। छुट्टी में घर आया था। दोस्तों के साथ घूमने जाने की बात घर में कह कर निकला था। पिता दयानंद मल्लिक कुछ भी बताने में असमर्थ हैं।

एमजीएम में 7 नए विभाग खुलेंगे, विशेषज्ञों की नियुक्ति अब सात सदस्यीय टीम करेगी

जमशेदपुर, एजेंसी। डिमना चौक स्थित महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कालेज परिसर में बने नये अस्पताल को सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल के रूप में विकसित किया जा रहा है। अभी तक यहां हार्ट, न्यूरो और कैंसर रोग का ओपीडी संचालित होता है लेकिन बहुत जल्द ही सात और नए विभाग की शुरुआत होगी।

इसमें कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी, सर्जिकल आंकोलाजी, यूरोलाजी, नेफ्रोलाजी, मेडिकल गैस्ट्रोइंट्रोलाजी, सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलाजी शामिल है।

इन विभागों को संचालित होने से मरीजों को काफी लाभ मिलेगा। अभी तक सरकारी अस्पतालों में इन अति विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति नहीं होने के कारण मरीजों को निजी अस्पताल या फिर बाहर जाना पड़ता है।इन विशेषज्ञों की नियुक्ति के लिए अनुश्रवण समिति में भी संशोधन किया गया है।

पहले पांच सदस्यीय टीम इन विशेषज्ञों की नियुक्ति करती थी, लेकिन अब विभाग की ओर से दो और नए अधिकारी डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन डॉ. एसके सिंह और संयुक्त सचिव ललित मोहन को शामिल किया गया है। पूर्व की कमेटी यथावत रहेगी।

इसमें जिले के उपायुक्त, एमजीएम के प्रिंसिपल, अधीक्षक, संबंधित विभाग के विभागाध्यक्ष व एमजीएम के वरीय प्राध्यापक शामिल हैं। टीम महीने में दो दिन पहले सोमवार और अंतिम सोमवार को अति विशेषज्ञ चिकित्सकों की इंटरव्यू लेगी।अधिकारियों का कहना है कि अगले एक-डेढ़ साल के अंदर विभाग में काफी बदलाव देखने को मिलेगा। पहले चरण में सभी विभागों का ओपीडी शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।वहीं, दूसरे चरण में सभी विभागों की इनडोर सेवा शुरू होगी।

सुभाषितम्

अनादर करता है, वैसे-वैसे वह उसकी कांति को बढ़ाता है।

- वासवदत्ता

लेजर हथियारों के साथ लड़ा जाएगा विश्व युद्ध?

इजराइल दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया है, जिसने युद्ध क्षेत्र में लेजर हथियारों का इस्तेमाल कर दुश्मन के ड्रोन गिराये हैं। इजराइल के रक्षा मंत्रालय के ब्रिगेडियर जनरल ने इसकी पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा कि हमने हाई पावर लेजर का पहला प्रयोग युद्ध भूमि पर सफलतापूर्वक किया है। एक वीडियो भी जारी किया गया है, जिसमें लेजर किरणें ड्रोन पर निशाना साधते हुए दिख रही हैं। लेजर किरणों से ड्रोन के पंख में आग लग गई और वह गिरकर नष्ट हो गया। लेजर सिस्टम की इजराइल डिफेंस कंपनी ने इसे विकसित किया है। यह तकनीक प्रकाश किरण (लेजर बीम) के माध्यम से अपने लक्ष्य को तय करती है और लक्ष्य में पहुंचते ही उसे नष्ट कर देती है। इजराइल लेजर को आयरन बीम के साथ जोड़कर बड़े पैमाने पर इसकी तैनाती कर रहा है। वर्तमान में तीसरे युद्ध की आशंका देखने को मिल रही है। घातक हथियारों से पूरी दुनिया के देश लेस हैं। तीसरा विश्व युद्ध अत्याधुनिक तकनीकी से लड़ा जाएगा, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई, ऑटोमेटिक सिस्टम और घातक हथियारों के साथ होगा। यदि इस प्रकार से तीसरा विश्व युद्ध होगा तो कितना विनाशकारी होगा, इसकी कल्पना मात्र से भय लगता है। पिछले कुछ महीनो में जिस तरह से युद्ध क्षेत्र में पारंपरिक हथियार ड्रोन के माध्यम से अत्याधिक स्वचालित प्रणाली से जो युद्ध लड़े जा रहे हैं, वह मानवीय जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गए हैं। अत्याधुनिक प्रभावशाली घातक हथियार जिस तरह से विनाश कर रहे हैं, उसको देखते हुए आज सारी दुनिया भयाक्रांत है। किस देश ने कौन सी तकनीकी तैयार कर ली है और कौन से हथियार तैयार कर लिए गए हैं, इसकी जानकारी अन्य देशों के पास उपलब्ध नहीं होने से इनसे बचाव करना भी बड़ा मुश्किल हो गया है। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले कई महीनों से युद्ध चल रहा है। इसमें दोनों ही देश का भारी विनाश हुआ है। इजराइल आज सारी दुनिया के लिए एक सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। इजराइल और फिलीस्तीन के बीच शुरू हुए युद्ध में अभी तक लाखों लोगों की मौत हो चुकी है। गाजा एक तरह से बर्बाद हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इस युद्ध को रोकने में कोई भूमिका अदा नहीं कर पाई हैं। हमास को खत्म करने के लिए इजराइल ने जो हमले गाजा पर शुरू किए थे, वे इतने विनाशकारी होंगे इसकी कल्पना भी वर्तमान में करना मुश्किल है। अब लेजर किरणों से यदि विश्व युद्ध लड़ा जाएगा तो भगवान ही मालिक होगा। इसके परिणाम किस तरह के होंगे, यह कहना मुश्किल है। युद्ध के मैदान में अभी तक लाइटरिंग म्युनिशंस ड्रोन लक्ष्य का पता लगाकर हमला करते हैं। मिसाइल रक्षा प्रणालियां एआई आधारित ड्रोन, परमाणु हथियार, रूस की सामरिक परमाणु मिसाइल, उत्तर कोरिया की हाउसांग मिसाइलें, रासायनिक एवं जैविक हथियारों आदि का तृतीय विश्व युद्ध में यदि उपयोग किया गया, तो विनाश की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जिस तरह से तीसरे विश्व युद्ध की आशंका दिखने लगी है, उसको देखते हुए महाभारत काल की भी याद आने लगी है। भगवान कृष्ण के कहने पर कौरवों ने पांच गांव भी पांडवों को नहीं दिए थे। महाभारत का युद्ध हुआ। यह इतना विनाशकारी था कि युद्ध खत्म होने के बाद कौरव और उनकी सेना पूरी तरह से नष्ट हो गई। भगवान कृष्ण के नेतृत्व में पांडव यह युद्ध जीत गए थे। लेकिन किसके ऊपर राज करेंगे यह उन्हें समझ नहीं आया। जिनके ऊपर राज करना था वह महाभारत के युद्ध में नष्ट हो चुके थे। ऐसी स्थिति में पांडवों को भी वानप्रस्थ की ओर जाना पड़ा था। संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं का इजराइल पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। अमेरिका भी इजराइल को नियंत्रित नहीं कर पा रहा है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू किसी की बात सुनने के लिए तैयार नहीं है। दूसरी तरफ रूस और यूक्रेन के कई महीनो से चल रहे युद्ध को भी रोका नहीं जा सका है। भारत और पाकिस्तान के बीच एक नया तनाव देखने को मिल रहा है। चीन नई भूमिका में आ गया है। ऐसी स्थिति में जो दुनिया भर के देशों ने घातक हथियार बनाकर रखे हैं, उनसे कितना बड़ा नुकसान होगा। इसकी कल्पना सहज रूप से नहीं की जा सकती है। दुनिया के सभी देशों में आज एक दूसरे से लड़ने की मानसिकता बनी हुई है। प्रथम विश्व युद्ध में जो विनाश हुआ था, उसके बाद लोगों ने शांति के पथ की ओर बढ़ाना शुरू किया था। दूसरा विश्व युद्ध पहले विश्व युद्ध की तरह नहीं था द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सारी दुनिया के देश शांति के साथ मानवीय सभ्यता का विकास कर रहे थे।

चिंतन-मनन

सच्चा मित्र संजीवनी की तरह

हम सभी के परिचित और दोस्त होते हैं। भले ही बचपन के, स्कूल, कॉलेज, ऑफिस या आस-पास कॉलोनी में रहने वाले हों, मित्र तो सभी के होते हैं। सच्चा मित्र बनना और बनाना हर इंसान की इच्छा होती है। लेकिन, सच्चे मित्र बहुत कम मिल पाते हैं। ऐसा मित्र, जिस पर हम भरोसा कर सकें, जिसके साथ अपनी हर बाते शेयर कर सकें। धर्मशास्त्रों में सच्चा मित्र उसे कहा गया है, जो सुख-दुख में साथ दे। ऐसे दोस्त से कभी भी डर नहीं लगता। ये सही रास्ते पर चलने में हमारे मददगार होते हैं। लेकिन, ऐसा दोस्त कौन है ? क्या वह जो सिर्फ परिचित है ? सच्ची दोस्ती प्रेम, विश्वास व भरोसा, एक-दूसरे का ख्याल रखने और चिंताओं पर ही आधारित होती है। क्या, कभी इस प्रश्न का उत्तर आपने खुद से पूछा है ? प्रिय शब्दों से मित्रों की संख्या बढ़ती है और मधुर वाणी से मैत्रीपूर्ण व्यवहार। हमारे परिचित अनेक हों, किंतु परामर्शदाता ईश्वर एक ही है। ईश्वर ही सच्चा दोस्त है, जो जीवन के हर पल में हमारी परछाई बनकर साथ रहता है। उस पर अपनी आंखें बंद कर, विश्वास व भरोसा करते हैं। जब सुखी या दुखी होते हैं, ईश्वर से प्रार्थना करते हैं और प्रार्थना के रूप में उससे बातें करते हैं। जीवन की हर बात उससे साझा करते हैं और फिर खुद को हल्का महसूस करते हैं। किसी भी कार्य की शुरूआत हम ईश्वर से आशीर्वाद लेकर ही करते हुए कहते हैं-हे मेरे मालिक, मुझ पर अपनी छत्र-छाया बनाए रख, मेरा मार्गदर्शन कर और मुझे सफलता प्रदान कर।

कोरोना की फिर बढ़ी रफ्तार, हो जाएं होशियार

- ऋतुपर्ण दवे

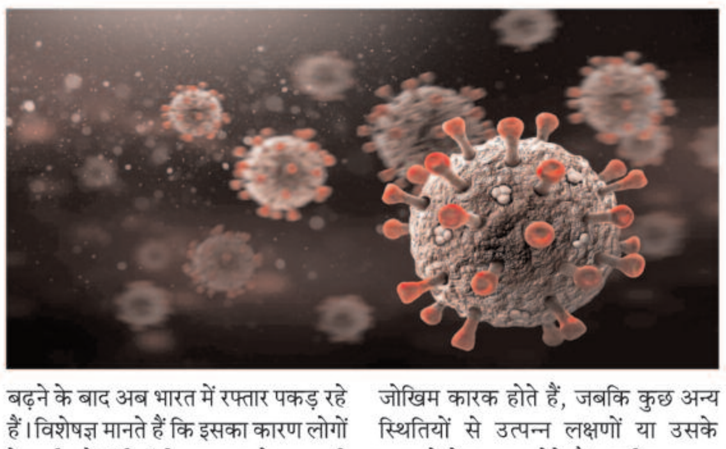

कोरोना की रफ्तार फिर पहले सरीखे गति पकड़ रही है। देश-दुनिया में चिंता है। भारत में हर दिन नई-नई आती सूचनाएं डरा रही हैं। उंगलियों पर गिने जाने वाले आंकड़े हफ्ते भर में ही हजारों में पहुंच गए। मरने वालों की संख्या में भी हो रही वृध्दि अलग डराती है। कहां 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। इस रविवार सुबह तक यह आंकड़े 3395 पार गए हैं। मरने वालों की संख्या भी हर रोज बढ़ रही है। सबसे ज्यादा केरल में 1336 सक्रिय मामले हैं। वहीं इससे होने वाली मौतों की शुरूआत भी हो चुकी है जो अभी बहुत ही कम है। लेकिन एक दिन में 685 मामले दर्ज होना, बड़ा इशारा है। महाराष्ट्र में 467 दिल्ली में 375 गुजरात में 265, कर्नाटक में 234, पश्चिम बंगाल में 205, तमिलनाडु में 185 मामले आए हैं। हांगकांग और सिंगापुर में यह बहुत तेजी से फैलते कोरोना ने भारत में जिस तरह पैर पसारा वो चिंतनीय है। इसके नए वैरिएंट जेएन-1 का प्रकोप जारी है जो पहली बार अगस्त 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दिसंबर 2023 में ही ह्यवैरिएंट ऑफ इंटरेस्टह्ण घोषित कर साफ किया था कि यह ओमीक्रॉन बी.ए.2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एल.एफ.7 और एन.बी.1.8 की संख्या ज्यादा थी। कोरोना की यह नई लहर साउथ-ईस्ट एशिया में कुछ ज्यादा ही असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़ने के बाद अब भारत में रफ्तार पकड़ रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसका कारण लोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी है। भारत में भी ऐसी संभावनाओं से इंकार नहीं है। इतना तो लगने लगा है कि सप्ताह भर में ही बढ़े संक्रमण के मामलों में जो उछाल आया है वो चिंताजनक है। चीन से भी छन-छन कर जो निकल रहा है उससे इतना तो पता चल गया कि वहां भी बीते एक महीने में कोरोना के मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन दुनिया को कोरोना देकर भी छुपाने और तबाही की कगार पर पहुंचाने के बाद चीन से जितने सच सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा। इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वो ज्यादा हैं जो या तो कोमर्बिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियाँ होती हैं जिसके कई कारण हो सकते हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोर्बिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं। लेकिन प्रभावित हर आयु वर्ग के लोग हो रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वालों बुजुर्गों, कोमोर्बिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है। केरल के बाद महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में भी कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ना चिंताजनक है। उधर अब हॉन्गकॉन्ग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का वो बयान सामने है जिसमें उन्होंने माना कि कोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं। सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने की संख्या अभी साल के महज पाँचवें महीने में ही उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। जबकि चीन में श्वांस संबंधी बीमारियों की जांच करवाने वाले मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दो गुने होना चिंताजनक है। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। साथ ही चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर जल्द ही तेज भी हो सकती है। चीन, थाईलैंड और हांगकांग में वहां की सरकारें अलर्ट पर हैं। साउथ-ईस्ट एशिया के हालात देखते हुए भारत भी सतर्क है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक यानी डीजीएचएस ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण, आपदा प्रबंधन सेल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञों के साथ बैठकें कर चुके हैं। देश की बड़ी आबादी के दृष्टिगत बढ़ती संख्या कहीं न कहीं चिंता बढ़ाने वाली है। अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और श्वसन संक्रमण के गंभीर मामलों की निगरानी करने के लिए कहा गया है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से निगरानी रख सतर्क और सक्रिय होकर सुनिश्चित कर रहा है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए जाएं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरीके से तैयार है। स्वास्थ्य मंत्रालय पूरी तरीके से सतर्कता के साथ हर परिस्थिति पर नजर रख रहा है। हां, देश भर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि सतर्क रहें, सतर्क करें। ऑक्सीजन और वैक्सीन के इंतजाम पर्याप्त रखे जाएं। ईश्वर करे कि वो स्थिति न आए जिसे हमने देखा, भोगा है। लेकिन पुराने कड़ने अनुभव, काली यादें और कोरोना के कुछ साल का दौर कितना भयावह था, याद कर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। याद कीजिए कैसे उंगलियों पर गिनने लायक कोरोना के मामले पहले दर्जन से सैकड़ा, फिर हजार और उसके बाद लाखों में पहुंचे। अच्छा हो इस बार इससे शुरू में ही निपट लिया जाए जिसका तरीका हमें अब पता है। यकीनन एक बार फिर वो दौर आ गया है जब 2019-20 जैसे अहतियात और मास्क की जरूरत आन पड़ी है। अच्छा हो कि अभी से सचेत हो जाएं। इस बार ज्यादा चिंता की जरूरत वैसी नहीं है जैसी पिछले बार थी। चूंकि हमने कोरोना से बचना, लड़ना और निपटना सीख लिया है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि हम लापरवाह हो जाएं। इस बार भी इस वायरस को चुनौती देने के लिए फिर पुरानी और एक तरह से अब परंपरागत कही गतिविधियों यानी मास्क, दो गज की दूरी, हाथ धोने जैसे तरीकों को अपनाना होगा। इस सच्चाई को मानकर चलना होगा कि अब हमें अगले कुछ वर्षों तक कोरोना के साथ ही जीना होगा इसलिए इससे निपटना भी उनता ही जरूरी होगा। बस तो जरूरत है कि सतर्क रहें। जरा से संदेह पर चिकित्सकीय परामर्श में कोताही न करें और फिर पनप रहे कोरोना के बहुरूपिया वायरस को चुनौती दें।

बदलते दौर में अनिवार्यता बनती साइकिल

-योगेश कुमार गोयल

एक समय ऐसा था, जब लोग मीलों दूर का सफर भी पैदल अथवा बैलगाड़ियों के माध्यम से कई-कई दिनों में पूरा किया करते थे। साइकिल के आविष्कार ने लोगों की दुनिया ही बदल डाली, जिसने लोगों के लिए मीलों दूर का सफर भी आसान बना दिया था। कुछ दशक पूर्व तो बहुत से छात्र स्कूल तक पहुंचने के लिए भी मीलों दूर का सफर साइकिल से ही तय किया करते थे। हालांकि वह ऐसा दौर था, जब साइकिल को आमतौर पर निर्धनता का प्रतीक समझा जाता था और साइकिल को गरीब तथा मध्यम वर्ग के यातायात का ही अहम हिस्सा माना जाता था। तब खासकर मजदूर वर्ग के लोग, दूध वाले, स्कूल जाने वाले छात्र इत्यादि ही साइकिल पर दिखते थे। साइकिल की कीमत तब ज्यादा नहीं होती थी और प्रायः एक ही जैसी साइकिलें बाजार में मिलती थी लेकिन समय के साथ बदलती तकनीक के दौर में साइकिलें भी हाईटैक होती गई और आज बाजार में कुछ हजार से लेकर लाखों रुपये तक की साइकिलें उपलब्ध हैं। समय के साथ साइकिल की उपयोगिता और महत्व भी बदलता गया है और आज के आधुनिक दौर में साइकिलें अधिकांशतः व्यायाम अथवा शारीरिक फिटनेस के तौर पर प्रयोग की जाती हैं। आज के जमाने में लोग घंटों साइकिल चालकर इससे सेहत और वातावरण को पहुंचने वाले फायदों के बारे में जागरुकता फैलाते हैं। हालांकि यूरोप, डेनमार्क, नीदरलैंड इत्यादि दुनिया के कई हिस्से आज भी ऐसे हैं, जहां साइकिल के जरिये ही एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाया जाता है। साइकिल का दौर 1960 से लेकर 1990 के बीच काफी अच्छा चला लेकिन उसके बाद समय बदलता गया और साइकिल का चलन भी कम होता गया। बीते कुछ वर्षों में पर्यावण की महत्ता और साइकिल चलाने से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी लाभ को देखते हुए लोग साइकिल की ओर आकर्षित हुए हैं और यही कारण है कि अब केवल भारत ही नहीं बल्कि जापान, इंग्लैंड सहित कई विकसित देशों में भी साइकिलों का उपयोग बढ़ रहा है। भारत का साइकिल उद्योग आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और भारत साइकिल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है। साइकिल पर्यावरण के लिए यातायात का सबसे उत्तम साधन है क्योंकि इसके उपयोग से डीजल-पैट्रोल का दोहन कम होने के साथ ही प्रदूषण स्तर भी कम होता है, साथ ही शरीर को स्वस्थ रखने में भी साइकिल महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साइकिल चलाने से न केवल पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है बल्कि यह व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास में भी सहायक होता है। यही कारण है कि साइकिल की विविधता, मौलिकता और परिवहन के एक व्यापक और सहज साधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 3 जून को ह्यविश्व साइकिल दिवसह्ण मनाया जाता है। अप्रैल 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हर साल 3 जून को यह दिवस मनाने की घोषणा साइकिल सवारी से मिलने वाले स्वास्थ्य, पर्यावरण और आवागमन के लिए सबसे सस्ता साधन इत्यादि को देखते हुए की थी। दरअसल साइकिल का महत्व धीरे-धीरे घटता जा रहा था, तकनीक के विकास के साथ ही पैट्रोल-डीजल इत्यादि से चलने वाली गाड़ियों का उपयोग बढ़ने लगा और लोगों ने समय की बचत तथा सुविधा के लिए साइकिल चलाना बेहद कम कर दिया। इसीलिए साइकिल के उपयोग और जरूरत के बारे में बच्चों और अन्य लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व साइकिल दिवस मनाने की जरूरत महसूस की गई। संयुक्त राष्ट्र संघ ने पर्यावरण सुरक्षा को भी साइकिल चलन को बढ़ावा देने का अहम उद्देश्य माना है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार साइकिल दिवस मानव प्रगति, उन्नति, स्थिरता, सामाजिक समावेश और शांति की संस्कृति के प्रतीक के रूप मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत को लेकर अमेरिका के मोंटगोमरी कॉलेज के प्रोफेसर लेसजेक सिबिल्स्की ने एक अभियान चलाया था, जिसका समर्थन तुर्कमेनिस्तान और 56 अन्य देशों ने किया था। सिबिल्सकी ने ही साइकिल दिवस मनाए जाने का प्रस्ताव दिया था, जिसके बाद सिबिल्सकी और उनके साथियों द्वारा उसका प्रचार-प्रसार किया गया। साइकिल यातायात का ऐसा साधन है, जो वायु प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि इसे चलाने के लिए पैट्रोल, डीजल या सीएनजी जैसे किसी ईंधन की जरूरत नहीं पड़ती। साइकिल चलाने से अच्छा व्यायाम हो जाता है, जिससे वजन कम करने से लेकर मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। साइकिल चलाना एक प्रकार की एरोबिक एक्सरसाइज है, जिससे शरीर को चुस्त-दुरूस्त रखने, पतला होने और मांसपेशियों को टोन करने में मदद मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाने वाले व्यक्ति को कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह जैसी भयानक बीमारियों का जोखिम कम होता है और यदि कोई व्यक्ति प्रकृति के करीब साइकिल चलाता है तो यह उसे तरोताजा रखने के साथ-साथ उच्च रक्तचाप जैसी समस्या को भी दूर रखने में मददगार है। साइकिल चलाने से मूड अच्छा होने में भी मदद मिलती है। कई अध्ययनों में यह तथ्य सामने आया है कि प्रतिदिन आधा घंटा साइकिल चलाने से ही हम मोटापा, हृदय रोग, मानसिक बीमारी, मधुमेह, गठिया इत्यादि कई बीमारियों से बच सकते हैं। चिकित्सकों के मुताबिक उम्र बढ़ने के साथ घुटनों की समस्या नहीं हो, इसके लिए प्रतिदिन साइकलिंग करनी चाहिए, जिससे जोड़ों में किसी प्रकार का दर्द नहीं होगा। साइकिल चलाने से न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है बल्कि मस्तिष्क अधिक सक्रिय रहता है, ब्रेन पावर बढ़ती है। विशेषज्ञों का मानना है कि साइकिल चलाने से 15 से 20 प्रतिशत अधिक दिमाग सक्रिय होता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक साइकलिंग करने से इम्यून सिस्टम तो अच्छा होता ही है, साथ ही इम्यून सेल्स भी एक्टिव हो जाते हैं, जिससे विभिन्न बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। साइकलिंग परिवहन का सबसे सस्ता साधन है, जिससे रत्तीभर भी पर्यावरण प्रदूषण नहीं होता। आधा घंटा साइकलिंग करने से बॉडी फिट रहती है, शरीर पर चर्बी नहीं आती, पाचन क्रिया ठीक रहती है, हृदय और फेफड़े मजबूत बनते हैं और कई जानलेवा बीमारियां दूर रहती हैं। चूंकि साइकिल स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का साधन है, इसीलिए दुनियाभर में साइकिल के चलन को बढ़ावा देने का सीधा सा अर्थ है वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करना क्योंकि साइकलिंग में स्वाभाविक शून्य उत्सर्जन मान होता है, इसीलिए यह कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कमी में बड़ा योगदान देती है।

हरियाणा में चौपालों का वर्चस्व झ्र लोकतंत्र की जड़ें या परंपरा की जंजीर?

-डॉ सत्यवान सौरभ

हरियाणा की ग्रामीण संस्कृति में चौपाल सिर्फ एक बैठने की जगह नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और कभी-कभी राजनीतिक निर्णयों का अनौपचारिक मंच रही है। यह जगह जहाँ बुजुर्ग अपनी ताश की गड्डी के साथ बैठते हैं, वहीं यह सामाजिक आचार-संहिताओं का अनकहा विधान भी तय करती है। लेकिन समय के साथ सवाल यह उठने लगा है कि क्या यह चौपालें लोकतंत्र की संवैधानिकता से ऊपर होती जा रही हैं ? हरियाणा के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में चौपाल महज एक बैठने की जगह नहीं, बल्कि एक परंपरा, एक सत्ता संरचना, और एक अनौपचारिक न्याय प्रणाली रही है। पीपल के पेड़ के नीचे या पक्के चबूतरे पर बैठकर जब गाँव के बुजुर्ग चर्चा करते हैं, तो उसे आम भाषा में चौपाल कहा जाता है। पर यह चौपाल सिर्फ बतकही तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक दिशा तय करने वाली संस्था बन गई है। लेकिन आज सवाल यह है कि क्या यह वर्चस्व सकारात्मक है या फिर यह लोकतांत्रिक और न्यायपूर्ण समाज के रास्ते में रोड़ा बन रहा है ? ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः चौपालों की भूमिका हरियाणा में जब पंचायतें पूरी तरह विकसित नहीं हुई थीं, तब चौपालों का महत्व और अधिक था। गाँव का कोई भी मामला झ्र जमीन का झगड़ा हो, विवाह संबंध तय करना हो या किसी के बहिष्कार का निर्णय झ्र सब चौपाल में होता था। यह स्थानीय स्वशासन का प्रतीक था, जो सामूहिक संवाद के सिद्धांत पर टिका था। लेकिन जैसे-जैसे समय बदला, लोकतंत्र की संस्थाएं, पंचायत चुनाव, पुलिस-प्रशासन और अदालतें सशक्त हुई, वैसे-वैसे चौपालों की भूमिका को भी बदल जाना चाहिए था। परंतु हरियाणा में आज भी चौपालें सामाजिक फैसलों की अनौपचारिक अदालत बनी हुई हैं।

चौपाल बनाम संविधानः एक टकराव भारत का संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है झ्र जाति, लिंग, धर्म या वर्ग के आधार पर भेदभाव की मनाही है। वहीं चौपालों में अक्सर फैसले जातिगत पदानुक्रम पर आधारित होते हैं। जैसे किः इस जाति के लड़के को उस जाति की लड़की से शादी नहीं करनी चाहिए। उसने पंचायत के बिना शादी की है, इसलिए उसका बहिष्कार होगा। ये निर्णय संविधान की मूल भावना के विरुद्ध हैं। खासकर महिलाओं और दलितों को चौपाल में बोलने का अवसर कम ही मिलता है। अधिकतर मामलों में चौपालें पितृसत्ता और जातिवाद का किला बन जाती हैं। सामाजिक नियंत्रण या सामाजिक शोषण? चौपालें कभी-कभी ऐसे सामाजिक नियंत्रण की भूमिका निभाती हैं जो कानून से पहले कार्रवाई करता है। उदाहरण के तौर पर, जब कोई लड़की मोबाइल फोन इस्तेमाल करती है, तो चौपाल का फैसला आता है झ्र मोबाइल पर प्रतिबंध लगाओ। या फिर लव मैरिज करने वालों को गाँव से निकाल दो। ऐसे फैसले सामाजिक शोषण की श्रेणी में आते हैं। आज भी हरियाणा में ऑनर किलिंग की घटनाएं सामने आती हैं, जिनकी जड़ें चौपाल के फैसलों में होती हैं।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक दृष्टिकोण से अत्यंत लाभकारी रहेगा। आपको किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिल सकती है।	**तुला** दिन आपके लिए लाभप्रद सिद्ध होगा। करियर में किसी पुराने विवाद का समाधान हो सकता है।
वृषभ रणनीतियों पर काम करने का है। धर्मस्थल की यात्रा से मानसिक शांति मिलेगी विचारों में स्पष्टता आएगी।	**वृश्चिक** आज दिन आर्थिक रूप से मजबूत स्थिति बन रही है। व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे।
मिथुन आज दिन आपकी रचनात्मकता और सृजनात्मक सोच को उजागर करने का है।	**धनु** दिन जोखिम उठाने की हिम्मत लेकर आ रहा है, विशेषकर आर्थिक और व्यवसायिक मामलों में।
कर्क आज आपकी मेहनत का फल तुरंत मिल सकता है और पुराने अधूरे कार्य पूरे होने की संभावना है।	**मकर** आज दिन आपके लिए कार्यक्षेत्र में व्यस्तताओं से भरा रहेगा लेकिन लाभ भी होगा।
सिंह आध्यात्मिक चिंतन या अध्ययन के लिए समय निकालना आपके लिए लाभकारी रहेगा।	**कुंभ** स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए, विशेष रूप से मौसम के कारण कुछ परेशानियां हो सकती हैं।
कन्या विशेष रूप से बातों और व्यवहार में। कार्यस्थल पर किसी सहकर्मी से टकराव की संभावना हो सकती है।	**मीन** आज दिन लाभदायक है और विशेष रूप से व्यापार में जोखिम उठाने के लिए उपयुक्त है।

विशेष

मणिपुर में बनेगी भाजपा की सरकार?

भाजपा भारत की सबसे बड़ी ताकतवर पार्टी है। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री से वह इस्तीफा नहीं ले पाई थी।जिसके कारण कई महीनो के बाद मणिपुर की सरकार को बर्खास्त कर,वहां पर राष्ट्रपति शासन लागू हुआ था। केंद्र में भाजपा की सरकार थी, राज्य में भी भाजपा की सरकार थी। अब एक बार फिर मणिपुर में भाजपा ने सरकार बनाने की कवायत शुरू कर दी है। 10 विधायकों ने राज्यपाल को पत्र लिखा है।इसमें आठ भाजपा के हैं, एक एनसीपी का और एक निर्दलीय विधायक है। सरकार बनाने के लिए 31 विधायकों की जरूरत होगी। एक बार फिर ऑपरेशन लोटस मणिपुर में शुरू हो गया है।

आदिवासी अपने आपको हिंदू नहीं मानते?

केंद्र सरकार ने अभी तक जाति जनगणना की अधिसूचना जारी नहीं की है। उसके पहले ही राजनीतिक दलों में जातियों को शामिल करने को लेकर बवाल शुरू हो गया है। झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा,कांग्रेस और राजद ने झारखंड के राजभवन में जाकर प्रदर्शन किया है।राज्यपाल संतोष गंगवार को ज्ञापन सोंपा है। जिसमें सरना धर्म को धर्मकोड में शामिल करने की मांग की है। झारखंड में आदिवासी समुदाय के लोग सरना धर्म को मानते हैं। अलग-अलग राज्यों के आदिवासी की धार्मिक प्रथाएं अलग-अलग हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1901 प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता जी. शंकर कुरूप का जन्म हुआ .1915 रवीन्द्रनाथ टैगोर को ब्रिटिश सरकार ने सर की उपाधि से सम्मानित किया. 1959 सिंगापुर आजाद हुआ. 1962 एयर फ्रांस बोइंग 707 जेट विमान पेरिस में उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त, 130 लोगों की मृत्यु. 1976 अंतराष्ट्रीय हवाई करतब प्रदर्शन में सोवियत सुपरसानिक विमान पेरिस में दुर्घटना ग्रस्त हुआ जिसमे छह विमान चालक और सात फ्रांसिसी नागरिक मारे गए. 1976 बोलीविया के राष्ट्रपति जुआन जोस टोरेंस अर्जेंटीना में मृत पाये गये. 1979 मोरारजी देसाई ने प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र दिया. 1989 ईरान के धार्मिक नेता आयतुल्ला खोमैनी की मौत हुई .1993 लालकृष्ण आडवाणी भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बने. 1995 बसपा नेता मायावती उत्तर प्रदेश की नयी मुख्यमंत्री बनीं.

दैनिक पंचांग

3 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.05 बजे से
चंद्र	सिंह में	कर्क	08.19 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.35 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.58 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	17.12 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.28 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.33 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.20 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मीन	00.53 बजे से
		मेष	02.23 बजे से
		वृष	04.03 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 154 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 21.57 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 00.59 बजे रात्र को समाप्त। **योग** हर्षण 08.08 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 09.11 बजे तदनन्तर बव 21.57 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 06.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 19' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872364 **जूलियन दिन** 2460829.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 06 **विशेष** मासिक दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बच्चे की ट्रॉफी को क्रिएटिव तरीके से रखने के लिए यहां से लें आइडियाज

बच्चा जब कभी ट्रॉफी जीतकर लाता है तो पैरेंट को काफी खुशी होती है। इसे अपने घर में अलग तरह से रखने और होम डेकोर का हिस्सा बनाने के लिए आप यहां से आइडियाज ले सकते हैं।

हर पैरेंट की यह इच्छा होती है कि उनका बच्चा जीवन में सफल हो। पढ़ाई से लेकर अन्य एक्टिविटीज व कॉम्पीटिशन आदि में वे अपने बच्चे को जीतता हुआ देखना चाहते हैं। जब बच्चा किसी कॉम्पीटिशन को जीतता है और उसे ट्रॉफी मिलती है तो यकीनन बेहद खुशी मिलती है। हम सभी एक गर्व महसूस करते हैं और उस ट्रॉफी को हर किसी को दिखाना चाहते हैं। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप ट्रॉफी को घर में एक अलग अंदाज में डिस्प्ले करें।

अधिकतर घरों में यह देखा जाता है कि लोग एक शेल्फ बनवाते हैं और उसमें ट्रॉफी डिस्प्ले करते हैं। यकीनन यह ट्रॉफी को रखने का एक अच्छा तरीका है। लेकिन ट्रॉफी को डिस्प्ले करने का यही एकमात्र तरीका नहीं है। अगर आप चाहें तो कई अलग-अलग तरीकों से ट्रॉफी को अपने घर में डिस्प्ले कर सकते हैं।

तैयार करें गैलरी वॉल

अगर बच्चे ने बहुत सारी ट्रॉफी जीती हैं तो उन्हें बेहद ही खूबसूरती के साथ डिस्प्ले करने के लिए आप एक गैलरी वॉल तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप दीवार पर एक खास डिजाइन या पैटर्न में फ्लोटिंग शेल्फ बनवाएं। अब आप इस शेल्फ में बच्चे की ट्रॉफी को रख सकते हैं। इससे ना केवल हर किसी का ध्यान उन ट्रॉफी पर जाता है, बल्कि इससे आपका होम डेकोर भी काफी अच्छा लगता है।

तैयार करें क्रिएटिव स्टैंड

यह आप बच्चे की ट्रॉफी को एक बेहद ही क्रिएटिव तरीके से डिस्प्ले करना चाहती हैं तो इसके लिए एक स्टैंड का इस्तेमाल किया जा सकता है। आप चाहें तो बुड स्टैंड खरीद सकते हैं या फिर उसे खुद भी डिजाइन करवाया जा सकता है। यह आपके होम डेकोर को एक रस्टिक लुक देता है। वहीं, अगर आप अपने घर को एक मॉडर्न और मिनिमल लुक देना चाहते हैं तो ऐसे में ऐक्रेलिक स्टैंड का इस्तेमाल किया जा सकता है।

थीम-बेस्ड हो डिस्प्ले

यह भी बच्चे की ट्रॉफी को डिस्प्ले करने का एक अच्छा आइडिया है। बच्चे ने जिस फील्ड में ट्रॉफी जीती है, आप उसी को आधार बनाकर डिस्प्ले करें। मसलन, अगर उसे खेल के किसी कॉम्पीटिशन को जीतने के बाद ट्रॉफी मिलती है तो आप घर के एक हिस्से में खेल के उपकरण, जर्सी और पोस्टर जैसी संबंधित वस्तुओं के साथ एक स्पोर्ट्स-थीम वाला कोना बनाएं। उस कोने में आप बच्चे की खेल में जीती हुई ट्रॉफियों को बहुत ही खूबसूरती के साथ डिस्प्ले करें। इस तरह यह देखने में बेहद ही आकर्षक लगेगी।

एलईडी बैकलाइटिंग का करें इस्तेमाल

अगर आप बच्चे की ट्रॉफी को इस तरह डिस्प्ले करना चाहती हैं कि वह ना केवल देखने में आकर्षक लगे, बल्कि हर किसी का ध्यान उस ओर जाए तो ऐसे में एलईडी बैकलाइटिंग का इस्तेमाल करना अच्छा आइडिया हो सकता है। आप ट्रॉफियों को रखने वाली अलमारियों के नीचे एलईडी स्ट्रिप लाइट लगाएं। यह ट्रॉफियों को काफी अलग दिखाता है। आजकल मार्केट में रंग बदलने वाली लाइट भी मिलती है। आप चाहें तो उसका इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

गार्डन में करें ये काम...

गर्मी में खराब होने से बच जाएंगे प्लांट्स

यदि आपको भी पूरी फैमिली के साथ कई दिनों के लिए घर से बाहर जाना पड़ रहा है और आपको प्लांट्स को सूखने की चिंता सताने लगती है। इसके लिए आज हम आपको कुछ तरीके बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप अपने गार्डन के पेड़-पौधों को खराब और सूखने से बचा सकती हैं।

गर्मी के मौसम में हमें अपने साथ पेड़-पौधों का भी खूब ख्याल रखना पड़ता है। गार्डनिंग करने से लेकर प्लांट्स को बचाए रखने तक एक चुनौतीपूर्ण काम होता है। समर सीजन में यदि आपने एक दिन भी पौधों की केयर नहीं की तो वो तुरंत मुरझाने और सूखने लगते हैं। वहीं अगर कभी आपको पूरे परिवार समेत घर से बाहर कई दिनों के लिए जाना पड़े तो आपको गार्डन में लगे फूल और पेड़ों के सूखने की चिंता सताने लगती है।

दरअसल, भीषण गर्मी की वजह से प्लांट्स बहुत जल्दी सूखने लगती हैं। ऐसे में हमें इस मौसम में गार्डन की बहुत ज्यादा देख-रेख करने की जरूरत होती है। टी गार्डनिंग करना भी एक कला है। जिसका ज्ञान हर किसी को नहीं होता है। हमें अपने प्लांट्स को खराब होने से बचाने के लिए सही खाद और पानी देने का तरीका आना बेहद जरूरी होता है। तब जाकर हमारे पेड़-पौधे हरे-भरे दिखते हैं। अब अगर आपको किसी काम से घर से दूर कई दिनों के लिए जाना पड़ रहा है, तो ऐसे में गार्डन में लगे सभी पौधे मुरझाने और सूखने लगते हैं। ऐसे में मन में सवाल आता है आखिर किस तरह पेड़-पौधों को सूखने से बचाया जाए। अगर आपका भी बहुत जल्द कहीं घूमने जाने का प्लान बन रहा है और आपको अपने गार्डन को भी सुरक्षित रखना है, तो उसके लिए आज हम आपको कुछ स्मार्ट ट्रिक्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आपके पौधे सूखने से बच जाएंगे और आपका गार्डन हरा-भरा रहेगा। आइए जान लेते हैं कुछ उपयोगी तरीके।

ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर लगवाएं

गर्मियों में पेड़-पौधों के साथ सबसे ज्यादा पानी की दिक्कत होने लगती है। इस मौसम में यदि आप एक दिन भी प्लांट्स में पानी नहीं देते हैं, तो आपके पौधे सूखने और मुरझाने लगते हैं। ऐसे में यदि आप कई दिन के लिए घर से बाहर जा रहे हैं, तो इसके लिए आजकल बाजारों में और ऑनलाइन ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर मिल रहा है। जिसको आप अपने बीच गार्डन में लगा सकती हैं। इसमें से थोड़ी-थोड़ी देर में पानी स्प्रिंकल होता रहेगा जिससे गमले और जमीन में लगे प्लांट्स में पानी जाता रहेगा। इससे आपके प्लांट्स सूखने और मुरझाने से बच जाएंगे।

शेड के नीचे रखें प्लांट्स

यदि आपका अचानक कहीं जाने का प्लान बन गया है, तो आप उसके लिए अपने सभी प्लांट्स को गार्डन में बने शेड के नीचे रखें। इससे उनपर तेज धूप नहीं पड़ेगी और वो खराब भी नहीं होंगे। शेड आपके पौधे को सूखने से बचाने का अच्छा और आसान तरीका है।

ग्रीन पर्दा लगाएं

आपने देखा होगा लोग अपने घर की बालकनी में सीधे धूप को आने से रोकने के लिए हरे रंग का पर्दा टांग देते हैं। इस पर्दे को आप अपने गार्डन में सभी गमले वाले प्लांट्स को एक जगह रखकर टांग सकती हैं। ऐसा करने से आपके पौधे सीधी धूप से बच जाएंगे। ऐसे में उनके फूल और पत्तियां जल्दी नहीं सूखेंगी और आपका गार्डन 3-4 दिन तक हरा-भरा बना रहेगा।

मल्चिंग करें

अगर आपके घर में या किसी पडोसी के हाल फिलहाल में लकड़ी का काम हुआ है, तो लकड़ी से निकलने वाली कतरन लेकर आएं और उसका अच्छी तरह चूरा बन लें। अब इसको एक बड़ा टब लेकर उसमें डालकर रखें। करीब आधा घंटा इस लकड़ी के चूरे को ऐसे ही भीगा रहने दें। अब आप गमले और जमीन में लगे प्लांट्स की मिट्टी की हल्की गुड़ाई करें और लकड़ी के चूरे को मिट्टी में रखें। इसके बाद अच्छी तरह पानी डालें। ऐसा करने से आपके प्लांट्स में कई दिनों तक पानी देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। लकड़ी से उनकी मिट्टी में कई दिन तक नमी बनी रहेगी। इससे पौधे सूखेंगे नहीं। इसको पौधों की मल्चिंग करना कहते हैं।

अपने बच्चे के बेहतर भविष्य के लिए इस तरह करें फाइनेंशियल प्लानिंग

बच्चे का भविष्य सुरक्षित करना चाहती हैं तो अभी से ही फाइनेंशियल प्लानिंग करिए। लाइफ इंश्योरेंस और पीपीएफ जैसे प्लान लेकर आप बच्चे की भविष्य की जरूरतों के लिए धन इकट्ठा कर सकती हैं।

हर मां चाहती है कि उनके बच्चे का भविष्य सिक्योर रहे। बच्चे के खान-पान और सेहत के साथ-साथ उसके भविष्य को लेकर मां फिक्रमंद रहती है। बड़े होने पर बच्चे को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिले और उसकी हर इच्छा पूरी करने के लिए वित की व्यवस्था हो, ऐसी हर मां की कामना होती है। लेकिन एक तथ्य यह है कि महंगे होते लाइफस्टाइल और शिक्षा के खर्च के चलते बचपन में मां बच्चों से जुड़े खर्च को लेकर चिंता में पड़ जाती हैं। आइए जानें कि बच्चे के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए किस तरह की प्लानिंग की जा सकती है-

बीमा को दें प्राथमिकता

अपना और अपने पति का लाइफ इंश्योरेंस कराएं। बचत और अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए टर्म इंश्योरेंस भी ले सकतीं। इसमें अपनी जरूरत के अनुसार कई तरह के राइडर्स लिए जा सकते हैं ताकि आपकी वित्तीय जरूरतें पूरी हो सकें। जीवन बीमा के बाद आपको किसी और जगह निवेश के बारे में सोचना चाहिए। आर्थिक विशेषज्ञ बताते हैं, अपना और अपने परिवार का भविष्य संवारने के लिए हर व्यक्ति को बीमा कराना चाहिए, लेकिन पॉलिसी खरीदने से पहले कुछ अहम बातों का ध्यान रखें, जैसे कि पॉलिसी में बीमा सुरक्षा उसके जीवन के लिए हो। यदि पॉलिसीधारक यानी पैरेंट की मौत हो जाती है, तो उस स्थिति में प्रीमियम ना देने का प्रावधान हो, बच्चे को मजबूत फाइनेंशियल सिक्योरिटी देने के लिए उसके पैदा होने के 4 महीने के भीतर चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान ले लेना चाहिए। बच्चों के लिए एलआईसी की ढेर सारी अच्छी योजनाएं हैं जैसे कि जीवन अनुराग, कोमल जीवन, जीवन किशोर, जीवन छाया आदि। सारे टर्म्स एंड कंडिशन पढ़ने के बाद निवेश करें।

ईटीएफ में करें निवेश

अगर आपके पास शादी के समय में मिला काफी सारा सोना हो तो आप उसका निवेश करने के बारे में भी विचार कर सकती हैं। सोने में निवेश के आपको अच्छे रिटर्न मिलते हैं। आप अपने बेटा-बेटी दोनों के लिए सोने की पारंपरिक खरीदारी के अलावा गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) खरीद सकती हैं। ईटीएफ में निवेश करने की स्थिति में आपको 20 से 28 प्रतिशत तक रिटर्न मिलने की संभावना होती है। वहीं आपको सोना खरीदने या उसे सेफ रखने की चिंता भी नहीं होती। एसबीआई म्यूचुअल फंड का ईटीएफ, गोल्ड बेंचमार्क ईटीएफ सरीखे देश में 6 गोल्ड ईटीएफ मौजूद हैं, जिनमें आप निवेश कर सकती हैं।

एफडी और पीपीएफ भी अच्छे विकल्प

गिफ्ट में मिली या सेविंग से बचाई रकम को आप पीपीएफ अकाउंट में भी जमा कर सकती हैं, क्योंकि इसमें किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं होता है। पीपीएफ में आमतौर पर 8% का ब्याज मिलता है। पीपीएफ के अलावा आप बैंक में एफडी करा सकती हैं, इसमें 8.5 फीसदी तक ब्याज मिल सकता है वहीं राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) लेने पर भी आप विचार कर सकती हैं। इसके अलावा आप डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड लेने के बारे में सोच सकती हैं। इससे आप अपने बच्चे की सारी ज़रूरतें पूरी कर सकती हैं। इसमें सबसे अच्छी बात इस प्लान की फ्लेक्सिबिलिटी। अपनी जरूरत के अनुसार आप जब चाहें, पैसे निकाल सकती हैं। आप जब चाहें, इस इन्वेस्टमेंट प्लान से एग्जिट कर सकती हैं। साथ ही इसमें रिटर्न्स भी काफी हद तक टैक्स फ्री होते हैं।

स्लाइडिंग डोर के ट्रैक्स को चुटकियों में क्लीन करने के लिए आजमाएं ये तरीके

आज के समय में घर में लोग स्लाइडिंग डोर का इस्तेमाल करने लगे हैं। लेकिन स्लाइडिंग डोर के ट्रैक्स को क्लीन करने में काफी परेशानी आती है। अगर आप इसे आसान तरीके से क्लीन करना चाहती हैं तो इन टिप्स को अपनाएं।

घरों में स्लाइडिंग डोर का इस्तेमाल करना अब बेहद ही आम हो चुका है। अमूमन लोग अब घरों में छोटी खिड़कियों की जगह कांच के स्लाइडिंग डोर का इस्तेमाल करने लगे हैं। इतना ही नहीं, घरों में जिन लकड़ियों की अलमारी को बनवाया जाता है, उसमें भी स्लाइडिंग डोर का इस्तेमाल किया जाता है। स्लाइडिंग डोर को क्लीन करना आसान होता है, लेकिन उसके ट्रैक की सफाई करने में काफी मुश्किल होती है।

स्लाइडिंग डोर ट्रैक में अक्सर गंदगी जमा हो जाती है, जिन्हें आसानी से साफ नहीं किया जा सकता। ऐसे में उन्हें क्लीन करने के लिए आपको अतिरिक्त उपाय अपनाने की जरूरत होती है। स्लाइडिंग डोर ट्रैक को अगर समय-समय पर सही तरह से क्लीन किया जाए तो इससे आपको डोर के अटकनें या जल्द खराब होने की शिकायत नहीं होती है।

धूल और सूखी गंदगी को करें साफ

जब आप स्लाइडिंग डोर ट्रैक को क्लीन कर रही हैं तो शुरुआत सबसे पहले धूल और सूखी गंदगी को साफ करने से करें। इसके लिए वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करें। इसके अलावा, किसी भी चिपकी हुई गंदगी को हटाने के लिए एक कड़े ब्रश का उपयोग करें। खासकर कोनों में क्लीनिंग के लिए ब्रश बहुत अधिक प्रभावी है। वहीं, किसी भी बची हुई धूल या गंदगी को पोंछने के लिए एक नम कपड़े का उपयोग करें। सुनिश्चित करें कि कपड़ा बहुत गीला न हो ताकि ट्रैक में नमी न रह जाए। यह स्लाइडिंग डोर ट्रैक की नियमित रूप से क्लीनिंग व मेंटेनेंस का एक आसान लेकिन प्रभावी तरीका है।

बेकिंग सोडा और विनेगर का करें इस्तेमाल

वहीं स्लाइडिंग डोर ट्रैक की डीप क्लीनिंग के लिए बेकिंग सोडा और विनेगर का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए, आप ट्रैक पर समान रूप से बेकिंग सोडा को स्प्रिंकल करें। अब बेकिंग सोडा के ऊपर व्हाइट विनेगर डालें। यह फ़िज़ करना शुरू कर देगा, जो मैल और चिपकी हुई गंदगी को तोड़ने में मदद करता है। अब आप स्लाइडिंग डोर ट्रैक को साफ करने के लिए एक कड़े ब्रश या पुराने टूथब्रश का उपयोग करें। अब पेपर टॉवल की मदद से अवशेषों को सोख लें। अंत में, इसे एक नम कपड़े से पोंछें।

ट्रैक को करें ल्यूब्रिकेट

आप सबसे पहले ट्रैक को साफ करें। इसके लिए वैक्यूम क्लीनिंग की मदद लें। अब आप ट्रैक पर सिलिकॉन-बेस्ड लुब्रिकेंट स्प्रे करें। यह बेहद जरूरी है, क्योंकि इससे बार-बार ट्रैक के अटकने की शिकायत नहीं होती है, क्योंकि घर्षण कम होता है। आप ट्रैक पर समान रूप से लुब्रिकेंट फैलाने के लिए दरवाज़ा कई बार खोलें और बंद करें। स्लाइडिंग डोर ट्रैक के लिए सिलिकॉन-आधारित लुब्रिकेंट को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि वे ऑयल बेस्ड लुब्रिकेंट की तरह धूल को आकर्षित नहीं करते हैं।

52 हफ्ते के टॉप पर पहुंचा अनिल अंबानी का शेयर

- **एक हफ्ते में आ चुकी है 18 प्रतिशत उछाल**

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को करीब 8 प्रतिशत तक बढ़ गए। बीएसई पर यह 62.80 रुपये पर पहुंच गया जो इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। हाल में कंपनी के शेयरों में तेजी आई है। मजबूत ट्रेडिंग और एक बड़े रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट के कारण कंपनी के शेयरों में तेजी आई है। पिछले एक हफ्ते में यह स्टॉक 17 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा है। पिछले एक महीने में इसमें लगभग 52 प्रतिशत तेजी आई है। सोमवार को इसमें ट्रेडिंग बहुत ज्यादा हुई।

1,654.71 लाख शेयरों का कारोबार हुआ जिसकी वैल्यू 996.13 करोड़ रुपये की थी। इससे पता चलता है कि निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है। पिछले छह महीनों में स्टॉक 56.8 प्रतिशत बढ़ा है। पिछले एक साल में यह 147 प्रतिशत बढ़ा है। शुक्रवार को इसके शेयरों में लगभग 16 प्रतिशत की तेजी आई थी। इसे भारी वॉल्यूम का भी समर्थन मिला। रिलायंस पावर को हाल ही में एक प्रोजेक्ट मिला है। 28 मई को कंपनी ने इसका ऐलान किया था।

क्या है प्रोजेक्ट

रिलायंस न्यू एनर्जीज को एसजेवीएन से एक लेटर ऑफ अवॉर्ड (मिला है। एसजेवीएन एक नवरत्न पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग है। यह प्रोजेक्ट 350 एमडब्ल्यू का इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम से जुड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट है। इसमें 175 एमडब्ल्यू/700 एमडब्ल्यूएच की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम भी शामिल है। रिलायंस न्यू एनर्जीज ने पहले ही नीलामी में सफलता हासिल कर ली थी। यह प्रोजेक्ट 25 साल के लिए 3.33 रुपये/केडब्ल्यूएच के फिक्स्ड टैरिफ पर मिला है। कंपनी के फाइनेंसियल की बात करें तो जनवरी-मार्च तिमाही में रिलायंस पावर को 126 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल इसी अवधि में कंपनी को 397.56 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। कंपनी को इस बार फायदा हुआ है क्योंकि कंपनी का खर्चा कम हो गया है। खर्चा 2,615.15 करोड़ रुपये से घटकर 1,998.49 करोड़ रुपये हो गया है। हालांकि इस दौरान कंपनी की कमाई थोड़ी कम होकर 2,066 करोड़ रुपये हो गई है।

किसकी कितनी हिस्सेदारी

पूरे साल की बात करें तो कंपनी को 2,947.83 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल कंपनी को 2,068.38 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। रिलायंस पावर ने पिछले 12 महीनों में 5,338 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया है। इसमें मैच्योरिटी रीपेमेंट भी शामिल है। इससे कंपनी का डेट-टू-इक्विटी रेशियो एफवाय24 में 1.61ः1 से घटकर एफवाय25 में 0.88ः1 हो गया है। टेक्निकल चार्ट्स को देखें तो रिलायंस पावर के शेयर अभी सभी प्रमुख मूविंग एवरेज से ऊपर ट्रेड कर रहे हैं। रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 76.9 पर है। इससे पता चलता है कि स्टॉक ओवरबॉट टेरिटरी में है। इसका मतलब है कि शेयर की कीमत बहुत ज्यादा बढ़ गई है और यह नीचे आ सकती है। 7 मई, 2025 तक प्रमोटरों के पास रिलायंस पावर के 24.98 प्रतिशत शेयर थे। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के पास 12.87 प्रतिशत, म्यूचुअल फंड के पास 0.37 प्रतिशत और अन्य इंस्टीट्यूशंस के पास 16.1 प्रतिशत शेयर थे।

अमेरिका-चीन के बीच रुक जाएगा ट्रेड

आधी रह गई है सामान ले जाने वाले जहाजों की संख्या

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन के बीच मामला दिन ब दिन खराब होता जा रहा है। चीन से अमेरिका जाने वाले जहाजों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। पिछले 15 दिनों में यह संख्या फरवरी के बाद से अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। अप्रैल के मध्य से इसमें 50 प्रतिशत गिरावट आ चुकी है। अमेरिका के वित्त मंत्री का कहना है कि चीन कई तरह के सामान रोक रहा है जिनमें रेयर अर्थ भी शामिल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हाल में कहा कि चीन ने पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए व्यापार समझौते का उल्लंघन किया है। इस समझौते के कारण दोनों देशों के बीच चल रहा टैरिफ युद्ध रुक गया था। दूसरी ओर चीन ने अमेरिका पर नए आर्थिक और व्यापारिक झगड़े भड़काने का आरोप लगाया है।

चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि चीन व्यापार वार्ताओं के समझौते को सख्ती से लागू कर रहा है लेकिन अमेरिका इसे गंभीर रूप से कमजोर कर रहा है। अमेरिका एकतरफा तरीके से नए आर्थिक और व्यापारिक झगड़े भड़का रहा है, जिससे द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक संबंधों में अनिश्चितता और अस्थिरता बढ़ रही है। अगर अमेरिका अपनी मनमानी करता है और चीन के हितों को कमजोर करना जारी रखता है, तो चीन अपने वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़ और जोरदार उपाय करना जारी रखेगा।

जल्दबाजी में हुआ समझौता

इससे पहले ट्रंप के उस बयान के बाद आई हैं जिसमें उन्होंने शुक्रवार को कहा था कि चीन ने अमेरिका के साथ किए गए समझौते का पूरी तरह से उल्लंघन किया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोसाल पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने चीन को एक बहुत बुरी स्थिति से बचाने के लिए उसके साथ जल्दी में समझौता किया। उन्होंने आगे कहा, मिस्टर नाइस गाय बनने का यही नतीजा है। दोनों देशों ने कुछ हफ्ते पहले जेनेवा में एक समझौता किया था। इसके तहत दोनों देशों ने अप्रैल में एक-दूसरे पर लगाए गए टैरिफ में कमी की थी। यह व्यवस्था 90 दिनों के लिए थी। लेकिन अब यह डील टूटने के कगार पर है क्योंकि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर समझौते की भावना के खिलाफ काम करने का आरोप लगा रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत रुक गई है। उन्होंने सुझाव दिया है कि बातचीत में प्रगति के लिए ट्रंप और चीन के नेता शी जिनपिंग की भागीदारी आवश्यक है।

रेयर अर्थ पर बैन

अमेरिकी अधिकारियों को उम्मीद थी कि समझौते के बाद चीन रेयर अर्थ के निर्यात पर प्रतिबंधों को कम करेगा। इनका यूज आईफोन और इलेक्ट्रिक वीकल्स से लेकर एफ-35 लड़ाकू विमानों और मिसाइल प्रणालियों में होता है। उधर चीन का आरोप है कि अमेरिका उसकी कंपनियों के लिए टेक्नोलॉजी की बिक्री सीमित कर रहा है। साथ ही अमेरिका ने चीनी छात्रों की संख्या सीमित करने के लिए भी कदम उठाए हैं। इससे पता चलता है कि दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा का दायरा सिर्फ व्यापार तक ही सीमित नहीं है। चीन की विनिर्माण गतिविधि मई में लगातार दूसरे महीने घटी है।

वाट्सऐप यूजर्स को एसबीआई की चेतावनी, नहीं माने तो होगा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का सबसे बड़ा बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), जनता को आगाह कर रहा है। उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर बताया कि कुछ ठग उसके नाम और लोगो का गलत इस्तेमाल करके लोगों को फंसा रहे हैं। ये ठग सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर झूठे विज्ञापन दिखाते हैं, जिनमें कहा जाता है कि एसबीआई की तरफ से शेयर मार्केट टिप्स या निवेश सलाह दी जा रही है।

ऐसे होती है धोखाधड़ी

इन ठगों का तरीका साफ है। वे एसबीआई के नाम और लोगो वाली फेक प्रोफाइल्स बनाते हैं। विज्ञापनों में असंभव रिटर्न का झूठा वादा करते हैं, जैसे, सिर्फ 7 दिन में पैसा दोगुना कर देंगे। लोगों को व्हाट्सऐप ग्रुप ज्वाइन करने के लिए कहते हैं, जहां मुफ्त शेयर टिप्स दिए जाने का दावा करते हैं। एसबीआई ने क्या कहा- हम किसी को शेयर टिप्स नहीं देते, न ही ऐसी कोई स्कीम चलाते हैं जो गैर-जिम्मेदाराना रिटर्न का वादा करे। न ही हम किसी को ऐसा करने की इजाजत देते हैं।

आईपीओ हो तो ऐसा, 2 साल में 1178 प्रतिशत का मोटा रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। कोई भी निवेशक जब किसी कंपनी के आईपीओ पर दांव लगाता है तो उसकी कोशिश ज्यादा से ज्यादा रिटर्न पाने की होती है। आइटीसीओएनएस इसाल्यूशन उन्हीं कुछ कंपनियों में से एक है जिन्होंने निवेशकों को मोटा रिटर्न दिया है। महज 2 साल में इस कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 1178.36 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस कंपनी का आईपीओ मार्च 2023 में आया था। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 51 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया था। बता दें, अब यह स्टॉक 500 रुपये के लेवल को क्रॉस कर चुका है। बीएसई में 2 जून को कंपनी के शेयर 513.95 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में यह स्टॉक 515.95 रुपये (2.49 मिनट तक के डाटा के अनुसार) तक पहुंच गया।

कंपनी की वित्तीय स्थिति कैसी है?

आइटीसीओएनएस इसाल्यूशन शेयर प्राइस का प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) वित्त वर्ष 2024-25 में 3.20 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 1.90 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का प्रति शेयर कमाई 5.23 रुपये रहा है। बता दें, इस कंपनी का ऑर्डर बुक 52 करोड़ रुपये का है। जिसे 8 महीने से 36 महीने में पूरा करना है।

शेयर बाजार में बीता एक साल कैसा रहा?

स्टॉक मार्केट में जहां एक तरफ बीते एक साल के दौरान काफी उतार और चढ़ाव देखने को मिला है तो वहीं इस स्टॉक ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। महज एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 874 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, आइटीसीओएनएस इसाल्यूशन का 52 वीक हाई 767 रुपये और 52 वीक लो लेवल 49.22 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 263.36 करोड़ रुपये का है। मार्च 2025 की शेयरहोल्डिंग के अनुसार कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 59.54 प्रतिशत है। वहीं, पब्लिक के पास 40.46 प्रतिशत हिस्सा है। इससे पहले दिसंबर तिमाही में प्रमोटर्स के पास 59.36 प्रतिशत हिस्सा था। जबकि पब्लिक के पास 40.64 प्रतिशत हिस्सा था।

ब्याज दरों में लगातार तीसरी बार राहत की उम्मीद

कम हो सकती है ईएमआई, सस्ते होंगे लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक आगामी मौद्रिक नीति समिति की बैठक में लगातार तीसरी बार ब्याज दरों में कटौती कर आम लोगों को बड़ी राहत दे सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, खुदरा महंगाई लगातार तीन माह से चार प्रतिशत के औसत लक्ष्य से नीचे बनी हुई है। इससे उम्मीद बनी है कि रेपो रेट में एक बार फिर 0.25 प्रतिशत की कटौती हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो ब्याज दरों में इस साल अब तक .75 फीसदी की कटौती होगी। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) चार जून को अगली द्विमासिक मौद्रिक नीति पर विचार-विमर्श शुरू करेगी और छह जून (शुक्रवार) को फैसले की घोषणा करेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ??की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय एमपीसी ने भी अपनी अप्रैल की नीति में रुख को तटस्थ से बदलकर उदार करने का फैसला लिया था, इससे भी कटौती की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

खुदरा महंगाई के आंकड़े जरूरी

गौरतलब है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों के आधार पर आरबीआई रेपो दर में कटौती अथवा बढ़ोतरी का फैसला लेता है। सरकार ने आरबीआई को मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर बनाए रखने का दायित्व सौंपा है। अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर छह साल के निचले स्तर 3.16 प्रतिशत पर आ गई, जो आरबीआई के संतोषजनक दायरे में है। इस कमी के सबसे बड़ा कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट है।

बैंकों ने दरें घटानी शुरू की

इससे पहले आरबीआई फरवरी और अप्रैल की समीक्षा बैठक में दो किस्तों में प्रमुख ब्याज दर (रेपो रेट) में 0.50 प्रतिशत की कटौती कर चुका है, जिससे यह छह प्रतिशत पर आ गई है। इसके बाद अधिकांश बैंकों ने अपनी रेपो से संबद्ध बाहरी बेंचमार्क आधारित उधार दरों (ईबीएलआर) और कोष-आधारित उधार दर की सीमांत लागत (एमसीएलआर) को कम कर दिया है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के बड़े हिस्से के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के चार प्रतिशत तक रहने के अनुमान के साथ, एमपीसी द्वारा मौद्रिक ढील जारी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह 0.25 प्रतिशत की दर में कटौती की उम्मीद है। इसके बाद दो नीति समीक्षाओं में दो और कटौती की जाएगी, जिससे चक्र के अंत तक रेपो दर 5.25 प्रतिशत हो जाएगी।

तय समय से पहले ही भारत-यूरोप के बीच हो सकता है मुक्त व्यापार समझौता

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने उम्मीद जताई है कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच होने जा रहा मुक्त व्यापार समझौता तय समय से पहले हो सकता है। इस साल के अंत तक भारत और यूरोप के बीच मुक्त व्यापार समझौता होने की समयसीमा तय की गई है। गोयल ने बताया कि बातचीत की प्रक्रिया तय समय से पहले चल रही है और जल्द ही उन्हें समझौते की उम्मीद है।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते की प्रक्रिया तेजी से जारी- पीयूष गोयल ने ये भी कहा कि भारत और यूरोपीय संघ की अर्थव्यवस्थाओं के बीच मतभेद कम हैं, जिसकी वजह से मुक्त व्यापार समझौते की प्रक्रिया में तेजी से प्रगति हो रही है। गोयल ने कहा कि हमारे बीच मतभेद कम हैं। हमारी अर्थव्यवस्थाएं एक दूसरे का समर्थन करती हैं। अधिकतर मामलों में भारत के हित, यूरोपीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित नहीं करते और उसी तरह यूरोप के सामान से हमारी अर्थव्यवस्था के विकास में मदद ही मिलेगी।

कुछ संवेदनशील मुद्दों पर सावधानी से हो रही बात

हालांकि उन्होंने ये भी माना कि कुछ संवेदनशील मुद्दे हैं, जिन पर पूरी सावधानी और संतुलन के साथ दोनों पक्षों में बातचीत जारी है। गोयल ने कहा कि बेशक किसी भी व्यापारिक रिश्ते में, कुछ संवेदनशील मुद्दे होते हैं दोनों तरफ से और उन्हें हमें एक दूसरे के हित ध्यान में रखते हुए सुलझाना होगा। गोयल ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते में बाजार को ज्यादा उदार बनाने और दोनों देशों के फायदे पर फोकस किया जा रहा है।

जीएसटी कलेक्शन में पश्चिम बंगाल से पिछड़ा गुजरात

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में तीसरी बार सर्वाधिक जीएसटी मिला है। मई माह में माल एवं सेवा कर कलेक्शन 16.4 प्रतिशत बढ़कर 2.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। इससे पहले बीते अप्रैल में कलेक्शन 2.37 लाख करोड़ रुपये के अपने अबतक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-मई की अवधि में कुल जीएसटी राजस्व 4,37,767 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के 3,83,006 करोड़ रुपये से 14.3 फीसदी अधिक है। वहीं, कारोबारी साल 2024-25 में राजस्व 22 लाख करोड़ रुपये था, जो पिछले साल की तुलना में 9.4 फीसदी अधिक था। कारोबारी साल 2023-24 में कुल सकल राजस्व 20.18 लाख करोड़ रुपये था।

राज्यों की कमाई में काफी बड़ा अंतर- डेलॉयट इंडिया के साझेदार एम.एस. मणि ने कहा कि राज्यों में जीएसटी कलेक्शन में वृद्धि में व्यापक आधार पर अंतर देखा जा रहा है। ऐसे में प्रत्येक राज्य में ऐसे क्षेत्रों का गहन विश्लेषण करने की जरूरत है, जो उसके लिए महत्वपूर्ण हैं। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे बड़े राज्यों ने कलेक्शन में 17 प्रतिशत से 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जबकि गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों ने छह प्रतिशत तक की वृद्धि दिखाई है। मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान जैसे कुछ राज्यों में जीएसटी कलेक्शन में औसतन 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मणि ने कहा कि, इसलिए, देशभर में औसत वृद्धि, संभवतः क्षेत्रीय या मौसमी कारकों के कारण राज्यों में समान रूप से परिलक्षित नहीं होती है, जिसके लिए गहन डेटा आधारित विश्लेषण की आवश्यकता होती है।

तीसरी बार सर्वाधिक जीएसटी- रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2017 में जीएसटी को लागू किया गया था। इसके बाद यह तीसरा मौका है, जब जीएसटी कलेक्शन दो लाख करोड़ के पार निकला है।

सालाना आधार पर 16 फीसदी से अधिक का उछाल

मई 2024 में जीएसटी कलेक्शन 1,72,739 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर देखा जाए तो मई 2025 में जीएसटी राजस्व में 16.4 फीसदी का तेज उछाल आया है। आंकड़ों के अनुसार, मई में घरेलू लेनदेन से कुल जीएसटी राजस्व 13.7 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात से जीएसटी कलेक्शन 25.2 प्रतिशत बढ़कर 51,266 करोड़ रुपये रहा। मई में कुल केंद्रीय जीएसटी राजस्व 35,434 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी राजस्व 43,902 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी कलेक्शन लगभग 1.09 लाख करोड़ रुपये रहा।

एफपीआई का घरेलू बाजार पर भरोसा कायम, मई में किया 19860 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा बरकरार है। अनुकूल आर्थिक संकेतकों तथा मजबूत डोमेस्टिक फंडामेंटल के चलते एफपीआई ने

मई में भारतीय शेयरों में 19,860 करोड़ रुपये का निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में एफपीआई ने शेयरों में 4,223 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। बता दें, मार्च में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 3,973 करोड़ रुपये, फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे।

क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट

जियोजीत इन्वेस्टमेंट के चीफ इंवेस्टमेंट स्ट्रैटजिस्ट वी के विजयकुमार ने कहा, आगे चलकर एफपीआई भारत में अपना निवेश जारी रखेंगे। हालांकि, उच्चस्तर पर वे बिकवाली कर सकते हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने मई में शेयरों में 19,860 करोड़ रुपये का नेट इंवेस्टमेंट किया है। इस इंवेस्टमेंट के बाद 2025 में शेयरों से एफपीआई की निकासी का आंकड़ा घटकर 92,491 करोड़ रुपये रह गया है। अप्रैल में भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई की गतिविधियों में तेजी देखी गई। अप्रैल के मध्य में शुरू हुई लिवाली का सिलसिला मई में भी जारी रहा, जो निवेशकों के नए भरोसे को दर्शाता है।

इस वजह से एफपीआई भारत की तरफ मुड़े- मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट के एसोसिएट डायरेक्टर - मैनेजर (रिसर्च) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि मई में एफपीआई प्रवाह के कई कारक रहे हैं। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी महंगाई दर में कमी और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों ने भारत जैसे उभरते बाजारों को और अधिक आकर्षक बना दिया है।

फ्लेमेंगो ने बढ़त बनाई, बोटाफोगो से हारी सैंटोस, नेमार को रेड कार्ड

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील सीरी ए चैंपियनशिप में टॉप पर चल रही फ्लेमेंगो ने फोर्टालेजा पर 5-0 से जीत दर्ज की। मेजबान टीम ने 30वें मिनट पर जियोर्जियन डी अर्रास्काएटा के दम पर बढ़त हासिल की। अर्रास्काएटा ने लियो ऑर्टिज के डिफेंस को तोड़ते हुए 12 गज की दूरी से गोल दागा। एवर्टन अराउजो ने 48वें मिनट 18 यार्ड बॉक्स के किनारे से एक पावरफुल शॉट के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया। एवर्टन के लेऑफ के बाद 15 गज की ड्राइव के साथ लुइज अराउजो ने 56वें मिनट पर स्कोर 3-0 कर दिया। फ्लेमेंगो का प्रदर्शन शानदार रहा और माइकल ओलिवेरा ने 71वें मिनट पर गिलर्मो वरेला के 30 गज के कर्लिंग क्रॉस के बाद फार पोस्ट पर वॉली मारकर अपनी टीम की बढ़त को बढ़ाया। लुइस अराउजो ने काउंटर अटैक पर पेड्रो के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई और 74वें मिनट पर एक और गोल दाग दिया। माराकाना स्टेडियम में हुए इस परिणाम के बाद फ्लेमेंगो के 11 मैचों में 24 अंक हो गए, जो दूसरे स्थान पर मौजूद क्रुजेरियो से एक अंक आगे है। फ्लेमेंगो के मैनेजर फिलिप लुइस ने मैच के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उनकी टीम अब अपना फोकस यूएस में होने वाले फीफा क्लब वर्ल्ड कप पर करेगी। उन्होंने कहा, हम सही रास्ते पर हैं और हमने यहां तक पहुंचने के लिए कई बाधाओं को पार किया है। फ्लेमेंगो 16 जून को ईएस ट्यूनिस के खिलाफ टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेलेगी। इससे पहले वह ग्रुप स्टेज में चेल्सी और लियोन से भी भिड़ेगी। फिलिप लुइस ने कहा, दो महीने से ज्यादा समय में पहली बार मुझे एक दिन की छुट्टी मिल सकती है (सोमवार को), फिर हम क्लब वर्ल्ड कप के बारे में सोचना शुरू करेंगे। रविवार को सैंटोस को मौजूदा चैंपियन बोटाफोगो से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। 76वें मिनट में मेजबान टीम के 10 खिलाड़ी रह गए थे, क्योंकि डेविड रिकार्डो के साथ गोल-लाइन की खींचतान के दौरान नेमार को जानबूझकर गेंद को हैंडल करने का दोषी पाया गया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने मैग्नस कार्लसन को हराकर चुकता किया बदला

स्टावेंजर, एजेंसी। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर उनसे पहली बाजी में मिली हार का बदला चुकता कर दिया। भारतीय खिलाड़ी की यह नार्वे के दिग्गज खिलाड़ी के खिलाफ क्लासिकल शतरंज में पहली जीत है। रविवार की इस जीत से 19 वर्षीय गुकेश 8.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह अब संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज कार्लसन और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना से केवल एक अंक पीछे हैं। प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी चीन के वेई यी के खिलाफ आर्मागेडन टाई-ब्रेक में जीत के बाद 7.5 अंकों के साथ हिकारू नाकामुरा के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। इस टूर्नामेंट में लगभग सभी छह खिलाड़ियों के पास प्रतिष्ठित खिताब जीतने का मौका है। महिला वर्ग में आर वैशाली ने आर्मागेडन टाई-ब्रेक में कोनेरू हम्पी को हराया।

9 साल बाद आईपीएल में खेला जाएगा ऐसा फाइनल

इतिहास रचने के करीब आरसीबी-पंजाब

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का फाइनल एक ऐतिहासिक मुकाबला होने जा रहा है. 3 जून 2025 को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स की टीमें आमने-सामने होंगी. इन दोनों ही टीमों के लिए ये सीजन अभी तक काफी शानदार रहा है. लीग स्टेज में ये टीमें टॉप-2 में रहीं थीं और अब खिताब से एक जीत दूर हैं. ये मैच फैंस के लिए भी काफी खास रहने वाला है. उन्होंने आईपीएल में 9 साल के बाद एक खास नजारा देखने को मिलेगा.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स की नजर अब अपने पहले आईपीएल खिताब पर है. वहीं, 2016 के बाद पहली बार ऐसा होगा, जब फाइनल में दोनों ऐसी टीमें आमने-सामने होंगी, जिन्होंने अभी तक एक बार भी खिताब नहीं जीता है.

यानी क्रिकेट फैंस को 9 साल बाद ऐसी टीमों के बीच फाइनल देखने को मिलेगा, जिन्होंने एक भी सीजन नहीं जीता है. इसका मतलब है कि आईपीएल को अपना 8वां नया चैंपियन मिलेगा और 2022 के बाद यह पहली बार होगा, जब कोई नई टीम खिताब जीतेगी.

इससे पहले 2016 में फाइनल मैच सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमों के बीच खेला गया था. तब दोनों ही टीमों के पास कोई खिताब नहीं था और सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी को हराकर अपना पहला खिताब जीता था. इसके बाद 2017 से 2024 तक हर फाइनल में कम से कम एक ऐसी टीम थी, जिसने पहले खिताब जीता था. जैसे चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, या कोलकाता नाइट राइडर्स.

2022 के बाद नया चैंपियन

2022 में गुजरात टाइटंस ने अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था, जो उनकी डेब्यू सीजन में एक बड़ी उपलब्धि थी. इसके बाद 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स और 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीते, जो पहले भी चैंपियन रह चुके थे. लेकिन 2025 में, आरसीबी और पीबीकेएस के बीच होने वाले फाइनल से एक नई चैंपियन टीम का उदय होगा, जो 2022 के बाद पहली बार होगा. वहीं, आईपीएल के 17 सीजन के इतिहास में अब तक 7 टीमें चैंपियन बन चुकी हैं. राजस्थान रॉयल्स (2008), डेक्कन चार्जर्स (2009), चेन्नई सुपर किंग्स (2010, 2011, 2018, 2021, 2023), कोलकाता नाइट राइडर्स (2012, 2014, 2024), मुंबई इंडियंस (2013, 2015, 2017, 2019, 2020), सनराइजर्स हैदराबाद (2016), और गुजरात टाइटंस (2022). अब 2025 में विजेता चाहे कोई भी हो आईपीएल का 8वां नया चैंपियन मिलना तय है.

मैक्सवेल ने वनडे से लिया संन्यास अब पूरा ध्यान टी-20 विश्व कप पर

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सोमवार को वनडे से संन्यास ले लिया। उन्होंने कहा कि वह स्वार्थी कारणों से नहीं खेलना चाहते क्योंकि उनका शरीर संघर्ष कर रहा है। 36 वर्षीय विस्फोटक बल्लेबाज और अक्सर कमतर आंके जाने वाले ऑफ स्पिन गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 149 वनडे मैच खेले हैं जिसमें कई लोगों द्वारा सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ वनडे पारी मानी जाती है। मैक्सवेल 2023 विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले थे, जब उनकी टीम 7-91 के स्कोर पर लड़खड़ा रही थी। उच्च दबाव की स्थिति में और भीषण गर्मी में गंभीर ऐंठन से जूझते हुए उन्होंने हार के मुंह से जीत छीनने के लिए सिर्फ 128 गेंदों पर 201 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया ने अहमदाबाद में पसंदीदा भारत को हराकर विश्व कप जीता। उन्होंने फाइनल वर्ड पॉडकास्ट से कहा, मुझे लगा कि मैं टीम को थोड़ा निराश कर रहा हूं क्योंकि शरीर परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया कर रहा है। मैंने (चयनकर्ताओं के अध्यक्ष) जॉर्ज बेली के साथ अच्छी बातचीत की और उनसे पूछा कि आगे के बारे में उनके क्या विचार हैं। हमने 2027 विश्व कप के बारे में बात की और मैंने उनसे कहा मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर पाऊंगा, अब समय आ गया है कि मेरी स्थिति में लोगों के लिए योजना बनाई जाए ताकि वे इस स्थिति को अपना बना सकें। मैक्सवेल हाल ही में पंजाब किंग्स के साथ आईपीएल में खेले थे, जो उंगली में चोट के कारण बीच में ही वापस लौट गए थे। विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि अगर मुझे लगता है कि मैं अभी भी खेलने के लिए पर्याप्त अच्छा हूं तो मैं अपनी स्थिति नहीं छोड़ूंगा। मैं सिर्फ कुछ सीरीज तक ही टिके रहना नहीं चाहता था और स्वार्थी कारणों से खेलना नहीं चाहता था। मैक्सवेल का 126 का स्ट्राइक रेट वनडे क्रिकेट में दूसरा सबसे अधिक है, जो वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज आंद्रे रसेल से पीछे है। उन्होंने 77 विकेट के साथ चार शतक और 23 अर्धशतक लगाए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, मैक्सवेल ने भारत और श्रीलंका में 2026 आईसीसी पुरुष ज्ञ20 विश्व कप, बिग बैश लीग और अपनी अन्य वैश्विक प्रतिबद्धताओं के लिए अपनी तैयारी को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। मैक्सवेल ने अपने शानदार एकदिवसीय करियर में कई बेहतरीन मैच खेले हैं, जिसमें दो एकदिवसीय विश्व कप जीत भी शामिल हैं।

इस साल की शुरुआत में मार्कस स्टोइनिस के एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यह घोषणा ऑस्ट्रेलियाई टीम के किसी सदस्य द्वारा दूसरी महत्वपूर्ण सेवानिवृत्ति है। मैक्सवेल ने अपने एकदिवसीय करियर पर विचार करते हुए कहा, मुझे लगता है कि शुरुआत में ही मुझे अपने समय से पहले और अचानक चुना गया था। मुझे ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने पर गर्व था। मुझे लगा कि मैं बस यही करूँगा। तब से, मैं उतार-चढ़ाव से गुजरने में सक्षम रहा हूं, जैसे कि टीम से बाहर होना, वापस लाया जाना, कुछ विश्व कप में खेलना और कुछ बेहतरीन टीमों का हिस्सा होना। मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने मैक्सवेल को एक रोमांचक और प्रभावशाली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, ग्लेन की शानदार बल्लेबाजी ने क्रिकेट जगत को जगमगा दिया है और 50 ओवर के खेल में ऑस्ट्रेलिया की निरंतर सफलता के आधारशिलाओं में से एक रहा है जिसमें 2023 विश्व कप जीत में उनकी वीरतापूर्ण भूमिका भी शामिल है। खेल के अन्य महान खिलाड़ियों की तरह, ग्लेन की बल्लेबाजी देखने के लिए भीड़ मैदानों में उमड़ी है और बच्चों ने उन्हें विपक्षी हमलों को चकमा देते हुए बल्ला उठाने के लिए प्रेरित किया है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और वर्तमान मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने भी मैक्सवेल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ग्लेन को एक दिवसीय खेल के सबसे गतिशील खिलाड़ियों में से एक के रूप में जाना जाएगा जिन्होंने दो एकदिवसीय विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी स्वाभाविक प्रतिभा और कौशल का स्तर उल्लेखनीय है। सौभाग्य से, उनके पास अभी भी टी20 प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया को देने के लिए बहुत कुछ है। सब कुछ ठीक रहा तो अगले 12 महीनों में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे क्योंकि हम अगले साल की शुरुआत में विश्व कप की ओर बढ़ रहे हैं।

कोहली मुसीबत में फंसे, पब और रेस्तरां पर पुलिस ने की कार्रवाई, दर्ज हुआ मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली के स्वामित्व वाले बेंगलुरु स्थित पब और रेस्तरां वन8 कम्यून को धूम्रपान क्षेत्र निर्धारित न होने के कारण पुलिस ने मामला दर्ज किया है। कब्बन पार्क पुलिस ने सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने के लिए रेस्तरां के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया है। रेस्तरां के भीतर धूम्रपान के लिए निर्दिष्ट क्षेत्र न होने के कारण पब पर मामला दर्ज किया गया है। ये धाराएं होटल, रेस्तरां और हवाई अड्डों जैसे कुछ स्थानों पर निर्दिष्ट धूम्रपान क्षेत्र की अनुमति देती हैं। मामला शनिवार है जिसमें सार्वजनिक धूम्रपान मानदंडों को लागू करने के लिए बेंगलुरु सिटी पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई कर्नाटक सरकार द्वारा हुक्का बार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और तंबाकू उत्पाद खरीदने की कानूनी उम्र 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष करने के ठीक एक दिन बाद की गई है। राज्य सरकार के सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद संशोधन अधिनियम, 2024 को हाल ही में राष्ट्रपति की मंजूरी मिली है। यह पहली बार नहीं है जब वन8 कम्यून कानूनी मुसीबत में फंसा है। पिछले साल जून में पब और रेस्तरां के खिलाफ निर्धारित समय से अधिक संचालन करने के लिए मामला दर्ज किया गया था। उसके बाद दिसंबर में ब्रुहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने अग्नि सुरक्षा उल्लंघन और अग्निशमन विभाग से मंजूरी प्रमाण पत्र की कमी का आरोप लगाने वाली शिकायत के आधार पर प्रतिष्ठान को नोटिस जारी किया।

आईपीएल -2025 से बाहर होकर भी मालामाल हुई मुंबई इंडियंस

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का क्वालिफायर 2 एक रोमांचक मुकाबला साबित हुआ, जिसमें पंजाब किंग्स ने पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. हालांकि मुंबई इंडियंस इस हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गई, लेकिन फिर भी उसे इस सीजन में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए करोड़ों रुपये की प्राइज मनी से नवाजा जाएगा. आईपीएल 2025 का क्वालिफायर 2 एक रोमांचक मुकाबला साबित हुआ, जिसमें पंजाब किंग्स ने पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. हालांकि मुंबई इंडियंस इस हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गई, लेकिन फिर भी उसे इस सीजन में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए करोड़ों रुपये की प्राइज मनी से नवाजा जाएगा.

बीसीसीआई की ओर से इस सीजन की प्राइज मनी को लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है. ऐसे में माना जा रहा है कि आईपीएल 2025 की प्राइज मनी पिछले साल के बराबर रखी गई हैय इस साल की कुल पुरस्कार राशि 46.5 करोड़ रुपए हो सकती है, जो टूर्नामेंट की चार टॉप-4 टीमों के बीच बांटी जाएगी. बीसीसीआई की ओर से इस सीजन की प्राइज मनी को लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है. ऐसे में माना जा रहा है कि आईपीएल 2025 की प्राइज मनी पिछले साल के बराबर रखी गई हैय इस साल की कुल पुरस्कार राशि 46.5 करोड़ रुपए हो सकती है, जो टूर्नामेंट की चार टॉप-4 टीमों के बीच बांटी जाएगी. पिछले साल तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 7 करोड़ रुपए मिले थे. इस बार मुंबई इंडियंस की टीम ने भी सीजन को तीसरे स्थान पर खत्म किया है. ऐसे में उसे अपने इस शानदार खेल के लिए 7 करोड़ रुपए की प्राइज मनी दी जाएगी. पिछले साल तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 7 करोड़ रुपए मिले थे. इस बार मुंबई इंडियंस की टीम ने भी सीजन को तीसरे स्थान पर खत्म किया है. ऐसे में उसे अपने इस शानदार खेल के लिए

7 करोड़ रुपए की प्राइज मनी दी जाएगी. मुंबई इंडियंस ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और एलिमिनेटर में गुजरात टाइटंस को 20 रनों से हराकर क्वालिफायर 2 में जगह बनाई थी. हालांकि, पंजाब के खिलाफ वे अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए. इस मैच में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203 रन बनाए थे. लेकिन वह इस टारगेट को डिफेंड करने में नाकाम रही. मुंबई इंडियंस ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और एलिमिनेटर में गुजरात टाइटंस को 20 रनों से हराकर क्वालिफायर 2 में जगह बनाई थी. हालांकि, पंजाब के खिलाफ वे अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए. इस मैच में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203 रन बनाए थे. लेकिन वह इस टारगेट को डिफेंड करने में नाकाम रही. मुंबई इंडियंस के लिए ये हार काफी चुभने वाली हैं. दरअसल, आईपीएल में ये पहला मौका था जब पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई की टीम को 200 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा.

दो साल बाद बॉलीवुड में कमबैक पर बोलीं नरगिस फाखरी

ऐसा लग रहा है, जैसे कभी गई ही नहीं

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी अपनी आने वाली फिल्म हाउसफुल 5 को लेकर चर्चाओं में हैं। वह इस फिल्म के जरिए दो साल बाद स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि वह अपने कमबैक से काफी खुश हैं, उन्हें ऐसा लग रहा है, जैसे वह कभी पर्दे से दूर गई ही नहीं थीं। नरगिस ने रविवार को इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। ये तस्वीरें हाउसफुल 5 के ट्रेलर लॉन्च के दौरान किए गए फोटोशूट की हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, कमबैक... जैसे कभी गई ही नहीं थीं, अब पहले से भी ज्यादा ताकतवर और शानदार अंदाज में लौट आई हूं। एक्ट्रेस को अब से पहले 2023 में रिलीज हुई अनुपम खेर-नीना गुप्ता अभिनीत शिव शास्त्री बलबोआ में देखा गया था। इस फिल्म का निर्देशन अजय वेणुगोपालन ने किया था। उनकी आने वाली फिल्म हाउसफुल 5 की बात करें तो, 31 मई को फिल्म से नया गाना द फुगड़ी डांस रिलीज किया गया था। फिल्म से अभी तक चार गाने, जिसमें लाल परी, दिल ए नादान, कयामत और नया द फुगड़ी डांस शामिल हैं, रिलीज हो चुके हैं। फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है, जो इससे पहले दोस्ताना जैसी हिट फिल्म बना चुके हैं। इस फिल्म की कहानी साजिद नाडियाडवाला ने लिखी है। वह फिल्म के निर्माता भी हैं। फिल्म में 19 कलाकारों की बड़ी स्टारकास्ट है, जिनका किरदार अपनी अलग मस्ती और अंदाज लेकर आएगा।फिल्म के स्टारकास्ट में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे कलाकार हैं। हाउसफुल 5 6 जून को दुनिया भर में रिलीज होगी।

आमिर खान ने गर्लफ्रेंड गौरी के बारे में की बात, कहा-

सोचता था बूढ़ा हो गया हूं कौन मिलेगी?

आमिर खान ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के बारे में खुलकर बात की है। यही नहीं उन्होंने अपनी दोनों पत्नियों के बारे में भी बताया है। मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर बॉलीवुड अभिनेता अपनी अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आमिर अकसर अपनी जबरदस्त एक्टिंग के चलते सुर्खियों में रहते हैं। यही नहीं वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में बने रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी नई गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के बारे में खुलकर बात की है।

60 साल की उम्र में आमिर को हुआ प्यार

इसी साल 60 साल के हो चुके आमिर खान ने अपनी जिंदगी में दो बार शादी की है। वह अपनी दोनों पत्नियों से अलग हैं। अब उन्हें एक नई लड़की गौरी स्प्रैट से प्यार हुआ है। इसी साल अपने जन्मदिन पर आमिर खान ने गौरी स्पैट के साथ अपने रिश्ते के बारे में सबको बताया था। अब एक बार फिर आमिर खान ने एक इंटरव्यू में अपनी गर्लफ्रेंड के बारे में बात की है।

गौरी से गलती से मिले आमिर खान

राज शमानी के साथ बातचीत में आमिर खान ने बताया गौरी स्प्रैट से मिलने से पहले मुझे लगता था कि मैं बूढ़ा हो गया हूं। मुझे इस उम्र में कौन मिलेगी? थेरेपी ने वास्तव में मुझे ये समझने में मदद की कि मुझे पहले खुद से प्यार करने की जरूरत है। मुझे ठीक होना था और अपनी सेहत पर काम करना था। गौरी और मैं गलती से मिले। हम जुड़े और दोस्त बन गए और प्यार हो गया।

पूर्व पत्नियों के साथ आमिर के कैसे हैं रिश्ते?

आमिर खान ने अपनी पूर्व पत्नियों के बारे में कहा रीना दत्ता और किरण राव के साथ मेरे बहुत मजबूत और गहरे रिश्ते रहे हैं। हम अब भी करीब हैं। हम एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। हम पति-पत्नी नहीं रह सकते लेकिन हमेशा एक परिवार रहेंगे। हम बैठते हैं और बातें करते हैं। हमारे बीच सच्चा प्यार और गर्मजोशी है। ये खत्म होने वाला नहीं है।

रीना और किरण से आमिर की शादी

आमिर खान ने अपनी पहली पत्नी रीना दत्ता से 18 अप्रैल 1986 को शादी की थी। दोनों की शादी लगभग 16 साल चली, इनके दो बच्चे हैं इरा खान और जुनैद खान। साल 2002 में आमिर और रीना अलग हो गए। आमिर खान ने 28 दिसंबर 2005 को अपनी दूसरी पत्नी किरण राव से शादी की। दोनों से आजाद नाम का एक बेटा है। 2021 में दोनों अलग हो गए। अब आमिर खान को गौरी स्प्रैट से प्यार हुआ है।

हर्षवर्द्धन दीवानियत के अंतिम शेड्यूल के लिए तैयार

अभिनेता हर्षवर्धन राणे अपनी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शूटिंग अगले हफ्ते से शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने जुलाई में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक ओमंग कुमार के साथ अपनी अगली सोलो फिल्म शुरू करने को लेकर भी उत्साह जताया है। हर्षवर्धन राणे ने इंस्टाग्राम पर अपनी दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह स्विमिंग पूल के पास खड़े नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों में वह सफेद बिना बाजू की शर्ट, काली कार्गो पैंट और सनग्लास पहने हुए हैं। वह इन कपड़ों में काफी स्टाइलिश दिख रहे हैं। कैप्शन में हर्षवर्धन ने लिखा, अगले हफ्ते दीवानियत की आखिरी शूटिंग चरण का इंतजार है और एक महीने बाद राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक ओमंग कुमार सर के साथ अपनी अगली एकल फिल्म शुरू करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। आज शाम तक और जानकारी दूंगा! अगर बात करें 'एक दीवाने की दीवानियत' की तो इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे के साथ सोनम बाजवा भी नजर आएंगी। यह फिल्म दशहरे पर रिलीज की जाएगी। 27 मई को फिल्म का पोस्टर जारी किया गया था, जिसमें मुख्य जोड़ी के बीच गहरी भावना और केमिस्ट्री दिखाई गई थी। यह फिल्म प्यार, भावनाओं और ड्रामा से भरी कहानी का वादा करती है। अभिनेताओं ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 2 अक्टूबर 2025, गांधी जयंती और दशहरे के मौके पर सिनेमाघरों में दिखेगी मोहब्बत, नफरत और एक दीवाने की दीवानियत की कहानी! यह फिल्म प्यार, जुनून और दिल टूटने जैसी गहरी भावनाओं को दिखाती है। अगर ओमंग कुमार की इस आने वाली फिल्म की बात करें, तो इसमें सादिया खतीब और करण वीर मेहरा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। ओमंग कुमार दमदार फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं, और हर्षवर्धन की जबरदस्त अभिनय शैली के साथ यह फिल्म एक शानदार सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। उम्मीद है कि फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगी। इस फिल्म को ओमंग कुमार के साथ मिलकर उमेश के.आर. बंसल, प्रगति देशमुख, हिमांशु तिवारी, अजय सिंह, धनंजय सिंह, अभिषेक अंकुर और कैप्टन राहुल बाली प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं राहत शाह काजमी इस फिल्म के सह-निर्माता हैं। हर्षवर्धन ने अपने करियर की शुरुआत 2007-2008 में टेलीविजन शो लेफ्ट राइट लेफ्ट में एक छोटे से रोल से की थी। इसके बाद वह ना इष्टम, अवुनु, प्रेमा इश्क काधल, अनामिका और माया जैसी कई सफल तेलुगु फिल्मों में नजर आए। सनम तेरी कसम से हिंदी फिल्मों में कदम रखने के बाद, उन्हें तैश (2020) में एक गैंगस्टर की भूमिका और हसीन दिलरुबा (2021) में एक रोमांटिक प्रेमी की भूमिका के लिए खूब सराहा गया।

मणिरत्नम की फिल्म हर रोज ऑफर नहीं होती:अली फजल

बॉलीवुड एक्टर अली फजल ने फिल्म ठग लाइफ के लिए हां कहने के पीछे की वजह का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि मणिरत्नम की फिल्म हर रोज ऑफर नहीं होती और निश्चित रूप से स्टार कमल हासन के साथ तो बिल्कुल नहीं। अली फजल ने कहा, आपके जीवन में कुछ ऐसे कॉल आते हैं, जिनके बारे में आपको तुरंत पता चल जाता है कि वे आपकी यात्रा की दिशा बदलने वाले हैं, यह उनमें से एक था। अभिनेता ने कहा कि अपकमिंग फिल्म ठग लाइफ के लिए हां कहने से पहले उन्हें एक सेकंड के लिए भी नहीं सोचना पड़ा। उन्होंने कहा, जब आप मणिरत्नम का नाम सुनते हैं, तो आप सिर्फ सिनेमा के बारे में नहीं सोचते बल्कि आप विरासत के बारे में सोचते हैं। आप ऐसी कहानी के बारे में सोचते हैं, जो गहरी भावनाओं और मानवीय कहानियों से भरी होती है। मुझे 'ठग लाइफ' के लिए हां कहने से पहले एक पल के लिए भी नहीं सोचना पड़ा। मणिरत्नम की फिल्म में काम करना कोई रोजमर्रा का मौका नहीं है, खासकर जब इसमें कमल हासन जैसे महान अभिनेता शामिल हों। अली ने कहा कि वह फिल्म का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। अली ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह फिल्म भारतीय सिनेमा के विभिन्न क्षेत्रों के कलाकारों को एक साथ लाती है और कई भाषाओं में बन रही है, जो इसे और भी खास बनाता है। उन्होंने कहा, यह एक ऐसी महत्वाकांक्षी और बड़ी कहानी है, जिसमें मैं हमेशा से हिस्सा लेना चाहता था। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व और उत्साह की बात है। मणिरत्नम की फिल्म 'ठग लाइफ' एक शानदार सिनेमाई अनुभव प्रदान करने वाली है, जिसमें दमदार अभिनय, रोमांचक कहानी और भव्य दृश्यों का मिश्रण होगा। यह फिल्म मणिरत्नम की निर्देशकीय शैली को दर्शाती है। सुपरस्टार कमल हासन इस फिल्म के मुख्य अभिनेता हैं। 'ठग लाइफ' 5 जून को सिनेमाघरों में तमिल, हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी। इसके अलावा, अली फजल फिल्म मेट्रो...इन दिनों में भी नजर आएंगे, जो अनुराग बासु के डायरेक्शन में बनी है। यह फिल्म आधुनिक पृष्ठभूमि में प्यार की जटिलताओं और भावनाओं को दिखाती है। यह अनुराग बासु की 2007 की फिल्म लाइफ इन अ... मेट्रो का एक तरह से सीक्वल है, जिसमें मुंबई में नौ लोगों की आपस में जुड़ी जिंदगियों की कहानी दिखाई गई थी।

भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु द्वारा निर्मित यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

निर्देशन पर जो मैं ज्ञान देती हूं, वह मेरा नहीं बल्कि राज खोसला का है: पूजा भट्ट

फिल्म निर्माता और एक्ट्रेस पूजा भट्ट ने दिवंगत निर्देशक राज खोसला की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी बुद्धिमानी आज भी उनका और नए फिल्मकारों का मार्गदर्शन देती है। उन्होंने कई पीढ़ियों तक अपनी छाप छोड़ी है, जो लोग उन्हें नहीं जानते, वे भी उनकी कला की सराहना करते हैं। पूजा भट्ट अपने पिता व फिल्म निर्माता महेश भट्ट और मशहूर एक्ट्रेस आशा पारेख के साथ मुंबई के रीजल सिनेमा में आयोजित कार्यक्रम राज खोसला 100- बंबई का बाबू में शामिल हुईं। फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने यह कार्यक्रम फिल्म निर्माता और निर्देशक राज खोसला की 100वीं सालगिरह के मौके पर आयोजित किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस कार्यक्रम की कई तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, राज साहब एक बड़े सितारे की तरह हैं। भले ही उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया हो, लेकिन उनकी रोशनी अभी भी मुझमें चमकती है। जब मैं आज के नए फिल्मकारों का मार्गदर्शन करती हूं, तो मुझे उनकी आवाज अपनी आवाज में सुनाई देती है। जो ज्ञान मैं उन्हें देती हूं, वह मेरा नहीं बल्कि उनका है।

कमल हासन ने सदमा के दिल दहला देने वाले क्लाइमेक्स का राज खोला

दिग्गज अभिनेता कमल हासन की फिल्म 'सदमा' में उनकी अदाकारी हमेशा याद रहेगी। फिल्म के क्लाइमेक्स को कौन भूल सकता है, जब श्रीदेवी का किरदार अपनी याददाश्त वापस पाने के बाद कमल हासन के किरदार को छोड़ देती है? श्रीदेवी ने फिल्म में अपना दबदबा बनाए रखा। कमल हासन अपनी शानदार अदाकारी के साथ आते हैं और गहरा प्रभाव छोड़ते हैं। हालांकि फिल्म के अंत में कमल की अदाकारी की अक्सर तारीफ की जाती है, लेकिन वह फिल्म का पूरा श्रेय लेने से इनकार कर देते हैं। अभिनेता ने बात करते हुए कहा कि वह श्रीदेवी और फिल्म के निर्देशक बालू महेंद्र के साथ समान रूप से श्रेय साझा करते हैं। कमल ने बताया, आप मणिरत्नम या बालू महेंद्र जैसे फिल्म निर्माता से कोई फिल्म नहीं छीन सकते। इसलिए वह मुझे एक मजबूत किरदार देने की कोशिश कर रहे थे, और वास्तव में नायक को ऊपर उठा रहे थे। दर्शक नायक के गुस्से, दर्द और प्यार का अनुभव करते हैं, जिसे उभारने के लिए आपको पूरे समय मेहनत करनी होगी। मुझे लगता है कि हम तीनों ने उस फिल्म में अभिनय किया। यह एक कॉम्पैक्ट चीज है। और श्री बालू महेंद्र ने संपादन, छायांकन, लेखन, यह सब किया। इसलिए क्रू बहुत छोटा था। उन्होंने कहा कि बालू एफटीआईआई, पुणे से चेन्नई आए शुरुआती लोगों में से एक थे, जिन्होंने सिनेमा को सरल बनाया। आप एक साथी छात्र से जो सीखते हैं, वह एक महान गुरु की शिक्षा से कहीं ज्यादा होता है। हम दोनों ही संघर्ष कर रहे थे। वह थोड़े बड़े थे, इसलिए यह एक बड़े भाई के साथ चलने जैसा था। इससे पहले, कमल ने कहा था कि इतने बड़े काम के बावजूद उन्हें सिनेमा का छात्र बनना पसंद है। वह अभिनेताओं की एक दुर्लभ नस्ल से हैं, जिन्हें सेल्युलाइड पर बड़े होने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने छह साल की उम्र में एक बाल कलाकार के रूप में अपनी शुरुआत की और दर्शकों के सामने बड़े हुए। उन्होंने कहा कि सिनेमा के तेजी से विकास और विस्तार को देखते हुए, सबसे सुरक्षित स्थान विद्यार्थी होना है। दिग्गज अभिनेता ने कहा कि सिनेमा इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है और इतने सारे उपकरण आ रहे हैं, एकमात्र सबसे सुरक्षित जगह छात्र बनना है, न कि शिक्षा देना शुरू करना। हम जो मानते हैं, हमारे विचार कुचले जा सकते हैं, फिर भी हमें उन विचारों पर विश्वास करना होगा .

ग्लैमरस इमेज को तोड़ने के लिए मिट्टी और सोना में निभाएं दो अलग किरदार: सोनम खान

दिग्गज एक्ट्रेस सोनम खान ने बताया कि 1989 की फिल्म मिट्टी और सोना में उनका किरदार उनके लिए बहुत चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने अपनी ग्लैमरस छवि से अलग हटकर पहचान बनाने के लिए फिल्म में कॉलेज गर्ल और एक तवायफ दोनों का रोल निभाया था। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर फिल्म मिट्टी और सोना से अपने किरदार की कुछ तस्वीरें शेयर की और बताया कि महज 15-16 साल की उम्र में उन्होंने रेड-लाइट एरिया जाकर वहां की जिंदगी को देखा था। इससे उन्हें न सिर्फ हिम्मत और समझ मिली, बल्कि फिल्म में अपने किरदार को ईमानदारी से निभाने में मदद भी मिली। पोस्ट के कैप्शन में सोनम ने लिखा, मिट्टी और सोना मेरे दिल के सबसे करीब फिल्म है... इसमें मैंने एक कॉलेज गर्ल और एक तवायफ का रोल निभाया था। हां, ये रोल करना बहुत चुनौतीपूर्ण था।

'नमक इश्क का' गाने से पहले

काम को तरस रही थीं सिंगर रेखा, आइटम सॉन्ग पर बोलीं-अश्लीलता नहीं

भारतीय सिंगर रेखा भारद्वाज को साल 2006 में आई फिल्म ओमकारा के नमक गाने से खास उपलब्धि प्राप्त हुई। इस गाने ने उनकी जिंदगी को वापस पटरी पर लाने का काम किया था। अब गायिका ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया, जब उन्हें काम नहीं मिल रहे थे। आइए जानते हैं सिंगर ने क्या कहा।

नमक गाने से मिला खोया हुआ आत्मविश्वास

गायिका रेखा भारद्वाज ने ओमकारा फिल्म के 'नमक' गाने से मिली प्रसिद्धि के दिनों को याद करते हुए न्यूज 18 से बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे गाने के जरिए अपने उस शरारती, नटखट पक्ष को फिर से खोजने में बहुत समय लगा। जब मुझे पहली बार इसे गाने के लिए कहा गया तो मैंने अपना सारा आत्मविश्वास खो दिया था। परंतु, विशाल भारद्वाज ने मुझ पर विश्वास किया और उन्होंने एक रात मुझे इसे गाते हुए एक रिकॉर्डिंग सुनाई और कहा, केवल तुम ही इसे गा सकती हो। इससे मुझे वह प्रेरणा मिली जिसकी मुझे जरूरत थी। उस समय तक, मुझे ज़्यादा काम नहीं मिल रहा था। उस गाने ने मुझे मेरी क्षमता का एहसास कराया।'

आइटम सॉन्ग गाने से नहीं कोई परहेज

गायिका ने आगे बातचीत में आइटम सॉन्ग को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा, मुझे आइटम सॉन्ग गाने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन अगर वो सौंदर्यपूर्ण नहीं है, तो मैं उसे गाना नहीं चाहूंगी। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं सस्ती हो जाऊं और कुछ भी गाने लगूं। आइटम सॉन्ग हमारी सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी हिस्सा है। लेकिन यह इस बारे में है कि इसे कैसे प्रदर्शित किया जाए। एक गाना आंखो को लुभा सकता है, फिर भी गरिमा के साथ। लता मंगेशकर के गाने 'आ जाने जां' को ही देख लीजिए, इस तरह के गानों में शालीनता थी, अश्लीलता नहीं।'

रेखा भारद्वाज के बारे में

रेखा भारद्वाज संगीत की दुनिया का जाना माना नाम हैं। उन्होंने कई गानों में अपने सुरों की जादूगरी दिखाई है। उनके कुछ चर्चित गाने हैं हमारी अटरिया पे, मोरा जिया लागे ना, कबीरा आदि।

-साभार-एजेंसी